

CTET L1 Hindi L2 Assamese P1

Topic:- CDP_P1_CTET

1) While biologically _____ abilities such as walking can be gained through _____ ; biologically _____ abilities such as writing require _____ .

- (1) primary; playful interaction with environment; secondary; explicit instruction
- (2) secondary; playful interaction with environment; primary; explicit instruction
- (3) primary; explicit instruction; secondary; self-driven practice
- (4) secondary; eliminating explicit instruction; primary; explicit instruction

जैवकीय _____ योग्यताएँ जैसे कि चलना _____ के माध्यम से हासिल हो सकती है; जैवकीय _____ योग्यताएँ जैसे कि लिखने के लिए _____ की आवश्यकता होती है।

- (1) प्राथमिक; परिवेश के साथ आनन्ददायी अन्तःक्रियाएँ; द्वितीयक; स्पष्ट अनुदेशन
- (2) द्वितीयक; परिवेश के साथ आनन्ददायी अन्तःक्रियाएँ; प्राथमिक; स्पष्ट अनुदेशन
- (3) प्राथमिक; स्पष्ट अनुदेशन; द्वितीयक; स्वयं-निर्देशित अभ्यास
- (4) द्वितीयक; स्पष्ट अनुदेशन की विलगता; प्राथमिक; स्पष्ट अनुदेशन

[Question ID = 1][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_101_Q1]

- 1. 1 [Option ID = 1]
- 2. 2 [Option ID = 2]
- 3. 3 [Option ID = 3]
- 4. 4 [Option ID = 4]

2) Which of the following statements is correct in the context of development ?

- (1) Development is purely a result of heredity only.
- (2) Course of development is from specific to general.
- (3) Development happens from outward to centre.
- (4) Development proceeds from head to toe.

विकास के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सही है ?

- (1) विकास पूर्ण रूप से केवल आनुवंशिकता का ही परिणाम है।
- (2) विकास का क्रम विशिष्ट से सामान्य की ओर होता है।
- (3) विकास बाहर से केंद्र की ओर होता है।
- (4) विकास सिर से पाँव की ओर बढ़ता है।

[Question ID = 2][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_101_Q2]

- 1. 1 [Option ID = 5]
- 2. 2 [Option ID = 6]
- 3. 3 [Option ID = 7]
- 4. 4 [Option ID = 8]

3) Which of the following is primary socialisation agent/agency for children in primary grades ?

- (1) Immediate family
- (2) Cultural beliefs
- (3) Religious organisation
- (4) Print media

प्राथमिक कक्षा के बच्चों के लिए निम्नलिखित में से कौन-सा प्राथमिक समाजीकरण का कारक/संस्था है ?

- (1) निकटतम परिवार
- (2) सांस्कृतिक धारणाएँ
- (3) धार्मिक संगठन
- (4) मुद्रित संचार माध्यम

[Question ID = 3][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_101_Q3]

- 1. 1 [Option ID = 9]
- 2. 2 [Option ID = 10]
- 3. 3 [Option ID = 11]
- 4. 4 [Option ID = 12]

4) In accordance with Jean Piaget's theory of Cognitive Development, at what stage can children 'mentally do reverse thinking' ?

- (1) Sensimotor
- (2) Preoperational
- (3) Concrete operational
- (4) Formal operational

जीन पियाजे के संज्ञानात्मक विकास के सिद्धान्त के अनुसार, बच्चे किस अवस्था में 'चिंतन को मानसिक रूप से प्रतिवर्तित' कर सकते हैं ?

- (1) संवेदी-गत्यात्मक
- (2) पूर्व-संक्रियात्मक
- (3) मूर्त संक्रियात्मक
- (4) औपचारिक संक्रियात्मक

[Question ID = 4][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_101_Q4]

- 1. 1 [Option ID = 13]
- 2. 2 [Option ID = 14]
- 3. 3 [Option ID = 15]
- 4. 4 [Option ID = 16]

5) According to Jean Piaget, the process of continually fitting the experiences into our existing schemas is called _____ .

- (1) Assimilation
- (2) Accommodation
- (3) Categorisation
- (4) Conceptualisation

जीन पियाजे के अनुसार, हमारे मौजूदा स्कीमा में अनुभवों को लगातार सम्मिलित करने की प्रक्रिया को _____ कहा जाता है।

- (1) समावेशन
- (2) समायोजन
- (3) वर्गीकरण
- (4) संकल्पना निर्माण

[Question ID = 5][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_101_Q5]

- 1. 1 [Option ID = 17]
- 2. 2 [Option ID = 18]
- 3. 3 [Option ID = 19]
- 4. 4 [Option ID = 20]

6) Which of the following theory gives significant consideration to discussions and debates in the process of learning ?

- (1) B. F. Skinner's theory of Behaviourism
- (2) Lawrence Kohlberg's theory of moral development
- (3) Lev Vygotsky's Socio-cultural theory
- (4) Sigmund Freud's theory of Psychoanalysis

निम्नलिखित में से कौन-सा सिद्धांत सीखने की प्रक्रिया में चर्चा और वाद-विवाद को बहुत महत्व देता है ?

- (1) बी. एफ. स्किनर द्वारा प्रतिपादित व्यवहारवाद का सिद्धांत
- (2) लॉरेंस कोह्लबर्ग द्वारा नैतिक विकास का सिद्धांत
- (3) लेव वायगोत्स्की का सामाजिक-सांस्कृतिक सिद्धांत
- (4) सिगमंड फ्रायड का मनोविश्लेषण सिद्धांत

[Question ID = 6][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_101_Q6]

- 1. 1 [Option ID = 21]
- 2. 2 [Option ID = 22]
- 3. 3 [Option ID = 23]
- 4. 4 [Option ID = 24]

7) Seeing a student struggling with a question, her teacher decides to give cues and simplify the language of the question. In Lev Vygotsky's theory, this is referred to as _____.

- (1) Imitation
- (2) Conditioning
- (3) Scaffolding
- (4) Assimilation

एक विद्यार्थी को किसी सवाल से जूझते देखकर, उसकी अध्यापिका उस सवाल की भाषा को सरल करने और कुछ संकेत देने का निर्णय लेती है। लेव वायगोत्स्की के सिद्धांत में, इसे क्या कहा गया है ?

- (1) अनुकरण
- (2) अनुकूलन
- (3) पाइ
- (4) आत्मसात्करण

[Question ID = 7][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_101_Q7]

- 1. 1 [Option ID = 25]
- 2. 2 [Option ID = 26]
- 3. 3 [Option ID = 27]
- 4. 4 [Option ID = 28]

8) Lawrence Kohlberg used _____ to evaluate the moral reasoning among children and adults.

- (1) hypothetical situations
- (2) paper-pen test
- (3) drawings
- (4) report cards

लॉरेंस कोह्लबर्ग ने बच्चों एवं वयस्कों में नैतिक तर्क का मूल्यांकन के लिए किसका उपयोग किया ?

- (1) परिकल्पित स्थितियाँ
- (2) कागज़-कलम आधारित परीक्षा
- (3) चित्रकला
- (4) रिपोर्ट कार्ड्स

[Question ID = 8][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_101_Q8]

- 1. 1 [Option ID = 29]
- 2. 2 [Option ID = 30]
- 3. 3 [Option ID = 31]
- 4. 4 [Option ID = 32]

9) Advocates of constructivism give importance to

- (1) Child-centred curriculum
- (2) Culturally non-responsive pedagogy
- (3) Overlooking the individual differences
- (4) Convergent ways of thinking

रचनावाद का समर्थन करने वाले किसे महत्व देते हैं ?

- (1) बाल-केंद्रित पाठ्यचर्या को
- (2) सांस्कृतिक रूप से अनुत्तरदायी शिक्षणशास्त्रीय प्रविधियों को
- (3) व्यक्तिगत भिन्नताओं को अनदेखा करने को
- (4) चिन्तन के अभिसारी तरीकों को

[Question ID = 9][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_101_Q9]

- 1. 1 [Option ID = 33]
- 2. 2 [Option ID = 34]
- 3. 3 [Option ID = 35]
- 4. 4 [Option ID = 36]

10) Intelligence Quotient (IQ) tests are criticised for

- (1) being considerate of cultural diversity.
- (2) conceptualising intelligence as a set of different abilities.
- (3) ignoring the influence of environmental factors on test performance.
- (4) considering social factors in measuring memory, reasoning and verbal skills.

बुद्धि लब्धि (IQ) परीक्षणों की आलोचना इसलिए की जाती है क्योंकि वे

- (1) सांस्कृतिक विविधता को ध्यान में रखते हैं।
- (2) बुद्धि को विभिन्न क्षमताओं के एक समूह के रूप में मानते हैं।
- (3) परीक्षण निष्पादन पर पर्यावरणीय कारकों के प्रभाव को नज़र-अंदाज़ करते हैं।
- (4) स्मृति, तर्क और मौखिक कौशलों के मापन में सामाजिक कारकों को ध्यान में रखते हैं।

[Question ID = 10][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_101_Q10]

- 1. 1 [Option ID = 37]
- 2. 2 [Option ID = 38]
- 3. 3 [Option ID = 39]
- 4. 4 [Option ID = 40]

11) Which of the following statements is correct in context of language and thought ?

- (1) Jean Piaget suggested that language facilitates cognition.
- (2) Lev Vygotsky suggested that language has no influence on thinking.
- (3) Jean Piaget suggested that thinking depends on speech.
- (4) Lev Vygotsky suggested that language enables tools for thinking.

भाषा और विचार के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सही है ?

- (1) जीन पियाज़े ने प्रस्तावित किया है कि भाषा संज्ञान में सहायक होती है।
- (2) लेव वायगोत्स्की ने प्रस्तावित किया है कि भाषा का चिंतन पर कोई प्रभाव नहीं होता है।
- (3) जीन पियाज़े ने प्रस्तावित किया है कि चिंतन करना भाषा को सीखने पर निर्भर करता है।
- (4) लेव वायगोत्स्की ने प्रस्तावित किया है कि भाषा चिंतन को सुसाधित करती है।

[Question ID = 11][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_101_Q11]

- 1. 1 [Option ID = 41]
- 2. 2 [Option ID = 42]
- 3. 3 [Option ID = 43]
- 4. 4 [Option ID = 44]

12) Gender is dominantly a/an _____ construct.

- (1) biological
- (2) social
- (3) medical
- (4) arbitrary

जेंडर प्रमुख रूप से एक _____ निर्मिति है।

- (1) जैविक
- (2) सामाजिक
- (3) चिकित्सीय
- (4) यादृच्छिक

[Question ID = 12][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_101_Q12]

- 1. 1 [Option ID = 45]
- 2. 2 [Option ID = 46]
- 3. 3 [Option ID = 47]
- 4. 4 [Option ID = 48]

13) **Assertion (A) :**

In order to cater to the needs of students belonging to diverse socio-economic backgrounds, a teacher should adopt standardised curriculum.

Reason (R) :

Standardised curriculum takes care of all kinds of individual differences.

Choose the correct option :

- (1) Both (A) and (R) are true and (R) is the correct explanation of (A)
- (2) Both (A) and (R) are true but (R) is not the correct explanation of (A)
- (3) (A) is true but (R) is false
- (4) Both (A) and (R) are false

अभिकथन (A) :

विविध सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि वाले विद्यार्थियों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए एक शिक्षक को मानकीकृत पाठ्यचर्या अपनानी चाहिए।

तर्क (R) :

मानकीकृत पाठ्यचर्या सभी प्रकार की व्यक्तिगत भिन्नताओं को ध्यान में रखती है।

सही विकल्प चुनिए :

- (1) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या करता है
- (2) (A) और (R) दोनों सही हैं लेकिन (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है
- (3) (A) सही है लेकिन (R) गलत है
- (4) (A) और (R) दोनों गलत हैं

[Question ID = 13][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_101_Q13]

- 1. 1 [Option ID = 49]
- 2. 2 [Option ID = 50]
- 3. 3 [Option ID = 51]
- 4. 4 [Option ID = 52]

14) Formative assessment is done

- (1) at the end of session.
- (2) through standardised tests only.
- (3) throughout the teaching-learning process.
- (4) by a special educator only.

रचनात्मक आकलन

- (1) सत्र के अंत में किया जाता है।
- (2) केवल मानकीकृत परीक्षणों के माध्यम द्वारा किया जाता है।
- (3) समूची शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया के दौरान किया जाता है।
- (4) केवल एक विशिष्ट शिक्षक द्वारा किया जाता है।

[Question ID = 14][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_101_Q14]

- 1. 1 [Option ID = 53]
- 2. 2 [Option ID = 54]
- 3. 3 [Option ID = 55]
- 4. 4 [Option ID = 56]

15) Which of the following approach is likely to promote critical thinking among students ?

- (1) Asking close-ended factual questions
- (2) Helping students develop hypothesis
- (3) Encouraging convergent thinking
- (4) Teaching using textbooks only

निम्नलिखित में से कौन-से उपागम के द्वारा विद्यार्थियों में समालोचनात्मक चिंतन को बढ़ावा देने की संभावना है ?

- (1) बंद-अंत वाले तथ्य आधारित प्रश्न पूछना
- (2) परिकल्पनाओं को विकसित करने में विद्यार्थी को सहयोग देना
- (3) अभिसारी चिंतन को बढ़ावा देना
- (4) केवल पाठ्यपुस्तकों द्वारा पढ़ाना

[Question ID = 15][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_101_Q15]

1. 1 [Option ID = 57]
2. 2 [Option ID = 58]
3. 3 [Option ID = 59]
4. 4 [Option ID = 60]

16) For successful inclusion of students belonging to Scheduled Tribe (ST), it is important to

- (1) teach in the language preferred by the dominant group.
- (2) ignore their cultural knowledge and experiences.
- (3) provide educational materials developed in their local language.
- (4) maintain social distance between school and their community.

अनुसूचित जनजाति (ST) के विद्यार्थियों के समावेशन को सफल बनाने के लिए यह महत्वपूर्ण है कि

- (1) प्रमुख समूह द्वारा पसंद की जाने वाली भाषा में पढ़ाया जाए ।
- (2) उनके सांस्कृतिक ज्ञान और अनुभवों की अनदेखी की जाए ।
- (3) उनकी अपनी स्थानीय भाषा में बनाई गई शैक्षिक सामग्रियों को उपलब्ध करवाया जाए ।
- (4) विद्यालय और उनके समुदाय के बीच सामाजिक दूरी कायम रखी जाए ।

[Question ID = 16][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_101_Q16]

1. 1 [Option ID = 61]
2. 2 [Option ID = 62]
3. 3 [Option ID = 63]
4. 4 [Option ID = 64]

17) Students with Dyslexia are likely to

- (1) show eagerness to write long essays.
- (2) have advanced vocabulary.
- (3) comprehend text with much ease.
- (4) be reluctant to read.

डिस्लेक्सिया से ग्रसित विद्यार्थी

- (1) लंबे निबंध लिखने के लिए बहुत उत्सुक होते हैं।
- (2) बहुत विकसित शब्दावली का प्रयोग करते हैं।
- (3) पठन-सामग्री को बहुत आसानी से समझते हैं।
- (4) पढ़ने के लिए अनिच्छुक होते हैं।

[Question ID = 17][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_101_Q17]

1. 1 [Option ID = 65]
2. 2 [Option ID = 66]
3. 3 [Option ID = 67]
4. 4 [Option ID = 68]

18) Which of the following becomes a barrier for inclusion of students with visual impairment ?

- (1) Audio taped notes
- (2) Braille books
- (3) Verbal descriptions of visual aids
- (4) Written or printed materials

निम्नलिखित में से दृष्टिबाधित विद्यार्थियों के समावेशन में कौन एक बाधक बनता है ?

- (1) रिकार्ड की गई श्रव्य सामग्री
- (2) ब्रेल लिपि वाली पुस्तकें
- (3) दृश्यात्मक सहायक-सामग्री के मौखिक विवरण
- (4) लिखित या मुद्रित सामग्री

[Question ID = 18][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_101_Q18]

1. 1 [Option ID = 69]
2. 2 [Option ID = 70]
3. 3 [Option ID = 71]
4. 4 [Option ID = 72]

19) Which of the following is directly associated with 'Attention Deficit Hyperactivity Disorder' ?

- (1) High attention span
- (2) Persistent impulsivity
- (3) Low activity levels
- (4) Extended patience to listen

निम्नलिखित में से क्या 'ध्यानाभाव एवं अतिसक्रियता विकार' से संबंधित है ?

- (1) उच्च अवधान अवधि
- (2) दृढ़ आवेगशीलता
- (3) निम्न स्तरीय क्रियाशीलता
- (4) सुनने के लिए विस्तारित धैर्य

[Question ID = 19][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_101_Q19]

1. 1 [Option ID = 73]

2. 2 [Option ID = 74]
3. 3 [Option ID = 75]
4. 4 [Option ID = 76]

20) A key characteristic of 'Giftedness' is

- (1) High levels of intellectual ability
- (2) Lack of creativity
- (3) Impaired communication skills
- (4) Tendency to copy other's ideas

‘प्रतिभाशाली’ बच्चों की एक प्रमुख विशेषता है

- (1) उच्च स्तर की बौद्धिक क्षमता
- (2) रचनात्मकता की कमी
- (3) बाधित सम्प्रेषण कौशल
- (4) दूसरों के विचारों को नकल करने की प्रवृत्ति

[Question ID = 20][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_101_Q20]

1. 1 [Option ID = 77]
2. 2 [Option ID = 78]
3. 3 [Option ID = 79]
4. 4 [Option ID = 80]

21) *Assertion (A) :*

A teacher should present the contents to be taught in the form of connected and organised manner.

Reason (R) :

Learning is a passive process.

Choose the correct option :

- (1) Both (A) and (R) are true and (R) is the correct explanation of (A)
- (2) Both (A) and (R) are true but (R) is not the correct explanation of (A)
- (3) (A) is true but (R) is false
- (4) Both (A) and (R) are false

अभिकथन (A) :

एक शिक्षक को विषय-वस्तु को पढ़ाने के लिए उसे सम्बद्ध एवं संगठित तरीके से प्रस्तुत करना चाहिए ।

तर्क (R) :

सीखना एक निष्क्रिय प्रक्रिया है ।

सही विकल्प चुनिए :

- (1) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या करता है
- (2) (A) और (R) दोनों सही हैं लेकिन (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है
- (3) (A) सही है लेकिन (R) गलत है
- (4) (A) और (R) दोनों गलत हैं

[Question ID = 21][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_101_Q21]

- 1. 1 [Option ID = 81]
- 2. 2 [Option ID = 82]
- 3. 3 [Option ID = 83]
- 4. 4 [Option ID = 84]

22) According to contemporary theories of cognition, memory is _____ .

- (1) capable of construction but incapable of interpretation
- (2) capable of construction as well as interpretation
- (3) capable of interpretation but not capable of construction
- (4) capable of neither construction nor of interpretation

संज्ञान के समकालीन सिद्धांतों के अनुसार, स्मृति

- (1) निर्माण करने में सक्षम लेकिन विवेचना करने में असक्षम है ।
- (2) निर्माण एवं विवेचना करने दोनों में सक्षम है ।
- (3) विवेचना करने में सक्षम पर निर्माण करने में असक्षम है ।
- (4) न तो निर्माण में और न ही विवेचना करने में सक्षम है ।

[Question ID = 22][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_101_Q22]

- 1. 1 [Option ID = 85]
- 2. 2 [Option ID = 86]
- 3. 3 [Option ID = 87]
- 4. 4 [Option ID = 88]

23) In order to promote construction of knowledge by learners, a school should promote _____ pedagogies.

- (1) child-centric
- (2) exam-centric
- (3) teacher-centric
- (4) textbook-centric

शिक्षार्थियों द्वारा ज्ञान के निर्माण को बढ़ावा देने के लिए, एक विद्यालय को _____
शिक्षणशास्त्रीय प्रविधियों को बढ़ावा देना चाहिए।

- (1) बाल-केंद्रित
- (2) परीक्षा-केंद्रित
- (3) शिक्षक-केंद्रित
- (4) पाठ्यपुस्तक-केंद्रित

[Question ID = 23][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_101_Q23]

- 1. 1 [Option ID = 89]
- 2. 2 [Option ID = 90]
- 3. 3 [Option ID = 91]
- 4. 4 [Option ID = 92]

24) Which of the following is **not** a part of universal design for learning guidelines ?

- (1) Multiple means of engagement
- (2) Multiple means of discrimination
- (3) Multiple means of representation
- (4) Multiple means of expression

निम्नलिखित में से अधिगम दिशा-निर्देशों के लिए कौन-सा सार्वभौमिक अभिकल्प का हिस्सा
नहीं है ?

- (1) सहभागिता के बहुविध साधन
- (2) भेदभाव के बहुविध तरीके
- (3) प्रतिनिधित्व के बहुविध साधन
- (4) अभिव्यक्ति के बहुविध तरीके

[Question ID = 24][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_101_Q24]

- 1. 1 [Option ID = 93]
- 2. 2 [Option ID = 94]
- 3. 3 [Option ID = 95]
- 4. 4 [Option ID = 96]

25) Which of the following promotes problem solving ?

- (1) Analogical thinking
- (2) Functional fixedness
- (3) Response set
- (4) Convergent thinking

निम्नलिखित में से किसके द्वारा समस्या समाधान को बढ़ावा दिया जा सकता है ?

- (1) अनुरूपात्मक चिंतन
- (2) कार्यात्मक स्थिरता
- (3) प्रतिक्रियाओं का समुच्चय
- (4) अभिसारी चिंतन

[Question ID = 25][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_101_Q25]

1. 1 [Option ID = 97]
2. 2 [Option ID = 98]
3. 3 [Option ID = 99]
4. 4 [Option ID = 100]

26) *Assertion (A) :*

Young children come to school with already developed 'naive' theories about their surroundings.

Reason (R) :

Such understandings are purely irrational and should be ignored.

Choose the correct option :

- (1) Both (A) and (R) are true and (R) is the correct explanation of (A)
- (2) Both (A) and (R) are true but (R) is not the correct explanation of (A)
- (3) (A) is true but (R) is false
- (4) Both (A) and (R) are false

अभिकथन (A) :

विद्यालय आने से पूर्व छोटे बच्चों में अपने परिवेश की समझ बनाने के 'सहज' सिद्धान्त मौजूद होते हैं।

तर्क (R) :

इस प्रकार की समझ पूरी तरह से अतार्किक है और इसकी अनदेखी करनी चाहिए।

सही विकल्प चुनिए :

- (1) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या करता है
- (2) (A) और (R) दोनों सही हैं लेकिन (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है
- (3) (A) सही है लेकिन (R) गलत है
- (4) (A) और (R) दोनों गलत हैं

[Question ID = 26][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_101_Q26]

1. 1 [Option ID = 101]
2. 2 [Option ID = 102]
3. 3 [Option ID = 103]
4. 4 [Option ID = 104]

27) Which of the following statement about emotions is **not** correct ?

- (1) Emotions influence information processing skills.
- (2) Emotional development gets influenced by environmental factors.
- (3) Emotions and cognition are completely independent of each other.
- (4) Emotions influence motivation to learn.

भावनाओं के बारे में निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सही **नहीं** है ?

- (1) भावनाएँ कौशलों को प्रक्रमित करने वाली सूचना को प्रभावित करती हैं।
- (2) भावात्मक विकास परिवेशीय कारकों से प्रभावित होता है।
- (3) भावनाएँ और संज्ञान दोनों अपने-आप में एक-दूसरे से स्वतंत्र हैं।
- (4) भावनाएँ अधिगम के लिए अभिप्रेरणा को प्रभावित करती हैं।

[Question ID = 27][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_101_Q27]

- 1. 1 [Option ID = 105]
- 2. 2 [Option ID = 106]
- 3. 3 [Option ID = 107]
- 4. 4 [Option ID = 108]

28) Which of the following is **not** an example of intrinsic motivation ?

- (1) Curiosity
- (2) Interest
- (3) Urge for clarity
- (4) Striving for prize

निम्नलिखित में से कौन-सा आंतरिक अभिप्रेरणा का उदाहरण **नहीं** है ?

- (1) जिज्ञासा
- (2) रुचि
- (3) स्पष्टता के लिए चाहत
- (4) पुरस्कार पाने के लिए प्रयास करना

[Question ID = 28][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_101_Q28]

- 1. 1 [Option ID = 109]
- 2. 2 [Option ID = 110]
- 3. 3 [Option ID = 111]
- 4. 4 [Option ID = 112]

29) Learning is more effective if

- (1) Content is related to real-life experiences.
- (2) Material is too abstract and complex.
- (3) Content is delivered in disconnected chunks.
- (4) Previous knowledge is not activated.

सीखना अधिक प्रभावी होता है जब

- (1) विषय-वस्तु को वास्तविक-जीवन के अनुभवों के साथ जोड़ा जाए।
- (2) पठन सामग्री बहुत ही अमूर्त एवं जटिल हो।
- (3) विषय-वस्तु को असंबद्ध रूप से टुकड़ों-टुकड़ों में पढ़ाया जाए।
- (4) पूर्व ज्ञान से संबद्धता स्थापित न की जाए।

[Question ID = 29][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_101_Q29]

1. 1 [Option ID = 113]
2. 2 [Option ID = 114]
3. 3 [Option ID = 115]
4. 4 [Option ID = 116]

30) To create a conducive learning environment, a teacher should

- (1) foster collaboration among students
- (2) have very low expectations from students
- (3) avoid giving mastery-oriented feedback
- (4) not give any autonomy to students

एक अनुकूल (समर्थित) सीखने का वातावरण बनाने के लिए, एक शिक्षक को क्या करना चाहिए ?

- (1) विद्यार्थियों के बीच सहयोग को बढ़ावा देना चाहिए
- (2) विद्यार्थियों से बेहद कम अपेक्षाएँ रखनी चाहिए
- (3) महारत-उन्मुख प्रतिपुष्टि देने से बचना चाहिए
- (4) विद्यार्थियों को कोई स्वायत्तता नहीं देनी चाहिए

[Question ID = 30][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_101_Q30]

1. 1 [Option ID = 117]
2. 2 [Option ID = 118]
3. 3 [Option ID = 119]
4. 4 [Option ID = 120]

Topic:- MATH_Q31-45_P1_CTET

1) A 168 m long rope is cut into equal pieces of length $9\frac{1}{3}$ m. How many such pieces of the rope are obtained ?

- (1) 16
- (2) 17
- (3) 18
- (4) 19

168 m लम्बी एक रस्सी को $9\frac{1}{3}$ m लम्बाई के बराबर टुकड़ों में काटा गया। इस प्रकार बने रस्सी के कितने टुकड़े प्राप्त होते हैं ?

- (1) 16
- (2) 17
- (3) 18
- (4) 19

[Question ID = 31][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_101_Q31]

- 1. 1 [Option ID = 121]
- 2. 2 [Option ID = 122]
- 3. 3 [Option ID = 123]
- 4. 4 [Option ID = 124]

2) Obtain (K + P) from the following addition :

$$\begin{array}{r} 5843103 \\ +26K7P92 \\ \hline 8521095 \end{array}$$

- (1) 14
- (2) 15
- (3) 16
- (4) 17

निम्नलिखित योग से (K + P) प्राप्त कीजिए :

$$\begin{array}{r} 5843103 \\ +26K7P92 \\ \hline 8521095 \end{array}$$

- (1) 14
- (2) 15
- (3) 16
- (4) 17

[Question ID = 32][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_101_Q32]

- 1. 1 [Option ID = 125]
- 2. 2 [Option ID = 126]
- 3. 3 [Option ID = 127]
- 4. 4 [Option ID = 128]

3) The average temperature of 6 days is 32°C . If the temperature on first 5 of these days (in $^{\circ}\text{C}$) was 31, 31.5, 32.5, 31 and 32, then the temperature (in $^{\circ}\text{C}$) on the sixth day was :

- (1) 32
- (2) 33
- (3) 33.5
- (4) 34

छः दिनों का औसत तापमान 32°C है। यदि इनमें से प्रथम 5 दिनों का तापमान ($^{\circ}\text{C}$ में) 31, 31.5, 32.5, 31 और 32 था, तो छठे दिन का तापमान ($^{\circ}\text{C}$ में) था :

- (1) 32
- (2) 33
- (3) 33.5
- (4) 34

[Question ID = 33][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_101_Q33]

- 1. 1 [Option ID = 129]
- 2. 2 [Option ID = 130]
- 3. 3 [Option ID = 131]
- 4. 4 [Option ID = 132]

4) LCM and HCF of x and y are 4 times and 2 times respectively of the HCF of 42 and 120. If x is 36, then what is the value of y ?

- (1) 3
- (2) 6
- (3) 8
- (4) 12

x और y के LCM तथा HCF क्रमशः 42 और 120 के HCF का 4 गुना और 2 गुना हैं। यदि x का मान 36 है, तो y का मान क्या होगा ?

- (1) 3
- (2) 6
- (3) 8
- (4) 12

[Question ID = 34][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_101_Q34]

- 1. 1 [Option ID = 133]
- 2. 2 [Option ID = 134]
- 3. 3 [Option ID = 135]
- 4. 4 [Option ID = 136]

5) Which of the following has the smallest value ?

- (1) $3670 + 800 + 20$
- (2) $3955 + 601 - 80$
- (3) $4500 - 128 + 40$
- (4) $4600 - 150 - 29$

निम्नलिखित में से किसका मान सबसे कम है ?

(1) $3670 + 800 + 20$

(2) $3955 + 601 - 80$

(3) $4500 - 128 + 40$

(4) $4600 - 150 - 29$

[Question ID = 35][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_101_Q35]

1. 1 [Option ID = 137]

2. 2 [Option ID = 138]

3. 3 [Option ID = 139]

4. 4 [Option ID = 140]

- 6) Shweta cut a cake on her birthday. She gave half of the cake to her three friends, kept $\frac{1}{4}$ of it for her sister and the rest for herself. Later, two more friends came and she divided her part in three equal pieces and they ate together.

How much part of the original cake could she eat ?

(1) $\frac{1}{3}$

(2) $\frac{1}{6}$

(3) $\frac{1}{8}$

(4) $\frac{1}{12}$

श्वेता ने अपने जन्मदिन पर केक काटा । उसने आधा केक अपनी तीन सहेलियों को दिया, इसका $\frac{1}{4}$ भाग अपनी बहन के लिए तथा शेष अपने लिए रखा । थोड़ी देर में, उसकी दो सहेलियाँ और आ गईं और उसने अपने हिस्से के केक के तीन बराबर हिस्से किए और तीनों ने मिलकर खाया ।

उसने पूरे केक का कितना भाग खाया ?

(1) $\frac{1}{3}$

(2) $\frac{1}{6}$

(3) $\frac{1}{8}$

(4) $\frac{1}{12}$

[Question ID = 36][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_101_Q36]

1. 1 [Option ID = 141]

2. 2 [Option ID = 142]

3. 3 [Option ID = 143]

4. 4 [Option ID = 144]

7) $2\frac{1}{2}$ right-angles are equal to

- (1) 240°
- (2) 260°
- (3) 225°
- (4) 245°

$2\frac{1}{2}$ समकोण निम्नलिखित में से किसके बराबर है ?

- (1) 240°
- (2) 260°
- (3) 225°
- (4) 245°

[Question ID = 37][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_101_Q37]

- 1. 1 [Option ID = 145]
- 2. 2 [Option ID = 146]
- 3. 3 [Option ID = 147]
- 4. 4 [Option ID = 148]

8) Which of the geometrical shapes – Equilateral triangle, Parallelogram, Rhombus, Rectangle and Square have two lines of symmetry ?

- (1) Equilateral triangle and Parallelogram
- (2) Rhombus and Parallelogram
- (3) Rectangle and Rhombus
- (4) Square and Rectangle

ज्यामितीय आकारों – समबाहु त्रिभुज, समान्तर चतुर्भुज, समचतुर्भुज, आयत और वर्ग, में से किन आकारों की दो सममित रेखाएँ होती हैं ?

- (1) समबाहु त्रिभुज तथा समान्तर चतुर्भुज
- (2) समचतुर्भुज तथा समान्तर चतुर्भुज
- (3) आयत तथा समचतुर्भुज
- (4) वर्ग तथा आयत

[Question ID = 38][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_101_Q38]

- 1. 1 [Option ID = 149]
- 2. 2 [Option ID = 150]
- 3. 3 [Option ID = 151]
- 4. 4 [Option ID = 152]

9) Which of the following statements is/are true ?

- (i) Through two given points many lines can pass.
- (ii) Through a given point only one line can pass.
- (iii) Three collinear points cannot form a triangle.
- (iv) Sum of two obtuse angles is always a reflex angle.

- (1) Only (i) and (iv)
- (2) Only (ii) and (iii)
- (3) Only (iii) and (iv)
- (4) Only (iii)

निम्नलिखित में से कौन-सा/से कथन सत्य है/हैं ?

- (i) दो दिए गए बिन्दुओं से होकर जाती हुई अनेक रेखाएँ हो सकती हैं।
- (ii) दिए हुए एक बिन्दु से होकर जाती हुई केवल एक रेखा हो सकती है।
- (iii) तीन संरेखीय बिन्दु एक त्रिभुज नहीं बना सकते।
- (iv) दो अधिक कोणों का योग सदैव एक प्रतिवर्ती कोण होता है।

- (1) केवल (i) और (iv)
- (2) केवल (ii) और (iii)
- (3) केवल (iii) और (iv)
- (4) केवल (iii)

[Question ID = 39][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_101_Q39]

- 1. 1 [Option ID = 153]
- 2. 2 [Option ID = 154]
- 3. 3 [Option ID = 155]
- 4. 4 [Option ID = 156]

10) A train started at 8:50 am. It covered a distance of 420 km with a speed of 70 km/h and a distance of 120 km with a speed of 80 km/h. In between the journey, the train stopped at 3 stations for 5 minutes, 8 minutes and 12 minutes respectively. At what time did it reach its destination ?

- (1) 4:05 pm
- (2) 4:45 pm
- (3) 4:50 pm
- (4) 5:45 pm

एक रेलगाड़ी ने 8:50 am पर चलना प्रारंभ किया। उसने 420 km की दूरी 70 km/h तथा 120 km की दूरी 80 km/h की चाल से तय की। रास्ते में वह रेलगाड़ी 3 स्टेशनों पर क्रमशः 5 मिनट, 8 मिनट व 12 मिनट के लिए रुकी। वह रेलगाड़ी कितने समय पर अपने गंतव्य स्थान पर पहुँची ?

- (1) 4:05 pm
- (2) 4:45 pm
- (3) 4:50 pm
- (4) 5:45 pm

[Question ID = 40][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_101_Q40]

- 1. 1 [Option ID = 157]
- 2. 2 [Option ID = 158]
- 3. 3 [Option ID = 159]
- 4. 4 [Option ID = 160]

11) Which of the following statements is correct ?

- (1) 2 litres is less than 205 mL
- (2) 1.69 m is equal to 1690 cm
- (3) 6.25 litres is more than 6 litres 25 mL
- (4) 9 kg 75 g is equal to 975 g

निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सही है ?

- (1) 2 लीटर कम है 205 mL से
- (2) 1.69 m बराबर है 1690 cm के
- (3) 6.25 लीटर अधिक है 6 लीटर 25 mL से
- (4) 9 kg 75 g बराबर है 975 g के

[Question ID = 41][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_101_Q41]

- 1. 1 [Option ID = 161]
- 2. 2 [Option ID = 162]
- 3. 3 [Option ID = 163]
- 4. 4 [Option ID = 164]

12) The distance between two cities on a map is 19.2 cm. If 0.5 cm on the map is equal to 3 km on the ground, then what is the distance (in m) between the two cities ?

- (1) 115.2
- (2) 1152
- (3) 11520
- (4) 115200

मानचित्र पर दो शहरों के बीच की दूरी 19.2 cm है। यदि मानचित्र पर 0.5 cm भूमि 3 km के बराबर है, तो दोनों शहरों के बीच की दूरी (m में) कितनी होगी ?

- (1) 115.2
- (2) 1152
- (3) 11520
- (4) 115200

[Question ID = 42][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_101_Q42]

- 1. 1 [Option ID = 165]
- 2. 2 [Option ID = 166]
- 3. 3 [Option ID = 167]
- 4. 4 [Option ID = 168]

13) What comes next is the following pattern ?

1 Z 1, 2 Y 4, 3 X 9, 4 W 16, _____

- (1) 5 U 25
- (2) 5 V 25
- (3) 6 V 25
- (4) 6 U 36

निम्नलिखित पैटर्न में आगे क्या आएगा ?

1 Z 1, 2 Y 4, 3 X 9, 4 W 16, _____

- (1) 5 U 25
- (2) 5 V 25
- (3) 6 V 25
- (4) 6 U 36

[Question ID = 43][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_101_Q43]

- 1. 1 [Option ID = 169]
- 2. 2 [Option ID = 170]
- 3. 3 [Option ID = 171]
- 4. 4 [Option ID = 172]

14) Aditya spends his time during a day as shown below :

Sleep	7 hours
School	6 hours
Play	2 hours
Watching TV	2 hours
Others	7 hours

If this data is shown in a pie chart, what will be the difference in the central angles related to sleep and play ?

- (1) 60°
- (2) 75°
- (3) 80°
- (4) 90°

आदित्य अपने एक दिन के समय को निम्न प्रकार से व्यतीत करता है :

सोना	7 घंटे
स्कूल	6 घंटे
खेलना	2 घंटे
TV देखना	2 घंटे
अन्य	7 घंटे

यदि इन आँकड़ों को पाई चार्ट पर दिखाया जाए, तो सोने और खेलने से सम्बन्धित केन्द्रीय कोणों में अन्तर क्या होगा ?

- (1) 60°
- (2) 75°
- (3) 80°
- (4) 90°

[Question ID = 44][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_101_Q44]

- 1. 1 [Option ID = 173]
- 2. 2 [Option ID = 174]
- 3. 3 [Option ID = 175]
- 4. 4 [Option ID = 176]

15) The temperatures of five cities on a day at 2 am and 2 pm are given below :

City	Temperature at 2 am (in °C)	Temperature at 2 pm (in °C)
Chennai	21.4	36.3
Delhi	18.9	28.5
Kolkata	12	28.1
Mumbai	15.2	38
Srinagar	2.3	12

Which city shows the least rise in temperature ?

- (1) Chennai
- (2) Delhi
- (3) Mumbai
- (4) Srinagar

पाँच शहरों के किसी दिन के 2 am तथा 2 pm पर तापमान नीचे दिए गए हैं :

शहर	2 am पर तापमान (°C में)	2 pm पर तापमान (°C में)
चेन्नई	21.4	36.3
दिल्ली	18.9	28.5
कोलकाता	12	28.1
मुम्बई	15.2	38
श्रीनगर	2.3	12

किस शहर के तापमान में न्यूनतम वृद्धि हुई है ?

- (1) चेन्नई
- (2) दिल्ली
- (3) मुम्बई
- (4) श्रीनगर

[Question ID = 45][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_101_Q45]

- 1. 1 [Option ID = 177]
- 2. 2 [Option ID = 178]
- 3. 3 [Option ID = 179]
- 4. 4 [Option ID = 180]

Topic:- MATH_Q46-60_P1_CTET

- 1) Mathematical communication in a classroom can be enhanced by
- (1) reading the chapter given in the mathematics textbook before solving questions.
 - (2) making children learn definition of important concepts.
 - (3) giving opportunities to children to express their mathematical ideas.
 - (4) learning about life history of different mathematicians.

गणितीय संप्रेषण को कक्षा में _____ के द्वारा बढ़ाया जा सकता है।

- (1) समस्या हल करने से पहले गणित की पाठ्यपुस्तक में दिए गए पाठ को पढ़ने
- (2) बच्चों को महत्वपूर्ण अवधारणाओं की परिभाषा सिखाने
- (3) बच्चों को उनके गणितीय विचारों को अभिव्यक्त करने के अवसर प्रदान करने
- (4) विभिन्न गणितज्ञों के जीवन इतिहास के अधिगम

[Question ID = 46][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_101_Q46]

1. 1 [Option ID = 181]
2. 2 [Option ID = 182]
3. 3 [Option ID = 183]
4. 4 [Option ID = 184]

- 2) Identify the proper mathematical symbol for "If P then Q".

- (1) $P = Q$
- (2) $P \Rightarrow Q$
- (3) $Q \Rightarrow P$
- (4) $P \Leftrightarrow Q$

"यदि P तो Q" के लिए सटीक/उपयुक्त गणितीय चिन्ह की पहचान कीजिए।

- (1) $P = Q$
- (2) $P \Rightarrow Q$
- (3) $Q \Rightarrow P$
- (4) $P \Leftrightarrow Q$

[Question ID = 47][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_101_Q47]

1. 1 [Option ID = 185]
2. 2 [Option ID = 186]
3. 3 [Option ID = 187]
4. 4 [Option ID = 188]

- 3) According to National Curriculum Framework, 2005, which of the following mathematical skills are **not** involved in visual learning ?

- (1) Data handling
- (2) Representation
- (3) Visualization
- (4) Deductive Reasoning

राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा, 2005 के अनुसार, निम्नलिखित में से कौन-सा गणितीय कौशल दृश्य अधिगम में आवेष्टित नहीं है ?

- (1) आँकड़ों का प्रहस्तन
- (2) निरूपण
- (3) दृश्यीकरण
- (4) निगमनात्मक विवेचन

[Question ID = 48][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_101_Q48]

1. 1 [Option ID = 189]
2. 2 [Option ID = 190]
3. 3 [Option ID = 191]
4. 4 [Option ID = 192]

4) It is found that many children living in traditional occupational settings like market places, trading zones, etc are able to do mental calculations very easily.

These skills

- (1) are not suitable for formal school mathematics.
- (2) can be discussed in class by teachers for introducing various strategies adopted by different cultures in solving problems.
- (3) cannot be used for the purpose of assessing a child's level of cognition.
- (4) are too ambiguous and can only be learnt by children living in such settings.

ऐसा पाया गया है कि बहुत बच्चे जो कि पारंपरिक व्यवसाय जैसे बाजार, व्यापार क्षेत्र, आदि जगहों पर रहते हैं वे मानसिक परिकलन बहुत आसानी से कर लेते हैं।

ये कौशल

- (1) औपचारिक स्कूली गणित के लिए उपयुक्त नहीं हैं।
- (2) कक्षा में चर्चा का विषय हो सकते हैं जिनके द्वारा शिक्षक/शिक्षिकाएँ विभिन्न संस्कृतियों द्वारा अपनाई गई समस्या समाधान करने की कार्यनीतियाँ/विधियाँ प्रस्तुत कर सकते हैं।
- (3) बच्चे के संज्ञानात्मक स्तर के आकलन के उद्देश्य से उपयोग में नहीं लाए जा सकते।
- (4) बहुत अस्पष्ट होते हैं और ये केवल वही बच्चे सीख सकते हैं जो इस प्रकार के वातावरण में रहते हैं।

[Question ID = 49][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_101_Q49]

1. 1 [Option ID = 193]
2. 2 [Option ID = 194]
3. 3 [Option ID = 195]
4. 4 [Option ID = 196]

5) According to National Curriculum Framework, 2005 _____ must be given least importance in mathematics at primary level.

- (1) Logical reasoning
- (2) Precision
- (3) Problem-solving
- (4) Visualization

राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा, 2005 के अनुसार _____ को प्राथमिक स्तर पर गणित में सबसे कम महत्वता देनी चाहिए।

- (1) तार्किक विवेचन
- (2) सटीकता
- (3) समस्या-समाधान
- (4) दृश्यीकरण

[Question ID = 50][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_101_Q50]

- 1. 1 [Option ID = 197]
- 2. 2 [Option ID = 198]
- 3. 3 [Option ID = 199]
- 4. 4 [Option ID = 200]

6) Which of the following statements is least related to Mathematical Modelling ?

- (1) An application of mathematics to solve problems in everyday life.
- (2) Making assumptions and approximations to simplify a problem.
- (3) Identifying important quantities and using tools or representations to find their relationships.
- (4) Using concrete models as teaching-learning material in mathematics classroom.

निम्नलिखित कथनों में से कौन-सा गणितीय निदर्शन (मॉडलिंग) से न्यूनतम संबंधित है ?

- (1) दैनिक जीवन में समस्याओं के समाधान के लिए गणित का उपयोग करना।
- (2) समस्या के सरलीकरण के लिए अनुमान लगाना और सन्निकटीकरण करना।
- (3) महत्वपूर्ण मात्राओं की पहचान करना तथा उनके संबंधों को ज्ञात करने के लिए साधनों या निरूपण का उपयोग करना।
- (4) गणित की कक्षा में अमूर्त प्रतिरूपों का शिक्षण-अधिगम सामग्री के रूप में उपयोग करना।

[Question ID = 51][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_101_Q51]

- 1. 1 [Option ID = 201]
- 2. 2 [Option ID = 202]
- 3. 3 [Option ID = 203]
- 4. 4 [Option ID = 204]

7) Which of the following is the most appropriate way to explain the meaning of top number and the bottom number in a fraction to fourth grade students ?

- (1) Telling them that top number is the numerator and bottom number is the denominator.
- (2) Using fraction models like circular pies, rectangular strips and appropriately shading the parts to show numerator and denominator and helping students to arrive at the definition.
- (3) After defining the numerator and denominator, asking the students to identify numerator and denominator in various pictures.
- (4) By defining that the bottom number is the total number of parts in which a shape/an object is cut and the top number represents the parts selected out of the total number of parts.

कक्षा-IV के विद्यार्थियों को भिन्न में ऊपर वाली संख्या और नीचे वाली संख्या का अर्थ समझाने हेतु निम्नलिखित में से कौन-सा तरीका सर्वाधिक उपयुक्त होगा ?

- (1) उन्हें यह बताना कि ऊपर वाली संख्या अंश होती है तथा नीचे वाली संख्या हर होती है ।
- (2) भिन्न के प्रतिरूप जैसे 'वृत्ताकार पाई', आयताकार पट्टी के उचित हिस्से को छायांकित कर, अंश और हर को प्रदर्शित कर, विद्यार्थी को स्वाभाविक रूप से स्वततः परिभाषा समझने में मदद करना ।
- (3) अंश और हर को परिभाषित करने के पश्चात् विभिन्न आकृतियों में विद्यार्थियों को अंश और हर को पहचानने के लिए कहना ।
- (4) यह परिभाषित करें कि कुल जितने हिस्से किसी आकृति / वस्तु में से किए गए हैं वह नीचे वाली संख्या है तथा जितने हिस्से उसमें से चयनित किए गए हैं वह ऊपर वाली संख्या है ।

[Question ID = 52][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_101_Q52]

1. 1 [Option ID = 205]
2. 2 [Option ID = 206]
3. 3 [Option ID = 207]
4. 4 [Option ID = 208]

8) Which of the following is most appropriate to introduce the concept of 'measurement' to primary grade learners ?

- (1) Plan activities that are based on accurate and precise measurement.
- (2) Give the definition of different units of measurement.
- (3) Plan activities that involve measuring real-life objects using non-standard techniques.
- (4) Give various cut-outs of shapes to children and ask them to measure their sides using a scale.

प्राथमिक स्तर के शिक्षार्थियों को 'मापन' की अवधारणा से परिचित कराने के लिए निम्नलिखित में से कौन-सा सर्वाधिक उपयुक्त है ?

- (1) ऐसे क्रियाकलाप आयोजित कीजिए जो परिशुद्ध एवं सटीक मापन पर आधारित हों।
- (2) मापन की विभिन्न इकाइयों की परिभाषाएँ दीजिए।
- (3) ऐसे क्रियाकलाप आयोजित कीजिए जिनमें अमानक तकनीकियों का उपयोग कर वास्तविक-जीवन की वस्तुओं का मापन किया जा सके।
- (4) बच्चों को आकृतियों के विभिन्न टुकड़े दीजिए और मापनी (स्केल) का उपयोग कर उन्हें उनकी भुजाएँ मापने को कहिए।

[Question ID = 53][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_101_Q53]

1. 1 [Option ID = 209]
2. 2 [Option ID = 210]
3. 3 [Option ID = 211]
4. 4 [Option ID = 212]

9) Which of the following holds true for remedial teaching in mathematics ?

- (1) It helps to identify gifted children in a mathematics class.
- (2) It helps children to excel in competitive exams.
- (3) It is beneficial only for children with special needs.
- (4) It is done to overcome difficulties in learning mathematics.

निम्नलिखित में से कौन-सा गणित में उपचारी शिक्षण के संबंध में सही है ?

- (1) यह गणित की कक्षा में प्रतिभाशाली बच्चों को पहचानने में सहायता करता है।
- (2) यह बच्चों को प्रतियोगात्मक परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने में सहायता करता है।
- (3) यह केवल विशेष आवश्यकताओं वाले बच्चों के लिए ही लाभदायक है।
- (4) यह गणित अधिगम में आने वाली कठिनाइयों को दूर करने के लिए किया जाता है।

[Question ID = 54][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_101_Q54]

1. 1 [Option ID = 213]
2. 2 [Option ID = 214]
3. 3 [Option ID = 215]
4. 4 [Option ID = 216]

10) Which one of the following is the most appropriate and important feature of a mathematics textbook at Primary level ?

- (1) It should contain more problems for the students to practice.
- (2) It should be colourful and designed in an attractive way.
- (3) It should focus more on the theoretical concepts.
- (4) It should focus more on contextual examples and activities while introducing mathematical concepts.

प्राथमिक स्तर पर गणित की पाठ्यपुस्तक का, निम्नलिखित में से कौन-सा एक सर्वाधिक उपयुक्त एवं महत्वपूर्ण लक्षण है ?

- (1) इसमें विद्यार्थियों के अभ्यास हेतु अधिक प्रश्न होने चाहिए ।
- (2) यह रंग-विरंगी और आकर्षक रूप में अभिकल्पित होनी चाहिए ।
- (3) यह सैद्धान्तिक अवधारणाओं पर अधिक केन्द्रित होनी चाहिए ।
- (4) गणितीय अवधारणाओं को प्रस्तुत करने के समय यह संदर्भात्मक उदाहरणों एवं क्रियाकलापों पर अधिक केन्द्रित होनी चाहिए ।

[Question ID = 55][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_101_Q55]

1. 1 [Option ID = 217]
2. 2 [Option ID = 218]
3. 3 [Option ID = 219]
4. 4 [Option ID = 220]

11) Student's performance in a mathematics class is **not** evaluated in terms of

- (1) Problem-Solving Ability
- (2) Rote Memorizing Ability
- (3) Logical Thinking Ability
- (4) Visualisation Ability

गणित की कक्षा में किसी विद्यार्थी के निष्पादन का मूल्यांकन किस पर आधारित **नहीं** है ?

- (1) समस्या-समाधान क्षमता
- (2) कंठस्थ/रटने की क्षमता
- (3) तार्किक चिंतन क्षमता
- (4) दृश्यीकरण क्षमता

[Question ID = 56][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_101_Q56]

1. 1 [Option ID = 221]
2. 2 [Option ID = 222]
3. 3 [Option ID = 223]
4. 4 [Option ID = 224]

12) Which of the following can be considered as a higher aim of mathematics education at elementary level according to National Curriculum Framework, 2005 ?

- (1) To develop numeracy skills in children
- (2) To make children experts in calculations
- (3) To develop clarity of thought and logico mathematical thinking
- (4) To build skills for competitive exams in future

राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा, 2005 के अनुसार प्रारंभिक स्तर पर निम्नलिखित में से कौन-सा उद्देश्य गणितीय शिक्षा हेतु उच्च उद्देश्य माना गया है ?

- (1) बच्चों में संख्यात्मक कौशल का विकास करना
- (2) बच्चों को परिकलन कौशल में दक्ष करना
- (3) विचारों की स्पष्टता तथा तर्कपूर्ण गणितीय चिंतन का विकास करना
- (4) भविष्य में प्रतियोगात्मक परीक्षाओं हेतु कौशल का निर्माण करना

[Question ID = 57][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_101_Q57]

1. 1 [Option ID = 225]
2. 2 [Option ID = 226]
3. 3 [Option ID = 227]
4. 4 [Option ID = 228]

13) More than 50% students of a class did not learn a topic in mathematics. Which of the following is **not** an appropriate strategy to help these children in learning the topic ?

- (1) Repeating the topic with different examples
- (2) Engaging the children in group tasks related to the topic
- (3) Asking the children to solve a large number of similar problems related to the topic
- (4) Creating cooperative learning situations involving the children who have already learnt the topic

कक्षा के 50% विद्यार्थियों ने गणित में एक विषय नहीं समझा। निम्नलिखित में से कौन-सी, विषय के अधिगम में बच्चों की सहायता करने की उपयुक्त विधि/कार्यनीति **नहीं** है ?

- (1) भिन्न-भिन्न उदाहरणों के साथ विषय को दोहराना
- (2) विषय संबंधी सामूहिक कार्यों में बच्चों को संलग्न करना
- (3) बच्चों को अधिक संख्या में विषय संबंधी समान प्रकार की समस्याओं को हल करने के लिए कहना
- (4) उन बच्चों को जिन्होंने पहले से ही वह विषय समझ लिया है, सम्मिलित करके सहयोगी अधिगम परिस्थिति की रचना करना

[Question ID = 58][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_101_Q58]

1. 1 [Option ID = 229]
2. 2 [Option ID = 230]
3. 3 [Option ID = 231]
4. 4 [Option ID = 232]

14) According to National Curriculum Framework, 2005, which among the following is an activity based on 'constructivist' classroom ?

- (1) Teacher solves problem on the blackboard and students copy it.
- (2) Teacher observes the group activity and facilitates the students for problem solving.
- (3) Teacher asks the students to write important formulae on a chart paper and read them daily.
- (4) Teacher provides lots of homework to the students regularly.

राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा, 2005 के अनुसार, निम्नलिखित में से कौन-सा क्रियाकलाप एक 'रचनात्मक' कक्षा पर आधारित है ?

- (1) शिक्षक श्यामपट्ट पर प्रश्न हल करते हैं और बच्चे उसकी नकल करते हैं।
- (2) शिक्षक समूह में किए गए क्रियाकलाप का अवलोकन करते हैं और विद्यार्थियों को प्रश्न हल करने में सुगमता प्रदान करते हैं।
- (3) शिक्षक बच्चों को महत्वपूर्ण सूत्र एक चार्ट पेपर पर लिखकर प्रतिदिन उसे पढ़ने के लिए कहते हैं।
- (4) शिक्षक विद्यार्थियों को नियमित रूप से बहुत सा गृहकार्य प्रदान करते हैं।

[Question ID = 59][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_101_Q59]

1. 1 [Option ID = 233]
2. 2 [Option ID = 234]
3. 3 [Option ID = 235]
4. 4 [Option ID = 236]

15) Which of the following is **not** related to developing the concept of a circle among primary grade learners ?

- (1) Identifying circular objects from the surroundings
- (2) Drawing circles using a rope and a stick in sand
- (3) Showing a model of globe in the class
- (4) Tracing circles using some circular objects

निम्नलिखित में से कौन-सा प्राथमिक स्तर के अधिगमकर्ताओं में वृत्त की अवधारणा के विकास से संबंधित **नहीं** है ?

- (1) अपने परिवेश में वृत्ताकार वस्तुओं को पहचानना
- (2) रेत में रस्सी और डंडी के प्रयोग से वृत्तरेखण करना
- (3) कक्षा में ग्लोब का प्रतिमान दिखाना
- (4) कुछ वृत्ताकार वस्तुओं के उपयोग द्वारा वृत्तों का अनुरेखण करना

[Question ID = 60][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_101_Q60]

1. 1 [Option ID = 237]
2. 2 [Option ID = 238]
3. 3 [Option ID = 239]
4. 4 [Option ID = 240]

Topic:- EVS_Q61-75_P1_CTET

1) Fermentation is conversion of

- (1) Sugar into alcohol
- (2) Yeast into alcohol
- (3) Sugar into CO₂
- (4) Yeast into CO₂

खमीरीकरण एक परिवर्तन की क्रिया है

- (1) शर्करा को ऐल्कोहॉल में बदलने की
- (2) खमीर (यीस्ट) को ऐल्कोहॉल में बदलने की
- (3) शर्करा को CO_2 (कार्बन डाइऑक्साइड) में बदलने की
- (4) खमीर (यीस्ट) को CO_2 (कार्बन डाइऑक्साइड) में बदलने की

[Question ID = 61][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_101_Q61]

1. 1 [Option ID = 241]
2. 2 [Option ID = 242]
3. 3 [Option ID = 243]
4. 4 [Option ID = 244]

2) Your house is located at X and the bookshop is located at Y. Although the market is just opposite but you cannot go straight because of the busy highway having barriers in between. So you first go 100 m due North, then cross a 50 m long Zebra Crossing which is due West and finally reach the bookshop at Y which is 150 m due South. With respect to the bookshop at Y, the direction of your house at X is

- (1) North-East
- (2) North-West
- (3) South-East
- (4) South-West

आपका घर X पर स्थित है और बुकशॉप Y पर स्थित है। यद्यपि आपका घर बाजार के ठीक सामने है, बीच में व्यस्त राजमार्ग, जिस पर रोधक लगे हैं, के कारण आप सीधे नहीं जा सकते हैं। आप पहले ठीक उत्तर में 100 m जाते हैं, फिर ठीक पश्चिम में 50 m लम्बा ज़ेब्रा क्रॉसिंग पार करते हैं और अन्त में ठीक दक्षिण में 150 m दूरी तय करके Y पर स्थित बुकशॉप पहुँचते हैं। Y पर बुकशॉप के सापेक्ष X पर आपके घर की दिशा है

- (1) उत्तर-पूर्व
- (2) उत्तर-पश्चिम
- (3) दक्षिण-पूर्व
- (4) दक्षिण-पश्चिम

[Question ID = 62][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_101_Q62]

1. 1 [Option ID = 245]
2. 2 [Option ID = 246]
3. 3 [Option ID = 247]
4. 4 [Option ID = 248]

3) Freeplay is where children

- (1) can do outdoor or indoor activities
- (2) follow the rules of the play
- (3) play gender-specific games as suggested by adults
- (4) organise specific activities

स्वच्छंद खेल होते हैं जहाँ बच्चे

- (1) बाहरी अथवा भीतरी क्रियाकलाप कर सकते हैं
- (2) खेल के नियमों का पालन करते हैं
- (3) बयस्कों द्वारा सलाह देने पर लिंग-विशिष्ट खेल खेलते हैं
- (4) विशिष्ट क्रियाकलाप आयोजित करते हैं

[Question ID = 63][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_101_Q63]

1. 1 [Option ID = 249]
2. 2 [Option ID = 250]
3. 3 [Option ID = 251]
4. 4 [Option ID = 252]

4) Sprouting in seeds can take place in the absence of

- (1) Sunlight
- (2) Air
- (3) Moisture
- (4) Moderate temperature

बीजों का अंकुरण किसकी अनुपस्थिति में हो सकता है ?

- (1) सूर्य का प्रकाश
- (2) वायु
- (3) नमी
- (4) मध्यम ताप

[Question ID = 64][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_101_Q64]

1. 1 [Option ID = 253]
2. 2 [Option ID = 254]
3. 3 [Option ID = 255]
4. 4 [Option ID = 256]

5) A person boarded an express train on 5th September, 2022 at Bhiwandi Road Railway Station for Nagercoil. The train departed at 21:15 hours from Bhiwandi Road and reached Nagercoil at 04:45 hours on 7th September, 2022. If the distance covered by the train is 1877 kilometres, the average speed of the train is

- (1) 60.5 km/h
- (2) 59.9 km/h
- (3) 59.5 km/h
- (4) 59.0 km/h

कोई व्यक्ति 5 सितम्बर, 2022 को नगरकोइल जाने के लिए भिवंडी रोड रेलवे स्टेशन पर एक एक्सप्रेस ट्रेन में सवार हुआ। यह ट्रेन 21:15 बजे भिवंडी रोड से चली तथा 7 सितम्बर, 2022 को 04:45 बजे नगरकोइल पहुँची। यदि इस समय अन्तराल में ट्रेन द्वारा चली गयी दूरी 1877 किलोमीटर है, तो ट्रेन की औसत चाल है

- (1) 60.5 km/h
- (2) 59.9 km/h
- (3) 59.5 km/h
- (4) 59.0 km/h

[Question ID = 65][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_101_Q65]

- 1. 1 [Option ID = 257]
- 2. 2 [Option ID = 258]
- 3. 3 [Option ID = 259]
- 4. 4 [Option ID = 260]

6) Pasteurized milk is heated to about _____ then suddenly chilled & stored.

- (1) 100°C for 15 minutes
- (2) 100°C for 3 minutes
- (3) 70°C for 5 minutes
- (4) 70°C for 15 to 30 seconds

पाश्चुरीकृत दूध को लगभग _____ तक गर्म किया जाता है, फिर अचानक अति ठंडा करके भंडारण किया जाता है।

- (1) 15 मिनट के लिए 100° सै.
- (2) 3 मिनट के लिए 100° सै.
- (3) 5 मिनट के लिए 70° सै.
- (4) 15 से 30 सैकण्ड के लिए 70° सै.

[Question ID = 66][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_101_Q66]

- 1. 1 [Option ID = 261]
- 2. 2 [Option ID = 262]
- 3. 3 [Option ID = 263]
- 4. 4 [Option ID = 264]

7) Based on the physical characteristics, Pumpkin plant can be classified as a

- (1) Climber
- (2) Shrub
- (3) Creeper
- (4) Herb

भौतिक विशेषताओं के आधार पर कद्दू के पौधे को किसमें वर्गीकृत किया जा सकता है ?

- (1) आरोही लता
- (2) झाड़ी
- (3) विसर्पी लता
- (4) शाक

[Question ID = 67][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_101_Q67]

- 1. 1 [Option ID = 265]
- 2. 2 [Option ID = 266]
- 3. 3 [Option ID = 267]
- 4. 4 [Option ID = 268]

8) Reading by touching and feeling with fingers is used by people who are unable to

- (1) hear
- (2) talk
- (3) touch
- (4) see

उँगलियों से छू कर एवं महसूस करके पढ़ने की क्रिया का प्रयोग उन लोगों द्वारा किया जाता है जो

- (1) सुन नहीं सकते
- (2) बोल नहीं सकते
- (3) छू नहीं सकते
- (4) देख नहीं सकते

[Question ID = 68][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_101_Q68]

- 1. 1 [Option ID = 269]
- 2. 2 [Option ID = 270]
- 3. 3 [Option ID = 271]
- 4. 4 [Option ID = 272]

9) The process of cooling due to evaporation is slow when the area of the water surface in contact with the atmosphere

- (1) increases and the atmospheric temperature is high.
- (2) increases and the atmospheric temperature is low.
- (3) decreases and the atmospheric temperature is high.
- (4) decreases and the atmospheric temperature is low.

वाष्पन के कारण शीतलन की प्रक्रिया तब धीमी होती है जब वायुमण्डल में जल के खुले पृष्ठ का क्षेत्रफल

- (1) बढ़ता है और वायुमण्डलीय ताप उच्च होता है।
- (2) बढ़ता है और वायुमण्डलीय ताप निम्न होता है।
- (3) घटता है और वायुमण्डलीय ताप उच्च होता है।
- (4) घटता है और वायुमण्डलीय ताप निम्न होता है।

[Question ID = 69][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_101_Q69]

1. 1 [Option ID = 273]
2. 2 [Option ID = 274]
3. 3 [Option ID = 275]
4. 4 [Option ID = 276]

10) The lively dance form of Bundelkhand region is

- (1) Swang
- (2) Matki
- (3) Bhagoria
- (4) Lavani

बुंदेलखण्ड क्षेत्र की फुर्तीली नृत्य शैली है

- (1) स्वांग
- (2) मटकी
- (3) भगोरिया
- (4) लावनी

[Question ID = 70][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_101_Q70]

1. 1 [Option ID = 277]
2. 2 [Option ID = 278]
3. 3 [Option ID = 279]
4. 4 [Option ID = 280]

11) In case of plants, identify the correct option.

- A. Plants prevent soil erosion.
- B. Dead and dried leaves are used to make fertilizers and pesticides.
- C. Animals provide shelter for plants.
- D. Plants provide us seeds some of which can be eaten.

- (1) A and B
- (2) B and C
- (3) C and D
- (4) A and D

पौधों के संदर्भ में, सही विकल्प की पहचान कीजिए।

- A. पौधे भूक्षरण को रोकते हैं।
- B. मृत एवं सूखी पत्तियाँ उर्वरक एवं कीटनाशक बनाने के लिए प्रयुक्त होती हैं।
- C. पशु, पौधों को आश्रय प्रदान करते हैं।
- D. पौधे हमें बीज प्रदान करते हैं जिनमें से कुछ खाए जा सकते हैं।

(1) A तथा B

(2) B तथा C

(3) C तथा D

(4) A तथा D

[Question ID = 71][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_101_Q71]

- 1. 1 [Option ID = 281]
- 2. 2 [Option ID = 282]
- 3. 3 [Option ID = 283]
- 4. 4 [Option ID = 284]

12) Parts of plants and their roles are mentioned below. The most appropriate statement is

- (1) Roots connect the plant to the leaves.
- (2) Fruits help in pollination.
- (3) Flowers are the reproductive parts of the plant.
- (4) Leaves support the upper part of the plant.

पौधों के भागों तथा उनके कार्यों (भूमिकाओं) को नीचे बताया गया है। सबसे उपयुक्त कथन है

- (1) जड़ें पौधों को पत्तों से जोड़ती हैं।
- (2) फल परागण में सहायता करते हैं।
- (3) फूल पौधे के प्रजनन अंग होते हैं।
- (4) पत्ते पौधे के ऊपरी भाग को सहारा देते हैं।

[Question ID = 72][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_101_Q72]

- 1. 1 [Option ID = 285]
- 2. 2 [Option ID = 286]
- 3. 3 [Option ID = 287]
- 4. 4 [Option ID = 288]

13) Select from the following a pair of Union Territories of India :

- (1) Mizoram and Lakshdweep
- (2) Jharkhand and Chhattisgarh
- (3) Ladakh and Puducherry
- (4) Jammu and Kashmir and Nagaland

निम्नलिखित में से भारत के संघ शासित प्रदेशों का युगल चुनिए :

- (1) मिज़ोरम और लक्षद्वीप
- (2) झारखण्ड और छत्तीसगढ़
- (3) लदाख और पुदुचेरी
- (4) जम्मू और कश्मीर और नागालैण्ड

[Question ID = 73][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_101_Q73]

1. 1 [Option ID = 289]
2. 2 [Option ID = 290]
3. 3 [Option ID = 291]
4. 4 [Option ID = 292]

14) In a cultural festival, Shruti wore a traditional saree/dress of Maharashtra known as

- (1) Banarasi
- (2) Nauvari
- (3) Kalamkari
- (4) Jamdani

एक सांस्कृतिक उत्सव में, श्रुति ने महाराष्ट्र की एक पारम्परिक साड़ी/पोशाक पहनी थी जिसका नाम है

- (1) बनारसी
- (2) नौवारी
- (3) कलमकारी
- (4) जामदानी

[Question ID = 74][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_101_Q74]

1. 1 [Option ID = 293]
2. 2 [Option ID = 294]
3. 3 [Option ID = 295]
4. 4 [Option ID = 296]

15) As per 'The Prohibition of Child Marriage Act, 2006' minimum age for marriage in India is

- (1) 18 years for boys and 18 years for girls
- (2) 18 years for girls and 21 years for boys
- (3) 21 years for boys and 21 years for girls
- (4) 21 years for girls and 25 years for boys

'बाल-विवाह निषेध अधिनियम, 2006' के अनुसार भारत में विवाह की न्यूनतम आयु है

- (1) लड़कों के लिए 18 वर्ष तथा लड़कियों के लिए 18 वर्ष
- (2) लड़कियों के लिए 18 वर्ष तथा लड़कों के लिए 21 वर्ष
- (3) लड़कों के लिए 21 वर्ष तथा लड़कियों के लिए 21 वर्ष
- (4) लड़कियों के लिए 21 वर्ष तथा लड़कों के लिए 25 वर्ष

[Question ID = 75][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_101_Q75]

1. 1 [Option ID = 297]
2. 2 [Option ID = 298]
3. 3 [Option ID = 299]
4. 4 [Option ID = 300]

Topic:- EVS_Q76-90_P1_CTET

1) Madhu studying in class III identifies Rose and Tulsi plants planted at his home. Which of the following processes are involved in the identification of plants ?

- A. Observation
- B. Comparison
- C. Prediction
- D. Decision-making

- (1) A and B
- (2) B and C
- (3) C and D
- (4) D and A

कक्षा-III में पढ़ने वाली मधु अपने घर में लगे गुलाब और तुलसी के पौधे को पहचानती है । पौधों की पहचान में निम्नलिखित में से कौन-सी प्रक्रियाएँ शामिल हैं ?

- A. अवलोकन
- B. तुलना
- C. अनुमान
- D. निर्णयन

- (1) A और B
- (2) B और C
- (3) C और D
- (4) D और A

[Question ID = 76][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_101_Q76]

1. 1 [Option ID = 301]
2. 2 [Option ID = 302]
3. 3 [Option ID = 303]
4. 4 [Option ID = 304]

2) In the teaching-learning of EVS, objective of conducting Nature Walk is

- (1) to highlight flora and fauna and develop emotional bonding with nature
- (2) to conduct a virtual tour of nature
- (3) to walk in a park and ensure fitness of learners
- (4) to engage learners in gardening and develop a kitchen garden

पर्यावरण अध्ययन के शिक्षण-अधिगम में प्रकृति की सैर संचालित करने का उद्देश्य है

- (1) वनस्पति जगत एवं प्राणिजगत पर विशेष बल देना और प्रकृति के साथ भावनात्मक संबंध का विकास करना
- (2) प्रकृति की एक आभासी यात्रा करना
- (3) एक पार्क में सैर करना और विद्यार्थियों की तन्दुरुस्ती सुनिश्चित करना
- (4) विद्यार्थियों को बागवानी में व्यस्त रखना और एक रसोई बगीचा विकसित करना

[Question ID = 77][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_101_Q77]

1. 1 [Option ID = 305]
2. 2 [Option ID = 306]
3. 3 [Option ID = 307]
4. 4 [Option ID = 308]

- 3) Rezi says that she can not become a truck driver like her father. She has to look after household and children like her mother. Which of the following method will be most useful to address this gender related concept in class ?

- (1) Group Discussion
- (2) Movie demonstration
- (3) Role play
- (4) Play

रेज़ी कहती है कि वह अपने पिता की तरह ट्रक ड्राइवर नहीं बन सकती। उसे अपनी माँ की तरह घर-बार संभालना है और बच्चों की देखभाल करनी है। निम्नलिखित में से कौन-सी विधि, कक्षा में जेंडर संबंधी, इस अवधारणा को संबोधित करने हेतु सर्वाधिक उपयोगी रहेगी ?

- (1) समूह चर्चा
- (2) चलचित्र प्रदर्शन
- (3) भूमिका निर्वहन
- (4) खेल

[Question ID = 78][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_101_Q78]

1. 1 [Option ID = 309]
2. 2 [Option ID = 310]
3. 3 [Option ID = 311]
4. 4 [Option ID = 312]

- 4) While teaching EVS to primary school children you happen to come across certain children who live in single-parent families. What would be your response to such a situation ?

- (1) Ignore these children and focus on the theme 'family and relationships'.
- (2) Sympathise with these children and ask them to explain the term 'family'.
- (3) Highlight difficulties faced by children in such families and focus on the topic.
- (4) Incorporate the context of such children and build a culture of empathy.

प्राथमिक विद्यालय के बच्चों को पर्यावरण अध्ययन का शिक्षण करते हुए, आपने पाया कि कुछ बच्चे एकल अभिभावक परिवारों में रहते हैं। इस परिस्थिति में आपकी क्या प्रतिक्रिया होगी ?

- (1) इन बच्चों की अवहेलना करें और विषय 'परिवार और संबंधों' पर ध्यान केंद्रित करें।
- (2) इन बच्चों से सहानुभूति दर्शाएँ और उन्हें 'परिवार' पद समझाने के लिए कहें।
- (3) ऐसे परिवारों में बच्चों द्वारा सामना की गई कठिनाइयों पर विशेष बल दें और विषय पर ध्यान केंद्रित करें।
- (4) ऐसे बच्चों का संदर्भ सम्मिलित करें और समानुभूति की एक संस्कृति का निर्माण करें।

[Question ID = 79][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_101_Q79]

1. 1 [Option ID = 313]
2. 2 [Option ID = 314]
3. 3 [Option ID = 315]
4. 4 [Option ID = 316]

5) Rupal, a class V student, tells her teacher that when her younger sister cries, her grandmother says to her to stop crying otherwise an old man sitting on the moon will take her away. What will you do if you are Rupal's teacher ?

- (1) Talk to Rupal's grandmother and forbid her from saying so.
- (2) Talk to Rupal and explain that her grandmother is lying.
- (3) Explain to Rupal about the moon and show that no such old man is there.
- (4) Ask Rupal to collect information and verify this fact.

रूपल, कक्षा V की छात्रा है, वह अपने शिक्षक को बताती है कि जब उसकी छोटी बहन रोती है तो दादी उससे कहती है कि चुप हो जा नहीं तो, चाँद पर बैठा बुढ़ा बाबा उसे ले जाएगा। यदि आप रूपल के शिक्षक हैं, तो आप क्या करेंगे ?

- (1) रूपल की दादी से बात करके उन्हें ऐसा कहने से मना करेंगे।
- (2) रूपल से बात करके समझाएँगे कि दादी झूठ कह रही है।
- (3) रूपल को चाँद के बारे में बताएँगे कि ऐसा कोई बाबा वहाँ नहीं है।
- (4) रूपल से कहेंगे कि वह सूचना का संकलन कर इस तथ्य की जाँच करे।

[Question ID = 80][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_101_Q80]

1. 1 [Option ID = 317]
2. 2 [Option ID = 318]
3. 3 [Option ID = 319]
4. 4 [Option ID = 320]

6) In class-I, as a teacher, you are expected to familiarise learners with the 'senses'. You will

- (1) ask learners to read about the topic and come prepared for the class.
- (2) ask learners to write about senses in their own words.
- (3) use concrete material to depict the function of each sense.
- (4) use role-play to transact the function of each sense.

कक्षा-I में, शिक्षक के रूप में आपसे अपेक्षा है कि आप विद्यार्थियों को 'ज्ञानेन्द्रियों' से परिचित करवाएँ। आप

- (1) विद्यार्थियों को विषय के संदर्भ में पढ़ने के लिए और तैयारी के साथ कक्षा में आने के लिए कहेंगे।
- (2) विद्यार्थियों को उनके अपने शब्दों में ज्ञानेन्द्रियों के विषय में लिखने के लिए कहेंगे।
- (3) प्रत्येक संवेदना का कार्य चित्रण करने के लिए मूर्त पदार्थ का उपयोग करेंगे।
- (4) प्रत्येक संवेदना का कार्य सम्पादित करने के लिए भूमिका-निर्वहन का उपयोग करेंगे।

[Question ID = 81][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_101_Q81]

1. 1 [Option ID = 321]
2. 2 [Option ID = 322]
3. 3 [Option ID = 323]
4. 4 [Option ID = 324]

7) Which of the following statements is the most suitable explanation of the nature of EVS ?

- (1) Adjustment between human behaviour & ecosystem
- (2) Education from primary to secondary education
- (3) A life-long continuous learning process about environment
- (4) Understanding and information about environment

निम्नलिखित में से कौन-सा कथन पर्यावरण अध्ययन की प्रकृति की सर्वाधिक उपयुक्त व्याख्या है ?

- (1) मानव व्यवहार और पारिस्थितिकी तंत्र में सामंजस्य
- (2) प्राथमिक से लेकर माध्यमिक शिक्षा तक की शिक्षा
- (3) पर्यावरण के बारे में सतत रहने वाली अधिगम प्रक्रिया
- (4) पर्यावरण के बारे में समझ और जानकारी

[Question ID = 82][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_101_Q82]

1. 1 [Option ID = 325]
2. 2 [Option ID = 326]
3. 3 [Option ID = 327]
4. 4 [Option ID = 328]

8) In class II, as an EVS teacher you have to transact 'Transport' topic in theme travel to the students, thus you will

- (1) ask students to read about it and make notes.
- (2) show them a computer presentation on importance of transport.
- (3) use information and communication tools and draw conclusions from their experiences.
- (4) Read newspaper articles to decipher uses of transport.

कक्षा II में, एक पर्यावरण अध्ययन शिक्षक के रूप में, आपको विद्यार्थियों को यात्रा थीम से 'परिवहन' प्रकरण का सम्पादन करना है, इसलिए आप

- (1) विद्यार्थियों को इसके संदर्भ में पढ़ने और नोट्स बनाने के लिए कहेंगे।
- (2) परिवहन के महत्त्व पर उन्हें एक कम्प्यूटर प्रस्तुतीकरण दिखाएँगे।
- (3) सूचना एवं सम्प्रेषण साधनों का उपयोग करेंगे और उनके अनुभवों से निष्कर्ष निकालेंगे।
- (4) परिवहन के उपयोगों का अर्थ निकालने के लिए समाचार-पत्रों के लेख पढ़ेंगे।

[Question ID = 83][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_101_Q83]

1. 1 [Option ID = 329]
2. 2 [Option ID = 330]
3. 3 [Option ID = 331]
4. 4 [Option ID = 332]

9) Which of the following statements best exhibits the nature of EVS ?

- (1) EVS is not a separate subject in itself.
- (2) EVS is preparation of (Science and Social Science) subjects of upper primary classes.
- (3) EVS is awareness and sensitivity about environment and environmental problems.
- (4) EVS is the efficiency of removing environmental problems.

पर्यावरण अध्ययन की प्रकृति को निम्नलिखित में से कौन सा कथन सर्वोत्तम प्रकार से प्रदर्शित करता है ?

- (1) पर्यावरण अध्ययन अपने आप में कोई अलग विषय नहीं है।
- (2) पर्यावरण अध्ययन उच्च प्राथमिक कक्षाओं के विषय (विज्ञान व सामाजिक विज्ञान) की पूर्व तैयारी है।
- (3) पर्यावरण अध्ययन पर्यावरण और पर्यावरणीय समस्याओं के बारे में जागरूकता और संवेदनशीलता है।
- (4) पर्यावरण अध्ययन पर्यावरणीय समस्याओं को दूर करने की कुशलता है।

[Question ID = 84][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_101_Q84]

1. 1 [Option ID = 333]
2. 2 [Option ID = 334]
3. 3 [Option ID = 335]
4. 4 [Option ID = 336]

10) Which of the following activities are appropriate for transacting 'here comes a letter' to the students of class III ?

- A. Read chapter on 'communication' and do related exercises.
- B. Ask students to collate information and then write in their own words.
- C. Prepare students for letter-writing to their grandparents.
- D. Plan a visit to the local post office to experience the work of a postman.

(1) A and B

(2) B and C

(3) A and D

(4) C and D

कक्षा III के विद्यार्थियों को प्रकरण "चिट्ठी आई है", के शिक्षण के लिए, निम्नलिखित में से कौन-से क्रियाकलाप उपयुक्त हैं ?

- A. 'संचार' का पाठ पढ़िये और संबंधित अभ्यास कीजिए ।
- B. विद्यार्थियों को, सूचना को जोड़कर और उनको अपने शब्दों में लिखने के लिए कहिये ।
- C. विद्यार्थियों को उनके दादा-दादी को पत्र लिखने के लिये तैयार करिये ।
- D. डाकिये के कार्य को अनुभव करने के लिए एक स्थानीय डाकघर जाने की योजना बनाइये ।

(1) A और B

(2) B और C

(3) A और D

(4) C और D

[Question ID = 85][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_101_Q85]

- 1. 1 [Option ID = 337]
- 2. 2 [Option ID = 338]
- 3. 3 [Option ID = 339]
- 4. 4 [Option ID = 340]

11) Which of the following statements are true in the context of EVS learning of children ?

- A. Children are actively connected to the world around them.
- B. Children coming from different backgrounds have similar contextual experiences.
- C. Diversity makes the teaching-learning process challenging.
- D. Diversity is an important resource in teaching-learning process.

(1) A, B and C

(2) A, C and D

(3) B, C and D

(4) A, B and D

निम्नलिखित में से कौन-से कथन बच्चों के पर्यावरण अध्ययन सीखने के संदर्भ में सत्य हैं ?

- A. बच्चे अपने आसपास की दुनिया से सक्रिय रूप से जुड़े रहते हैं।
- B. अलग-अलग पृष्ठभूमि से आए बच्चों के समान संदर्भित अनुभव होते हैं।
- C. विविधता सीखने-सिखाने की प्रक्रिया को चुनौतीपूर्ण बनाती है।
- D. विविधता सीखने-सिखाने की प्रक्रिया में महत्वपूर्ण संसाधन है।

(1) A, B और C

(2) A, C और D

(3) B, C और D

(4) A, B और D

[Question ID = 86][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_101_Q86]

1. 1 [Option ID = 341]

2. 2 [Option ID = 342]

3. 3 [Option ID = 343]

4. 4 [Option ID = 344]

12) In order to introduce the topic 'Birds' to the students of class IV, which one of the following would you prefer ?

- (1) Provide models of birds along with their names to your students for them to memorise.
- (2) Ask students to write about 'Birds' in their own words.
- (3) Use nature walk to identify local birds, their habits and habitats.
- (4) Show a video on birds followed by digital presentation.

कक्षा IV के विद्यार्थियों को विषय 'पक्षियों' प्रस्तुत करने के उद्देश्य से, आप निम्नलिखित में से किसे प्राथमिकता देंगे ?

- (1) अपने विद्यार्थियों को पक्षियों के प्रतिरूप उनके नामों की सूची के साथ, याद करने के लिए दीजिए ।
- (2) विद्यार्थियों को 'पक्षियों' के विषय में अपने शब्दों में लिखने के लिए कहिये ।
- (3) स्थानीय पक्षियों, उनकी प्रकृति और उनके आवास-स्थानों की पहचान करने के लिए प्रकृति की सैर का उपयोग कीजिए ।
- (4) पक्षियों पर एक वीडियो और उसके पश्चात् कम्प्यूटर प्रस्तुतीकरण दिखाइये ।

[Question ID = 87][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_101_Q87]

1. 1 [Option ID = 345]
2. 2 [Option ID = 346]
3. 3 [Option ID = 347]
4. 4 [Option ID = 348]

13) Vani said, "Mango tree is like an open umbrella." Which processes have been used by Vani in this statement ?

- A. Observation
- B. Comparison
- C. Decision-making
- D. Imagination

- (1) A, B and C
- (2) B, C and D
- (3) A, C and D
- (4) A, B and D

वाणी ने कहा, "आम का पेड़ खुली छतरी जैसा है ।" इस कथन में वाणी द्वारा किन प्रक्रियाओं का प्रयोग किया गया है ?

- A. अवलोकन
- B. तुलना
- C. निर्णयन
- D. कल्पना

- (1) A, B और C
- (2) B, C और D
- (3) A, C और D
- (4) A, B और D

[Question ID = 88][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_101_Q88]

1. 1 [Option ID = 349]
2. 2 [Option ID = 350]
3. 3 [Option ID = 351]
4. 4 [Option ID = 352]

14) During the transaction of class III topic on 'Water' students shared instances of people being refused to drink water from common resources like wells, ponds, etc. How would you deal with such a situation ?

- A. Ask students to not get distracted and focus on the topic.
- B. Ask students to not share such situations in class.
- C. Ask them to share experiences and emphasise the values of equality.
- D. Ask them to share experiences and write an essay on 'water conservation'

- (1) B and C
- (2) A, B and D
- (3) A, C and D
- (4) Only D

कक्षा III में विषय 'जल' का शिक्षण करते हुए, विद्यार्थियों ने ऐसे उदाहरणों को साझा किया जिसमें लोगों को सार्वजनिक संसाधनों जैसे कुओं, तालाबों, इत्यादि से जल पीने के लिए मना किया गया था। आप ऐसी परिस्थिति से कैसे निपटेंगे ?

- A. विद्यार्थियों को विषय से हटने से रोकेंगे और विषय पर ध्यान केंद्रित करने के लिए कहेंगे।
- B. विद्यार्थियों को ऐसी घटनाओं को कक्षा में साझा करने से मना करेंगे।
- C. उन्हें अनुभवों को साझा करने और समानता के मूल्यों पर बल देने के लिए कहेंगे।
- D. उन्हें अनुभवों को साझा करने और 'जल संरक्षण' पर निबन्ध लिखने के लिए कहेंगे।

- (1) B और C
- (2) A, B और D
- (3) A, C और D
- (4) केवल D

[Question ID = 89][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_101_Q89]

- 1. 1 [Option ID = 353]
- 2. 2 [Option ID = 354]
- 3. 3 [Option ID = 355]
- 4. 4 [Option ID = 356]

15) Which of the following objectives is the most important for EVS subject ?

- (1) Development of understanding of subject concepts
- (2) Development of understanding of practical activity
- (3) Development of abilities of observation, enquiry, logic and conclusion
- (4) Development of ability to decide right and wrong on the basis of conscience

पर्यावरण अध्ययन विषय हेतु निम्नलिखित में से कौन-सा उद्देश्य सर्वाधिक महत्वपूर्ण है ?

- (1) विषयगत अवधारणाओं की समझ का विकास
- (2) प्रायोगिक गतिविधि की समझ का विकास
- (3) अवलोकन, खोजबीन, तर्क व निष्कर्ष की क्षमताओं का विकास
- (4) विवेक के आधार पर सही व गलत को तय करने की क्षमता का विकास

[Question ID = 90][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_101_Q90]

1. 1 [Option ID = 357]
2. 2 [Option ID = 358]
3. 3 [Option ID = 359]
4. 4 [Option ID = 360]

Topic:- HIN_Q91-99_L1_P1_CTET

- 1) **निर्देश :** निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही/सबसे उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प को चुनिए ।

हज़ारों वर्षों से मनुष्य नदी की ओर खिंचता चला आया है । केवल इसलिए नहीं कि वह हमारी और हमारे खेतों की प्यास बुझाती है, बल्कि इसलिए भी कि वह हमारी आत्मा को भी तृप्त करती है । संसार की सभी प्रमुख संस्कृतियों का जन्म नदियों की कोख से हुआ है । भारतीय संस्कृति गंगा की देन है, अंत में नदी समुद्र से जा मिलती है । पानी जहाँ से चला था, वापस वहीं पहुँच गया । नदी कभी न समाप्त होने वाली एक निरंतर रचना है । एक ऐसी शक्ति जो नित्य पुनर्जीवित होती रहती है । किंतु नदी एक अस्थिर मित्र है । हज़ारों वर्षों से वर्षा-ऋतु में नदी-तट के निवासियों को बाढ़ का प्रकोप भी झेलना पड़ता था । नदी का पानी उफन पड़ता है और तटबंधों को तोड़ता हुआ गाँव के गाँव बहा ले जाता था ।

संस्कृति का जन्म कहाँ होता है ?

- (1) समुद्र के किनारे
- (2) खेतों के किनारे
- (3) नदियों के किनारे
- (4) जंगलों के किनारे

[Question ID = 121][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_101_HINDI_Q91]

1. 1 [Option ID = 481]
2. 2 [Option ID = 482]
3. 3 [Option ID = 483]
4. 4 [Option ID = 484]

2) **निर्देश :** निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही/सबसे उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प को चुनिए ।

हज़ारों वर्षों से मनुष्य नदी की ओर खिंचता चला आया है । केवल इसलिए नहीं कि वह हमारी और हमारे खेतों की प्यास बुझाती है, बल्कि इसलिए भी कि वह हमारी आत्मा को भी तृप्त करती है । संसार की सभी प्रमुख संस्कृतियों का जन्म नदियों की कोख से हुआ है । भारतीय संस्कृति गंगा की देन है, अंत में नदी समुद्र से जा मिलती है । पानी जहाँ से चला था, वापस वहीं पहुँच गया । नदी कभी न समाप्त होने वाली एक निरंतर रचना है । एक ऐसी शक्ति जो नित्य पुनर्जीवित होती रहती है । किंतु नदी एक अस्थिर मित्र है । हज़ारों वर्षों से वर्षा-ऋतु में नदी-तट के निवासियों को बाढ़ का प्रकोप भी झेलना पड़ता था । नदी का पानी उफन पड़ता है और तटबंधों को तोड़ता हुआ गाँव के गाँव बहा ले जाता था ।

भारतीय संस्कृति _____ की देन है ।

(1) समुद्र

(2) खाड़ी

(3) यमुना

(4) गंगा

[Question ID = 122][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_101_HINDI_Q92]

1. 1 [Option ID = 485]
2. 2 [Option ID = 486]
3. 3 [Option ID = 487]
4. 4 [Option ID = 488]

3) **निर्देश :** निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही/सबसे उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प को चुनिए ।

हज़ारों वर्षों से मनुष्य नदी की ओर खिंचता चला आया है । केवल इसलिए नहीं कि वह हमारी और हमारे खेतों की प्यास बुझाती है, बल्कि इसलिए भी कि वह हमारी आत्मा को भी तृप्त करती है । संसार की सभी प्रमुख संस्कृतियों का जन्म नदियों की कोख से हुआ है । भारतीय संस्कृति गंगा की देन है, अंत में नदी समुद्र से जा मिलती है । पानी जहाँ से चला था, वापस वहीं पहुँच गया । नदी कभी न समाप्त होने वाली एक निरंतर रचना है । एक ऐसी शक्ति जो नित्य पुनर्जीवित होती रहती है । किंतु नदी एक अस्थिर मित्र है । हज़ारों वर्षों से वर्षा-ऋतु में नदी-तट के निवासियों को बाढ़ का प्रकोप भी झेलना पड़ता था । नदी का पानी उफन पड़ता है और तटबंधों को तोड़ता हुआ गाँव के गाँव बहा ले जाता था ।

नदी को अस्थिर मित्र क्यों कहा गया है ?

- (1) नदी वापस समुद्र में मिल जाती है
- (2) बाढ़ बनकर नुकसान पहुँचाती है
- (3) नदी एक स्थान पर टिकती नहीं है
- (4) नदी का जल बहुत खारा होता है

[Question ID = 123][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_101_HINDI_Q93]

1. 1 [Option ID = 489]
2. 2 [Option ID = 490]
3. 3 [Option ID = 491]
4. 4 [Option ID = 492]

- 4) **निर्देश :** निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही/सबसे उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प को चुनिए ।

हज़ारों वर्षों से मनुष्य नदी की ओर खिंचता चला आया है । केवल इसलिए नहीं कि वह हमारी और हमारे खेतों की प्यास बुझाती है, बल्कि इसलिए भी कि वह हमारी आत्मा को भी तृप्त करती है । संसार की सभी प्रमुख संस्कृतियों का जन्म नदियों की कोख से हुआ है । भारतीय संस्कृति गंगा की देन है, अंत में नदी समुद्र से जा मिलती है । पानी जहाँ से चला था, वापस वहीं पहुँच गया । नदी कभी न समाप्त होने वाली एक निरंतर रचना है । एक ऐसी शक्ति जो नित्य पुनर्जीवित होती रहती है । किंतु नदी एक अस्थिर मित्र है । हज़ारों वर्षों से वर्षा-ऋतु में नदी-तट के निवासियों को बाढ़ का प्रकोप भी झेलना पड़ता था । नदी का पानी उफन पड़ता है और तटबंधों को तोड़ता हुआ गाँव के गाँव बहा ले जाता था ।

नदी क्या **नहीं** है ?

- (1) अस्थिर मित्र
- (2) पुनर्जीवित करने वाली
- (3) निरंतर रचना
- (4) संस्कृति का उद्गम स्थल

[Question ID = 124][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_101_HINDI_Q94]

- 1. 1 [Option ID = 493]
- 2. 2 [Option ID = 494]
- 3. 3 [Option ID = 495]
- 4. 4 [Option ID = 496]

- 5) **निर्देश :** निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही/सबसे उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प को चुनिए ।

हज़ारों वर्षों से मनुष्य नदी की ओर खिंचता चला आया है । केवल इसलिए नहीं कि वह हमारी और हमारे खेतों की प्यास बुझाती है, बल्कि इसलिए भी कि वह हमारी आत्मा को भी तृप्त करती है । संसार की सभी प्रमुख संस्कृतियों का जन्म नदियों की कोख से हुआ है । भारतीय संस्कृति गंगा की देन है, अंत में नदी समुद्र से जा मिलती है । पानी जहाँ से चला था, वापस वहीं पहुँच गया । नदी कभी न समाप्त होने वाली एक निरंतर रचना है । एक ऐसी शक्ति जो नित्य पुनर्जीवित होती रहती है । किंतु नदी एक अस्थिर मित्र है । हज़ारों वर्षों से वर्षा-ऋतु में नदी-तट के निवासियों को बाढ़ का प्रकोप भी झेलना पड़ता था । नदी का पानी उफन पड़ता है और तटबंधों को तोड़ता हुआ गाँव के गाँव बहा ले जाता था ।

गद्यांश के अनुसार हमारे जीवन में नदी का बहुत महत्व इसलिए है क्योंकि

- (1) वह मीठा पानी देती है
- (2) सदा बहती रहती है
- (3) केवल वही खेती का आधार है
- (4) जल ही जीवन है

[Question ID = 125][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_101_HINDI_Q95]

1. 1 [Option ID = 497]
2. 2 [Option ID = 498]
3. 3 [Option ID = 499]
4. 4 [Option ID = 500]

6) **निर्देश :** निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही/सबसे उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प को चुनिए ।

हज़ारों वर्षों से मनुष्य नदी की ओर खिंचता चला आया है । केवल इसलिए नहीं कि वह हमारी और हमारे खेतों की प्यास बुझाती है, बल्कि इसलिए भी कि वह हमारी आत्मा को भी तृप्त करती है । संसार की सभी प्रमुख संस्कृतियों का जन्म नदियों की कोख से हुआ है । भारतीय संस्कृति गंगा की देन है, अंत में नदी समुद्र से जा मिलती है । पानी जहाँ से चला था, वापस वहीं पहुँच गया । नदी कभी न समाप्त होने वाली एक निरंतर रचना है । एक ऐसी शक्ति जो नित्य पुनर्जीवित होती रहती है । किंतु नदी एक अस्थिर मित्र है । हज़ारों वर्षों से वर्षा-ऋतु में नदी-तट के निवासियों को बाढ़ का प्रकोप भी झेलना पड़ता था । नदी का पानी उफन पड़ता है और तटबंधों को तोड़ता हुआ गाँव के गाँव बहा ले जाता था ।

मानव नदियों को केवल इसलिए महत्त्व नहीं देता कि वह

- (1) खेतों की सिंचाई में मदद करती है
- (2) हमारी आत्मा को तृप्त करती है
- (3) संस्कृति को जन्म देती है
- (4) निरंतर बनी रहती है

[Question ID = 126][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_101_HINDI_Q96]

1. 1 [Option ID = 501]
2. 2 [Option ID = 502]
3. 3 [Option ID = 503]
4. 4 [Option ID = 504]

7) **निर्देश :** निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही/सबसे उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प को चुनिए ।

हज़ारों वर्षों से मनुष्य नदी की ओर खिंचता चला आया है । केवल इसलिए नहीं कि वह हमारी और हमारे खेतों की प्यास बुझाती है, बल्कि इसलिए भी कि वह हमारी आत्मा को भी तृप्त करती है । संसार की सभी प्रमुख संस्कृतियों का जन्म नदियों की कोख से हुआ है । भारतीय संस्कृति गंगा की देन है, अंत में नदी समुद्र से जा मिलती है । पानी जहाँ से चला था, वापस वहीं पहुँच गया । नदी कभी न समाप्त होने वाली एक निरंतर रचना है । एक ऐसी शक्ति जो नित्य पुनर्जीवित होती रहती है । किंतु नदी एक अस्थिर मित्र है । हज़ारों वर्षों से वर्षा-ऋतु में नदी-तट के निवासियों को बाढ़ का प्रकोप भी झेलना पड़ता था । नदी का पानी उफन पड़ता है और तटबंधों को तोड़ता हुआ गाँव के गाँव बहा ले जाता था ।

पानी कहाँ से चल कर कहाँ पहुँच जाता है ?

(1) नदी से समुद्र

(2) समुद्र से समुद्र

(3) समुद्र से नदी

(4) नदी से नदी

[Question ID = 127][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_101_HINDI_Q97]

1. 1 [Option ID = 505]
2. 2 [Option ID = 506]
3. 3 [Option ID = 507]
4. 4 [Option ID = 508]

- 8) **निर्देश :** निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही/सबसे उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प को चुनिए ।

हज़ारों वर्षों से मनुष्य नदी की ओर खिंचता चला आया है । केवल इसलिए नहीं कि वह हमारी और हमारे खेतों की प्यास बुझाती है, बल्कि इसलिए भी कि वह हमारी आत्मा को भी तृप्त करती है । संसार की सभी प्रमुख संस्कृतियों का जन्म नदियों की कोख से हुआ है । भारतीय संस्कृति गंगा की देन है, अंत में नदी समुद्र से जा मिलती है । पानी जहाँ से चला था, वापस वहीं पहुँच गया । नदी कभी न समाप्त होने वाली एक निरंतर रचना है । एक ऐसी शक्ति जो नित्य पुनर्जीवित होती रहती है । किंतु नदी एक अस्थिर मित्र है । हज़ारों वर्षों से वर्षा-ऋतु में नदी-तट के निवासियों को बाढ़ का प्रकोप भी झेलना पड़ता था । नदी का पानी उफन पड़ता है और तटबंधों को तोड़ता हुआ गाँव के गाँव बहा ले जाता था ।

निम्न में से किस शब्द में 'प्रत्यय' का प्रयोग हुआ है ?

- (1) निरंतर
- (2) भारतीय
- (3) प्रकोप
- (4) तृप्त

[Question ID = 128][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_101_HINDI_Q98]

- 1. 1 [Option ID = 509]
- 2. 2 [Option ID = 510]
- 3. 3 [Option ID = 511]
- 4. 4 [Option ID = 512]

- 9) **निर्देश :** निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही/सबसे उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प को चुनिए ।

हज़ारों वर्षों से मनुष्य नदी की ओर खिंचता चला आया है । केवल इसलिए नहीं कि वह हमारी और हमारे खेतों की प्यास बुझाती है, बल्कि इसलिए भी कि वह हमारी आत्मा को भी तृप्त करती है । संसार की सभी प्रमुख संस्कृतियों का जन्म नदियों की कोख से हुआ है । भारतीय संस्कृति गंगा की देन है, अंत में नदी समुद्र से जा मिलती है । पानी जहाँ से चला था, वापस वहीं पहुँच गया । नदी कभी न समाप्त होने वाली एक निरंतर रचना है । एक ऐसी शक्ति जो नित्य पुनर्जीवित होती रहती है । किंतु नदी एक अस्थिर मित्र है । हज़ारों वर्षों से वर्षा-ऋतु में नदी-तट के निवासियों को बाढ़ का प्रकोप भी झेलना पड़ता था । नदी का पानी उफन पड़ता है और तटबंधों को तोड़ता हुआ गाँव के गाँव बहा ले जाता था ।

‘मित्र’ का पर्यायवाची शब्द **नहीं** है

- (1) सखा
- (2) बंधु
- (3) अरि
- (4) संगी

[Question ID = 129][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_101_HINDI_Q99]

- 1. 1 [Option ID = 513]
- 2. 2 [Option ID = 514]
- 3. 3 [Option ID = 515]
- 4. 4 [Option ID = 516]

Topic: - HIN_Q100-105_L1_P1_CTET

- 1) **निर्देश :** निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही/सबसे उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प को चुनिए ।

बहुत दिनों से सोच रहा था, थोड़ी धरती पाऊँ
उस धरती में बाग बगीचा, जो हो सके लगाऊँ ।
खिलें फूल-फल, चिड़ियाँ बोलें, प्यारी खुशबू डोले,
ताज़ी हवा जलाशय में अपना हर अंग भिगो ले ।
हो सकता है पास तुम्हारे, अपनी कुछ धरती हो
फूल-फल लदे अपने उपवन हों, अपनी परती धरती हो ।
हो सकता है छोटी-सी क्यारी हो, महक रही हो
छोटी-सी खेती हो जो फसलों से दहक रही हो ।

यदि लेखक के पास थोड़ी-सी धरती होती, तो वह क्या **नहीं** करता ?

- (1) बगीचा लगाना
- (2) खेती करना
- (3) पेड़-पौधे लगाना
- (4) नहर बनाना

[Question ID = 130][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_101_HINDI_Q100]

- 1. 1 [Option ID = 517]
- 2. 2 [Option ID = 518]
- 3. 3 [Option ID = 519]
- 4. 4 [Option ID = 520]

- 2) **निर्देश :** निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही/सबसे उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प को चुनिए ।

बहुत दिनों से सोच रहा था, थोड़ी धरती पाऊँ
उस धरती में बाग बगीचा, जो हो सके लगाऊँ ।
खिलें फूल-फल, चिड़ियाँ बोलें, प्यारी खुशबू डोले,
ताज़ी हवा जलाशय में अपना हर अंग भिगो ले ।
हो सकता है पास तुम्हारे, अपनी कुछ धरती हो
फूल-फल लदे अपने उपवन हों, अपनी परती धरती हो ।
हो सकता है छोटी-सी क्यारी हो, महक रही हो
छोटी-सी खेती हो जो फसलों से दहक रही हो ।
कविता में लेखक का _____ प्रेम झलकता है ।

(1) प्रकृति

(2) पशु

(3) धन

(4) परिवार

[Question ID = 131][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_101_HINDI_Q101]

1. 1 [Option ID = 521]
2. 2 [Option ID = 522]
3. 3 [Option ID = 523]
4. 4 [Option ID = 524]

3) **निर्देश :** निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही/सबसे उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प को चुनिए ।

बहुत दिनों से सोच रहा था, थोड़ी धरती पाऊँ
उस धरती में बाग बगीचा, जो हो सके लगाऊँ ।
खिलें फूल-फल, चिड़ियाँ बोलें, प्यारी खुशबू डोले,
ताज़ी हवा जलाशय में अपना हर अंग भिगो ले ।
हो सकता है पास तुम्हारे, अपनी कुछ धरती हो
फूल-फल लदे अपने उपवन हों, अपनी परती धरती हो ।
हो सकता है छोटी-सी क्यारी हो, महक रही हो
छोटी-सी खेती हो जो फसलों से दहक रही हो ।
'परती' धरती से आशय है ऐसी ज़मीन

- (1) जो बंजर और ऊबड़-खाबड़ हो
- (2) जिसे प्रतिवर्ष जोता-बोया न जाता हो
- (3) जिसमें सौ से अधिक परतें हो
- (4) जिसके नीचे पानी ही पानी हो

[Question ID = 132][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_101_HINDI_Q102]

1. 1 [Option ID = 525]
2. 2 [Option ID = 526]
3. 3 [Option ID = 527]
4. 4 [Option ID = 528]

- 4) **निर्देश :** निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही/सबसे उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प को चुनिए ।

बहुत दिनों से सोच रहा था, थोड़ी धरती पाऊँ
उस धरती में बाग बगीचा, जो हो सके लगाऊँ ।
खिलें फूल-फल, चिड़ियाँ बोलें, प्यारी खुशबू डोले,
ताज़ी हवा जलाशय में अपना हर अंग भिगो ले ।
हो सकता है पास तुम्हारे, अपनी कुछ धरती हो
फूल-फल लदे अपने उपवन हों, अपनी परती धरती हो ।
हो सकता है छोटी-सी क्यारी हो, महक रही हो
छोटी-सी खेती हो जो फ़सलों से दहक रही हो ।

‘फ़सलों से दहक रही हो’ वाक्य में रेखांकित शब्द ‘दहक’ किस अर्थ में प्रयुक्त हुआ है ?

- (1) फ़सल बोने के अर्थ में
- (2) फ़सल के पकने के अर्थ में
- (3) फ़सल के कच्चा होने के अर्थ में
- (4) फ़सल पर पाला पड़ने के अर्थ में

[Question ID = 133][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_101_HINDI_Q103]

1. 1 [Option ID = 529]
2. 2 [Option ID = 530]
3. 3 [Option ID = 531]
4. 4 [Option ID = 532]

- 5) **निर्देश :** निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही/सबसे उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प को चुनिए ।

बहुत दिनों से सोच रहा था, थोड़ी धरती पाऊँ
उस धरती में बाग बगीचा, जो हो सके लगाऊँ ।
खिलें फूल-फल, चिड़ियाँ बोलें, प्यारी खुशबू डोले,
ताज़ी हवा जलाशय में अपना हर अंग भिगो ले ।
हो सकता है पास तुम्हारे, अपनी कुछ धरती हो
फूल-फल लदे अपने उपवन हों, अपनी परती धरती हो ।
हो सकता है छोटी-सी क्यारी हो, महक रही हो
छोटी-सी खेती हो जो फसलों से दहक रही हो ।

समूह से भिन्न शब्द है

- (1) छोटी-सी खेती
- (2) छोटी-सी क्यारी
- (3) छोटा-सा उपवन
- (4) फूल-फल लदे

[Question ID = 134][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_101_HINDI_Q104]

- 1. 1 [Option ID = 533]
- 2. 2 [Option ID = 534]
- 3. 3 [Option ID = 535]
- 4. 4 [Option ID = 536]

- 6) **निर्देश :** निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही/सबसे उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प को चुनिए ।

बहुत दिनों से सोच रहा था, थोड़ी धरती पाऊँ
उस धरती में बाग बगीचा, जो हो सके लगाऊँ ।
खिलें फूल-फल, चिड़ियाँ बोलें, प्यारी खुशबू डोले,
ताज़ी हवा जलाशय में अपना हर अंग भिगो ले ।
हो सकता है पास तुम्हारे, अपनी कुछ धरती हो
फूल-फल लदे अपने उपवन हों, अपनी परती धरती हो ।
हो सकता है छोटी-सी क्यारी हो, महक रही हो
छोटी-सी खेती हो जो फसलों से दहक रही हो ।
समान लयात्मक शब्द **नहीं** है

- (1) महक
- (2) दहक
- (3) लहक
- (4) लहर

[Question ID = 135][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_101_HINDI_Q105]

- 1. 1 [Option ID = 537]
- 2. 2 [Option ID = 538]
- 3. 3 [Option ID = 539]
- 4. 4 [Option ID = 540]

Topic:- HIN_Q106-120_L1_P1_CTET

- 1) शिक्षार्थी अपनी बुनियादी पठन कुशलताओं का निर्माण कर सकें, इसके लिए एक शिक्षक द्वारा _____ शिक्षार्थियों को मदद करने की ज़रूरत है ।

- (1) वैयक्तिक और विभेदित अनुदेशन के साथ
- (2) कक्षा विशेष के सीखने के प्रतिफल को प्राप्त करने के लिए उन्हें मानक परीक्षण देने के माध्यम से
- (3) वैविध्यपूर्ण तकनीकी का प्रयोग करते हुए
- (4) पठन से पूर्व नवीन एवं चुनौतीपूर्ण शब्दावली के साथ

[Question ID = 136][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_101_HINDI_Q106]

- 1. 1 [Option ID = 541]
- 2. 2 [Option ID = 542]
- 3. 3 [Option ID = 543]
- 4. 4 [Option ID = 544]

2) कक्षा 2 की शिक्षिका मुद्रित विषय-सामग्री में परिचित शब्दों की सटीक और निपुणता भरी पहचान की क्षमता को बढ़ाने पर ध्यान दे रही है। ये शब्द हैं

- (1) सर्वाधिक प्रयुक्त (साइट वर्ड्स) होने वाले शब्द
- (2) विषय-वस्तु के शब्द
- (3) कठिन शब्द
- (4) निष्क्रिय शब्द

[Question ID = 137][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_101_HINDI_Q107]

- 1. 1 [Option ID = 545]
- 2. 2 [Option ID = 546]
- 3. 3 [Option ID = 547]
- 4. 4 [Option ID = 548]

3) एक से अधिक भाषा का ज्ञान

- (1) भाषा-कक्षा में शिक्षक के ऊपर एक बोझ बन जाता है
- (2) नवीन कक्षा-कक्ष में सीखते समय शिक्षार्थी को उसके समनुरूप करता है
- (3) नवीन भाषा के सीखने-सिखाने में मदद करता है
- (4) नवीन भाषा सीखने में हस्तक्षेप करता है

[Question ID = 138][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_101_HINDI_Q108]

- 1. 1 [Option ID = 549]
- 2. 2 [Option ID = 550]
- 3. 3 [Option ID = 551]
- 4. 4 [Option ID = 552]

4) एक शिक्षिका कक्षा 4 के शिक्षार्थियों से एक छोटे अनुच्छेद को समझ के साथ पढ़ने और गहराई से उसका परीक्षण करने के लिए कहती है। साथ ही वे आवश्यकतानुसार शिक्षार्थियों की आधारभूत मदद भी करती है। वह _____ का अभ्यास कर रही है।

- (1) विस्तृत पठन
- (2) गहन पठन
- (3) पहेली पठन
- (4) सहयोगी पठन

[Question ID = 139][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_101_HINDI_Q109]

- 1. 1 [Option ID = 553]
- 2. 2 [Option ID = 554]
- 3. 3 [Option ID = 555]
- 4. 4 [Option ID = 556]

5) भाषा-शिक्षण के लिए एक वास्तविक एवं व्यावहारिक स्थिति का उपयोग करते हुए सरलतापूर्वक भाषा से परिचित होने में शिक्षार्थियों की मदद करने वाली पद्धति _____ कहलाती है।

- (1) संरचनात्मक उपागम
- (2) स्थितिपरक भाषा-शिक्षण पद्धति
- (3) श्रव्य-भाषिक पद्धति
- (4) द्विभाषी पद्धति

[Question ID = 140][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_101_HINDI_Q110]

- 1. 1 [Option ID = 557]
- 2. 2 [Option ID = 558]
- 3. 3 [Option ID = 559]
- 4. 4 [Option ID = 560]

6) पठन-पूर्व कार्य _____ होते हैं।

- (1) शिक्षार्थियों की पठन कुशलता का मूल्यांकन करने के लिए
- (2) कठिन शब्दों और पदों का अर्थ देने के लिए
- (3) शिक्षार्थियों को पाठ्य-वस्तु में 'प्रवेश' करने और उन्हें अभिप्रेरित करने के लिए
- (4) पठन-सामग्री में प्रयुक्त व्याकरणिक बिन्दुओं की व्याख्या करने के लिए

[Question ID = 141][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_101_HINDI_Q111]

- 1. 1 [Option ID = 561]
- 2. 2 [Option ID = 562]
- 3. 3 [Option ID = 563]
- 4. 4 [Option ID = 564]

7) प्रथम भाषा अर्जन में निम्नलिखित चरण होते हैं :

- (1) कूकना – बबलाना – समग्रबोधि अवस्था – तारशैली वाक् – दो शब्दीय अवस्था
- (2) कूकना – बबलाना – दो शब्दीय अवस्था – तारशैली वाक् – समग्रबोधि अवस्था
- (3) कूकना – समग्रबोधि अवस्था – बबलाना – दो शब्दीय अवस्था – तारशैली वाक्
- (4) कूकना – बबलाना – समग्रबोधि अवस्था – दो शब्दीय अवस्था – तारशैली वाक्

[Question ID = 142][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_101_HINDI_Q112]

- 1. 1 [Option ID = 565]
- 2. 2 [Option ID = 566]
- 3. 3 [Option ID = 567]
- 4. 4 [Option ID = 568]

8) इस उपागम में व्याकरणिक संरचना तथा एकल शब्दों की बजाय अर्थ एवं भाषा को उसकी पूर्णता में देखना शामिल है।

- (1) अधोगामी उपागम
- (2) ऊर्ध्वगामी उपागम
- (3) एकीकृत उपागम
- (4) निगमनात्मक उपागम

[Question ID = 143][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_101_HINDI_Q113]

- 1. 1 [Option ID = 569]
- 2. 2 [Option ID = 570]
- 3. 3 [Option ID = 571]
- 4. 4 [Option ID = 572]

9) एक शिक्षक _____ के माध्यम से अपने शिक्षार्थियों के खराब अंकों के कारणों को जानने के लिए एक परीक्षण तैयार करता है।

- (1) निदानात्मक परीक्षण
- (2) निपुणता परीक्षण
- (3) उपलब्धि परीक्षण
- (4) अभिक्षमता परीक्षण

[Question ID = 144][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_101_HINDI_Q114]

- 1. 1 [Option ID = 573]
- 2. 2 [Option ID = 574]
- 3. 3 [Option ID = 575]
- 4. 4 [Option ID = 576]

10) एक बच्चा जोड़े में और समूह में सक्रिय रूप से हिस्सा लेता है लेकिन लिखित परीक्षा में अच्छे अंक नहीं ले पाता। एक शिक्षक के रूप में आप शिक्षार्थी की मदद कर सकते हैं

- (1) उसकी सामाजिक अंतःक्रिया की प्रशंसा करते हुए
- (2) बच्चे के माता-पिता को यह स्पष्ट करते हुए कि लेखन में उसकी कोई रुचि नहीं है
- (3) माता-पिता से यह अनुरोध करते हुए कि वे उसकी पढ़ाई में मदद करें
- (4) उसको नियमित परीक्षण देते हुए ताकि वह सुधार कर सके

[Question ID = 145][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_101_HINDI_Q115]

- 1. 1 [Option ID = 577]
- 2. 2 [Option ID = 578]
- 3. 3 [Option ID = 579]
- 4. 4 [Option ID = 580]

11) 'द जंगल बुक' के मुख्य पात्र मोगली की भाषा में कमी थी, क्योंकि मानव संपर्क से विलग उसका पालन-पोषण हुआ था। यह साक्ष्य भाषा-विकास के किस पक्ष का समर्थन करता है ?

- (1) एक सही आयु में बच्चे के पास भाषा-परिवेश का अभाव।
- (2) बच्चे को कुछ जीव-वैज्ञानिक समस्याएँ थीं।
- (3) सहज क्षमता के साथ उसका जन्म नहीं हुआ था।
- (4) उसे मानव भाषा की बजाय जानवरों की भाषा से प्रेम था।

[Question ID = 146][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_101_HINDI_Q116]

- 1. 1 [Option ID = 581]
- 2. 2 [Option ID = 582]
- 3. 3 [Option ID = 583]
- 4. 4 [Option ID = 584]

12) अर्थक्रियात्मकता (प्रागैटिक्स) _____ की ओर संकेत करता है।

- (1) भाषा के सामाजिक नियम
- (2) विद्यालयी भाषा की नीति
- (3) विद्यालय की अनुदेशन की भाषा
- (4) शैक्षणिक भाषा

[Question ID = 147][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_101_HINDI_Q117]

- 1. 1 [Option ID = 585]
- 2. 2 [Option ID = 586]
- 3. 3 [Option ID = 587]
- 4. 4 [Option ID = 588]

13) निम्नलिखित में से किसका कविता में एक आकलन-तत्त्व के रूप में समर्थन **नहीं** किया जाता है ?

- (1) व्याकरण
- (2) शब्द-भंडार
- (3) काव्यात्मक उपकरण
- (4) कविता की अंतर्वस्तु

[Question ID = 148][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_101_HINDI_Q118]

- 1. 1 [Option ID = 589]
- 2. 2 [Option ID = 590]
- 3. 3 [Option ID = 591]
- 4. 4 [Option ID = 592]

14) कौन-सी पद्धति मातृभाषा में पहले से अर्जित भाषा-कौशलों के उपयोग के माध्यम से लक्ष्य भाषा सीखने में प्रवाहपूर्णता एवं सटीकता के विकास एवं उपलब्धि का समर्थन करती है ?

- (1) प्रत्यक्ष पद्धति
- (2) व्याकरण-अनुवाद पद्धति
- (3) द्विभाषी पद्धति
- (4) श्रव्यभाषिक पद्धति

[Question ID = 149][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_101_HINDI_Q119]

- 1. 1 [Option ID = 593]
- 2. 2 [Option ID = 594]
- 3. 3 [Option ID = 595]
- 4. 4 [Option ID = 596]

15) निम्नलिखित में से कौन-सा डिस्ग्राफिया, एक प्रकार की भाषा-अक्षमता के बारे में सत्य नहीं है ?

- (1) यह सीखने वाले की संगतपूर्ण लेखन-क्षमता को प्रभावित करता है।
- (2) यह कागज़ पर अक्षर, अंक या शब्द लिखने में बाधा उत्पन्न करता है।
- (3) यह सकल मोटर कौशल और तार्किक चिंतन को प्रभावित करता है।
- (4) यह खराब वर्तनी, बिगड़ी हुई लिखावट को बढ़ावा देता है।

[Question ID = 150][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_101_HINDI_Q120]

- 1. 1 [Option ID = 597]
- 2. 2 [Option ID = 598]
- 3. 3 [Option ID = 599]
- 4. 4 [Option ID = 600]

Topic:- Assamese_Q121-128_L2_P1_CTET

1) **নির্দেশ :** তলত উল্লেখ কৰা ৰচনাখণ্ড মনোযোগেৰে পঢ়ি তাৰ পৰা দিয়া প্ৰশ্ন ৰ বিকল্পসমূহৰ মাজৰ পৰা শুদ্ধ উত্তৰটো চিনাক্ত কৰাঁ।

সমতাপূৰ্ণ আৰু পৰিপুষ্ট আহাৰৰ বাবে মাছ আমাৰ অতি আৱশ্যকীয় খাদ্য। স্বাস্থ্যৰ বাবে আৱশ্যকীয় প্ৰ’টিন ইয়াত পোৱা যায়; যিহেতু ইয়াত ভিটামিন ‘এ’ আৰু ‘ডি’ থকাৰ উপৰিও ‘কেলচিয়াম’ আৰু ‘ফ’চফ’ৰাচ’ থাকে। কেইবছৰমান আগলৈকে অসমত মাছ উভেনদী আছিল। ইয়াৰ পথাৰ, নৈ-নলা, হোলা-ডোবা, খাল-বিল সকলোতে যথেষ্ট মাছ থকাৰ বাবে মানুহে নিজে মাৰি অথবা কম মূল্যত কিনি খাব পাৰিছিল। সময় বাগৰিল। এফালে জনসংখ্যা যিদৰে বাঢ়িল, আনফালে বিল, খাল, ডোবা-হোলা আদিও কমি আহিল; যিবাবে নৈ-নলা বা বিল আছে, তাতো মাছৰ সংখ্যা কমি আহিল। অদূৰ ভবিষ্যতে যে আৰু কমি যাব তাক থিৰাংকৈ ক’ব পৰা যায়। সেয়ে আজি পৃথিৱীৰ আন আন দেশৰ দৰে আমিও মীন-পালন ব্যৱস্থা হাতত লোৱাৰ আৱশ্যক হৈ পৰিছে। মীন-পালনৰ যোগেদি এফালে যিদৰে এইবিধ প্ৰ’টিনযুক্ত খাদ্যৰপৰা মানুহে বঞ্চিত নহ’ব, আনহাতে ইয়াক ব্যৱসায়িক ভিত্তিত ল’লে অৰ্থ উপাৰ্জনৰ বাটো মুকলি হ’ব। এতিয়া আমাৰ প্ৰশ্ন হ’ল কেনেকৈ

মান-পালন কাৰব পাৰো ।

আমাৰ ঘৰৰ ওচৰে-পাঁজৰে থকা পুখুৰীবোৰত সহজতে অলপ যত্ন আৰু চেষ্টা কৰিলে মীন-পালনৰ কাম হাতত ল'ব পৰা যায়; কিয়নো অসমীয়া মানুহৰ ঘৰত প্ৰায়ে ডাঙৰ-সৰু একোটা পুখুৰী থাকেই । সেই পুখুৰীটোৰ পানীখিনি প্ৰথমে সিঁচি উলিয়াই পেলাব লাগে । তাৰ পিছত তাত হাল বাই পুখুৰীৰ তলিখন চহাই পেলাব লাগে । যদি পানী সিঁচি হাল বোৱাৰ অসুবিধা হয়, তেন্তে জাল মাৰি তাত থকা আগৰ সকলো মাছ-কাছ আৰু মাছ-খোৱা পোক-পৰুৱাবোৰ তুলিব লাগে । পুখুৰীটোৰ বন-বাত পৰিষ্কাৰ কৰি পেলাব লাগে; কাৰণ পৰিষ্কাৰ পুখুৰীৰ ভিতৰলৈ অক্সিজেন আৰু সূৰ্যৰ পোহৰ সোমাই মাছ জীয়াই থকাত আৰু মাছ সোনকালে ডাঙৰ হোৱাত সহায় কৰে । পুখুৰীৰ পোনা-মাছ খাব পৰা সকলো মাছ সম্পূৰ্ণকৈ তুলি পেলাব লাগে । এনে পুখুৰীত ১২ চে. মিটাৰ আকাৰৰ মাছৰ পোৱালি মেলিব লাগে । আদৰ্শ মীন-পালনৰ জৰিয়তেও মীন-পালন কৰিব পৰা যায় । মাছ জীওৱা পুখুৰী (Nursery Tank) সাধাৰণতে ৬ × ১২ × ২ মিটাৰ আকাৰৰ হোৱা উচিত । পুখুৰীৰ পানীৰ অগ্নতা গুচাই খাৰুৱা কৰিবৰ বাবে প্ৰতি একৰ পানীত অন্ততঃ দুই কুইণ্টল চূণ প্ৰয়োগ কৰিব লাগে । পোনা মেলাৰ এমাহ আগতে পুখুৰীত চূণ দিয়াৰ উপৰিও এসপ্তাহ আগতে তাত প্ৰতি একৰ পানীত ৯ কুইণ্টল কেঁচা গোবৰ দিব লাগে । তেতিয়া মাছৰ পোনাবোৰ সোনকালে বাঢ়ি আহিব পাৰে আৰু এইবোৰ সিহঁতৰ বাবে খাদ্যও হয় ।

মাছ পোহা পুখুৰী (Rearing Tank) আদৰ্শ মীন-পালনৰ আন এটা অংশ । এই পুখুৰীবোৰ চিৰস্থায়ী । ইয়াৰ আকৃতি সাধাৰণতে ৩০ × ২০ × ২ মিটাৰ হ'ব লাগে । ইয়াত ১৭/১৮ চে.মি. আকাৰৰ পোনাবোৰ মেলিব লাগে । ইয়াত মাছৰ আকৃতি যেতিয়া ২৫/৩০ চে.মি. আকাৰৰ হয়, তেতিয়া মাছ ৰখা পুখুৰীলৈ স্থানান্তৰ কৰিব লাগে ।

তলৰ বাক্যকেইটিৰ শুদ্ধাশুদ্ধ বিচাৰ কৰা -

- মাছে আমাৰ খাদ্যক পৰিপুষ্ট কৰে ।
- মাছত সকলো প্ৰকাৰৰ প্ৰ'টিন আৰু ভিটামিন থাকে ।

- (1) a আৰু b দুয়োটাই শুদ্ধ
- (2) a অশুদ্ধ b শুদ্ধ
- (3) a শুদ্ধ b অশুদ্ধ
- (4) a আৰু b দুয়োটাই অশুদ্ধ

[Question ID = 571][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_101_ASSAMESE_Q121]

1. [Option ID = 2281]
2. [Option ID = 2282]
3. [Option ID = 2283]
4. [Option ID = 2284]

2) **নিৰ্দেশ :** তলত উল্লেখ কৰা ৰচনাখণ্ড মনোযোগেৰে পঢ়ি তাৰ পৰা দিয়া প্ৰশ্ন ৰ

বিকল্পসমূহৰ মাজৰ পৰা শুদ্ধ উত্তৰটা চিনাক্ত কৰা ।

সমতাপূৰ্ণ আৰু পৰিপুষ্ট আহাৰৰ বাবে মাছ আমাৰ অতি আৱশ্যকীয় খাদ্য । স্বাস্থ্যৰ বাবে আৱশ্যকীয় প্ৰ’টিন ইয়াত পোৱা যায়; যিহেতু ইয়াত ভিটামিন ‘এ’ আৰু ‘ডি’ থকাৰ উপৰিও ‘কেলচিয়াম’ আৰু ‘ফচফৰাচ’ থাকে । কেইবছৰমান আগলৈকে অসমত মাছ উভেনদী আছিল । ইয়াৰ পথাৰ, নৈ-নলা, হোলা-ডোবা, খাল-বিল সকলোতে যথেষ্ট মাছ থকাৰ বাবে মানুহে নিজে মাৰি তথবা কম মূল্যত কিনি খাব পাৰিছিল । সময় বাগৰিল । এফালে জনসংখ্যা যিদৰে বাঢ়িল, আনফালে বিল, খাল, ডোবা-হোলা আদিও কমি আহিল; যিবাবে নৈ-নলা বা বিল আছে, তাতো মাছৰ সংখ্যা কমি আহিল । অদূৰ ভবিষ্যতে যে আৰু কমি যাব তাক থিৰাংকৈ ক’ব পৰা যায় । সেয়ে আজি পৃথিৱীৰ আন আন দেশৰ দৰে আমিও মীন-পালন ব্যৱস্থা হাতত লোৱাৰ আৱশ্যক হৈ পৰিছে । মীন-পালনৰ যোগেদি এফালে যিদৰে এইবিধ প্ৰ’টিনযুক্ত খাদ্যৰপৰা মানুহে বঞ্চিত নহ’ব, আনহাতে ইয়াক ব্যৱসায়িক ভিত্তিত ল’লে অৰ্থ উপাৰ্জনৰ বাটো মুকলি হ’ব । এতিয়া আমাৰ প্ৰশ্ন হ’ল কেনেকৈ মীন-পালন কৰিব পাৰোঁ ।

আমাৰ ঘৰৰ ওচৰে-পাঁজৰে থকা পুখুৰীবোৰত সহজতে অলপ যত্ন আৰু চেষ্টা কৰিলে মীন-পালনৰ কাম হাতত ল’ব পৰা যায়; কিয়নো অসমীয়া মানুহৰ ঘৰত প্ৰায়ে ডাঙৰ-সৰু একোটা পুখুৰী থাকেই । সেই পুখুৰীটোৰ পানীখিনি প্ৰথমে সিঁচি উলিয়াই পেলাব লাগে । তাৰ পিছত তাত হাল বাই পুখুৰীৰ তলিখন চহাই পেলাব লাগে । যদি পানী সিঁচি হাল বোৱাৰ অসুবিধা হয়, তেন্তে জাল মাৰি তাত থকা আগৰ সকলো মাছ-কাছ আৰু মাছ-খোৱা পোক-পৰুৱাবোৰ তুলিব লাগে । পুখুৰীটোৰ বন-বাত পৰিষ্কাৰ কৰি পেলাব লাগে; কাৰণ পৰিষ্কাৰ পুখুৰীৰ ভিতৰলৈ অক্সিজেন আৰু সূৰ্যৰ পোহৰ সোমাই মাছ জীয়াই থকাত আৰু মাছ সোনকালে ডাঙৰ হোৱাত সহায় কৰে । পুখুৰীৰ পোনা-মাছ খাব পৰা সকলো মাছ সম্পূৰ্ণকৈ তুলি পেলাব লাগে । এনে পুখুৰীত ১২ চে. মিটাৰ আকাৰৰ মাছৰ পোৱালি মেলিব লাগে ।

আদৰ্শ মীন-পামৰ জৰিয়তেও মীন-পালন কৰিব পৰা যায় । মাছ জীওৱা পুখুৰী (Nursery Tank) সাধাৰণতে ৬ × ১২ × ২ মিটাৰ আকাৰৰ হোৱা উচিত । পুখুৰীৰ পানীৰ অগ্নতা গুচাই খাৰুৱা কৰিবৰ বাবে প্ৰতি একৰ পানীত অন্ততঃ দুই কুইণ্টল চূণ প্ৰয়োগ কৰিব লাগে । পোনা মেলাৰ এমাহ আগতে পুখুৰীত চূণ দিয়াৰ উপৰিও এসপ্তাহ আগতে তাত প্ৰতি একৰ পানীত ৯ কুইণ্টল কেঁচা গোবৰ দিব লাগে । তেতিয়া মাছৰ পোনাবোৰ সোনকালে বাঢ়ি আহিব পাৰে আৰু এইবোৰ সিহঁতৰ বাবে খাদ্যও হয় ।

মাছ পোহা পুখুৰী (Rearing Tank) আদৰ্শ মীন-পালনৰ আন এটা অংশ । এই পুখুৰীবোৰ চিৰস্থায়ী । ইয়াৰ আকৃতি সাধাৰণতে ৩০ × ২০ × ২ মিটাৰ হ’ব লাগে । ইয়াত ১৭/১৮ চে.মি. আকাৰৰ পোনাবোৰ মেলিব লাগে । ইয়াত মাছৰ আকৃতি যেতিয়া ২৫/৩০ চে.মি. আকাৰৰ হয়, তেতিয়া মাছ ৰখা পুখুৰীলৈ স্থানান্তৰ কৰিব লাগে ।

মাছৰ স্বাভাৱিক বংশবৃদ্ধি হ্ৰাস পাইছে । কাৰণ -

- (1) ফিচাৰীৰ সংখ্যা বাঢ়িছে
- (2) স্বাভাৱিক আশ্ৰয় হাল যেনে বিল, ডোবা আদিবোৰ নাইকিয়া হৈ আহিছে
- (3) প্ৰদূষণ বাঢ়িছে
- (4) মানুহে বেছিকৈ মাছ খাবলৈ লৈছে

[Question ID = 572][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_101_ASSAMESE_Q122]

1. 1 [Option ID = 2285]
2. 2 [Option ID = 2286]
3. 3 [Option ID = 2287]
4. 4 [Option ID = 2288]

3) **নিৰ্দেশ :** তলত উল্লেখ কৰা ৰচনাখণ্ড মনোযোগেৰে পঢ়ি তাৰ পৰা দিয়া প্ৰশ্ন ৰ বিকল্পসমূহৰ মাজৰ পৰা শুদ্ধ উত্তৰটো চিনাক্ত কৰা ।

সমতাপূৰ্ণ আৰু পৰিপুষ্ট আহাৰৰ বাবে মাছ আমাৰ অতি আৱশ্যকীয় খাদ্য । স্বাস্থ্যৰ বাবে আৱশ্যকীয় প্ৰ’টিন ইয়াত পোৱা যায়; যিহেতু ইয়াত ভিটামিন ‘এ’ আৰু ‘ডি’ থকাৰ উপৰিও ‘কেলচিয়াম’ আৰু ‘ফ’চফ’ৰাচ’ থাকে । কেইবছৰমান আগলৈকে অসমত মাছ উভেনদী আছিল । ইয়াৰ পথাৰ, নৈ-নলা, হোলা-ডোবা, খাল-বিল সকলোতে যথেষ্ট মাছ থকাৰ বাবে মানুহে নিজে মাৰি অথবা কম মূল্যত কিনি খাব পাৰিছিল । সময় বাগৰিল । এফালে জনসংখ্যা যিদৰে বাঢ়িল, আনফালে বিল, খাল, ডোবা-হোলা আদিও কমি আহিল; যিবাবে নৈ-নলা বা বিল আছে, তাতো মাছৰ সংখ্যা কমি আহিল । অদূৰ ভবিষ্যতে যে আৰু কমি যাব তাক থিৰাংকৈ ক’ব পৰা যায় । সেয়ে আজি পৃথিৱীৰ আন আন দেশৰ দৰে আমিও মীন-পালন ব্যৱস্থা হাতত লোৱাৰ আৱশ্যক হৈ পৰিছে । মীন-পালনৰ যোগেদি এফালে যিদৰে এইবিধ প্ৰ’টিনযুক্ত খাদ্যৰপৰা মানুহে বঞ্চিত নহ’ব, আনহাতে ইয়াক ব্যৱসায়িক ভিত্তিত ল’লে অৰ্থ উপাৰ্জনৰ বাটো মুকলি হ’ব । এতিয়া আমাৰ প্ৰশ্ন হ’ল কেনেকৈ মীন-পালন কৰিব পাৰোঁ ।

আমাৰ ঘৰৰ ওচৰে-পাঁজৰে থকা পুখুৰীবোৰত সহজতে অলপ যত্ন আৰু চেষ্টা কৰিলে মীন-পালনৰ কাম হাতত ল’ব পৰা যায়; কিয়নো অসমীয়া মানুহৰ ঘৰত প্ৰায়ে ডাঙৰ-সৰু একোটা পুখুৰী থাকেই । সেই পুখুৰীটোৰ পানীখিনি প্ৰথমে সিঁচি উলিয়াই পেলাব লাগে । তাৰ পিছত তাত হাল বাই পুখুৰীৰ তলিখন চহাই পেলাব লাগে । যদি পানী সিঁচি হাল বোৱাৰ অসুবিধা হয়, তেন্তে জাল মাৰি তাত থকা আগৰ সকলো মাছ-কাছ আৰু মাছ-খোৱা পোক-পৰুৱাবোৰ তুলিব লাগে । পুখুৰীটোৰ বন-বাত পৰিষ্কাৰ কৰি পেলাব লাগে; কাৰণ পৰিষ্কাৰ পুখুৰীৰ ভিতৰলৈ অক্সিজেন আৰু সূৰ্যৰ পোহৰ সোমাই মাছ জীয়াই থকাত আৰু মাছ সোনকালে ডাঙৰ হোৱাত সহায় কৰে । পুখুৰীৰ পোনা-মাছ খাব পৰা সকলো মাছ সম্পূৰ্ণকৈ তুলি পেলাব লাগে । এনে পুখুৰীত ১২ চে. মিটাৰ আকাৰৰ মাছৰ পোৱালি মেলিব লাগে ।

আদৰ্শ মীন-পালনৰ জৰিয়তেও মীন-পালন কৰিব পৰা যায় । মাছ জীওৱা পুখুৰী

(Nursery Tank) সাধাৰণতে ৬ × ১২ × ২ মিটাৰ আকাৰৰ হোৱা উচিত । পুখুৰীৰ পানীৰ অলপতা গুচাই থাৰুৱা কৰিবৰ বাবে প্ৰতি একৰ পানীত অন্ততঃ দুই কুইণ্টল চুণ প্ৰয়োগ কৰিব লাগে । পোনা মেলাৰ এমাহ আগতে পুখুৰীত চুণ দিয়াৰ উপৰিও এসপ্তাহ আগতে তাত প্ৰতি একৰ পানীত ৯ কুইণ্টল কেঁচা গোবৰ দিব লাগে । তেতিয়া মাছৰ পোনাবোৰ সোনকালে বাঢ়ি আহিব পাৰে আৰু এইবোৰ সিহঁতৰ বাবে খাদ্যও হয় ।

মাছ পোহা পুখুৰী (Rearing Tank) আদৰ্শ মীন-পালনৰ আন এটা অংশ । এই পুখুৰীবোৰ চিৰস্থায়ী । ইয়াৰ আকৃতি সাধাৰণতে ৩০ × ২০ × ২ মিটাৰ হ'ব লাগে । ইয়াত ১৭/১৮ চে.মি. আকাৰৰ পোনাবোৰ মেলিব লাগে । ইয়াত মাছৰ আকৃতি যেতিয়া ২৫/৩০ চে.মি. আকাৰৰ হয়, তেতিয়া মাছ ৰখা পুখুৰীলৈ স্থানান্তৰ কৰিব লাগে ।

পৰিৱৰ্তিত পৰিস্থিতিত মানুহ যাতে প্ৰ'টিনযুক্ত খাদ্যৰ পৰা বঞ্চিত নহয়, তাৰ বাবে

(1) মানুহে খেতি কৰিব লাগিব

(2) খাল-বিল আদিবোৰ মাছৰ বিবৰণ স্থলী হৈ থাকিব পৰাকৈ সম্পূৰ্ণ অক্ষত ৰূপত ৰাখিব লাগিব

(3) মীন-পালন কৰিব লাগিব

(4) পুখুৰী খান্দিব লাগিব

[Question ID = 573][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_101_ASSAMESE_Q123]

1. 1 [Option ID = 2289]
2. 2 [Option ID = 2290]
3. 3 [Option ID = 2291]
4. 4 [Option ID = 2292]

4) **নিৰ্দেশ :** তলত উল্লেখ কৰা ৰচনাখণ্ড মনোযোগেৰে পঢ়ি তাৰ পৰা দিয়া প্ৰশ্ন ৰ বিকল্পসমূহৰ মাজৰ পৰা শুদ্ধ উত্তৰটো চিনাক্ত কৰাঁ ।

সমতাপূৰ্ণ আৰু পৰিপুষ্ট আহাৰৰ বাবে মাছ আমাৰ অতি আৱশ্যকীয় খাদ্য । স্বাস্থ্যৰ বাবে আৱশ্যকীয় প্ৰ'টিন ইয়াত পোৱা যায়; যিহেতু ইয়াত ভিটামিন 'এ' আৰু 'ডি' থকাৰ উপৰিও 'কেলচিয়াম' আৰু 'ফ'চফ'ৰাচ' থাকে । কেইবছৰমান আগলৈকে অসমত মাছ উভেনদী আছিল । ইয়াৰ পথাৰ, নৈ-নলা, হোলা-ডোবা, খাল-বিল সকলোতে যথেষ্ট মাছ থকাৰ বাবে মানুহে নিজে মাৰি অথবা কম মূল্যত কিনি খাব পাৰিছিল । সময় বাগৰিল । এফালে জনসংখ্যা যিদৰে বাঢ়িল, আনফালে বিল, খাল, ডোবা-হোলা আদিও কমি আহিল; যিবাবে নৈ-নলা বা বিল আছে, তাতো মাছৰ সংখ্যা কমি আহিল । অদূৰ ভবিষ্যতে যে আৰু কমি যাব তাক থিৰাংকৈ ক'ব পৰা যায় । সেয়ে আজি পুখুৰীৰ আন আন দেশৰ দৰে আমিও মীন-পালন ব্যৱস্থা হাতত লোৱাৰ আৱশ্যক হৈ পৰিছে । মীন-পালনৰ যোগেদি এফালে যিদৰে এইবিধ প্ৰ'টিনযুক্ত খাদ্যৰপৰা মানুহে বঞ্চিত নহ'ব, আনহাতে ইয়াক ব্যৱসায়িক ভিত্তিত

ল'লে অথ ডপাৰ্জনৰ বাটো মুকাল হ'ব । এতয়া আমাৰ প্ৰশ্ন হ'ল কেনেকে মীন-পালন কৰিব পাৰোঁ ।

আমাৰ ঘৰৰ ওচৰে-পাঁজৰে থকা পুখুৰীবোৰত সহজতে অলপ যত্ন আৰু চেষ্টা কৰিলে মীন-পালনৰ কাম হাতত ল'ব পৰা যায়; কিয়নো অসমীয়া মানুহৰ ঘৰত প্ৰায়ে ডাঙৰ-সৰু একোটা পুখুৰী থাকেই । সেই পুখুৰীটোৰ পানীখিনি প্ৰথমে সিঁচি উলিয়াই পেলাব লাগে । তাৰ পিছত তাত হাল বাই পুখুৰীৰ তলিখন চহাই পেলাব লাগে । যদি পানী সিঁচি হাল বোৱাৰ অসুবিধা হয়, তেন্তে জাল মাৰি তাত থকা আগৰ সকলো মাছ-কাছ আৰু মাছ-খোৱা পোক-পৰুৱাবোৰ তুলিব লাগে । পুখুৰীটোৰ বন-বাত পৰিষ্কাৰ কৰি পেলাব লাগে; কাৰণ পৰিষ্কাৰ পুখুৰীৰ ভিতৰলৈ অক্সিজেন আৰু সূৰ্যৰ পোহৰ সোমাই মাছ জীয়াই থকাত আৰু মাছ সোনকালে ডাঙৰ হোৱাত সহায় কৰে । পুখুৰীৰ পোনা-মাছ খাব পৰা সকলো মাছ সম্পূৰ্ণকৈ তুলি পেলাব লাগে । এনে পুখুৰীত ১২ চে. মিটাৰ আকাৰৰ মাছৰ পোৱালি মেলিব লাগে ।

আদৰ্শ মীন-পামৰ জৰিয়তেও মীন-পালন কৰিব পৰা যায় । মাছ জীওৱা পুখুৰী (Nursery Tank) সাধাৰণতে ৬ × ১২ × ২ মিটাৰ আকাৰৰ হোৱা উচিত । পুখুৰীৰ পানীৰ অগ্ৰতা গুচাই খাৰুৱা কৰিবৰ বাবে প্ৰতি একৰ পানীত অন্ততঃ দুই কুইণ্টল চূণ প্ৰয়োগ কৰিব লাগে । পোনা মেলাৰ এমাহ আগতে পুখুৰীত চূণ দিয়াৰ উপৰিও এসপ্তাহ আগতে তাত প্ৰতি একৰ পানীত ৯ কুইণ্টল কেঁচা গোবৰ দিব লাগে । তেতিয়া মাছৰ পোনাবোৰ সোনকালে বাঢ়ি আহিব পাৰে আৰু এইবোৰ সিহঁতৰ বাবে খাদ্যও হয় ।

মাছ পোহা পুখুৰী (Rearing Tank) আদৰ্শ মীন-পালনৰ আন এটা অংশ । এই পুখুৰীবোৰ চিৰস্থায়ী । ইয়াৰ আকৃতি সাধাৰণতে ৩০ × ২০ × ২ মিটাৰ হ'ব লাগে । ইয়াত ১৭/১৮ চে.মি. আকাৰৰ পোনাবোৰ মেলিব লাগে । ইয়াত মাছৰ আকৃতি যেতিয়া ২৫/৩০ চে.মি. আকাৰৰ হয়, তেতিয়া মাছ ৰখা পুখুৰীলৈ স্থানান্তৰ কৰিব লাগে ।

পুৰনি পুখুৰীত মাছ পুহিবলৈ হ'লে কিয় পুখুৰীটো সম্পূৰ্ণকৈ চাফা কৰি ল'ব লাগে ?

(1) পুখুৰীৰ তলিখনত হাল বাবলৈ

(2) পূৰ্বতে থকা মাছ-কাছ, পোক-পৰুৱা আদি উঠাই পেলাবলৈ

(3) পুখুৰী পৰিষ্কাৰ হলেহে গভীৰলৈকে অক্সিজেন আৰু সূৰ্যৰ পোহৰ সোমাই মাছ সোনকালে ডাঙৰ হোৱাত সহায় কৰিব

(4) আদৰ্শ মীন পাম স্থাপনৰ বাবে এই নীতি অৱলম্বন কৰাটো বিধিৰুদ্ধ কথা

[Question ID = 574][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_101_ASSAMESE_Q124]

- 1 [Option ID = 2293]
- 2 [Option ID = 2294]
- 3 [Option ID = 2295]
- 4 [Option ID = 2296]

5) **নিৰ্দেশ :** তলত উল্লেখ কৰা ৰচনাখণ্ড মনোযোগেৰে পঢ়ি তাৰ পৰা দিয়া প্ৰশ্ন ৰ
বিকল্পসমূহৰ মাজৰ পৰা শুদ্ধ উত্তৰটো চিনাক্ত কৰা ।

সমতাপূৰ্ণ আৰু পৰিপুষ্ট আহাৰৰ বাবে মাছ আমাৰ অতি আৱশ্যকীয় খাদ্য । স্বাস্থ্যৰ বাবে আৱশ্যকীয় প্ৰ’টিন ইয়াত পোৱা যায়; যিহেতু ইয়াত ভিটামিন ‘এ’ আৰু ‘ডি’ থকাৰ উপৰিও ‘কেলচিয়াম’ আৰু ‘ফচফৰাচ’ থাকে । কেইবছৰমান আগলৈকে অসমত মাছ উভেনদী আছিল । ইয়াৰ পথাৰ, নৈ-নলা, হোলা-ডোবা, খাল-বিল সকলোতে যথেষ্ট মাছ থকাৰ বাবে মানুহে নিজে মাৰি অথবা কম মূল্যত কিনি খাব পাৰিছিল । সময় বাগৰিল । এফালে জনসংখ্যা যিদৰে বাঢ়িল, আনফালে বিল, খাল, ডোবা-হোলা আদিও কমি আহিল; যিবাবে নৈ-নলা বা বিল আছে, তাতো মাছৰ সংখ্যা কমি আহিল । অদূৰ ভবিষ্যতে যে আৰু কমি যাব তাক থিৰাংকৈ ক’ব পৰা যায় । সেয়ে আজি পৃথিৱীৰ আন আন দেশৰ দৰে আমিও মীন-পালন ব্যৱস্থা হাতত লোৱাৰ আৱশ্যক হৈ পৰিছে । মীন-পালনৰ যোগেদি এফালে যিদৰে এইবিধ প্ৰ’টিনযুক্ত খাদ্যৰপৰা মানুহে বঞ্চিত নহ’ব, আনহাতে ইয়াক ব্যৱসায়িক ভিত্তিত ল’লে অৰ্থ উপাৰ্জনৰ বাটো মুকলি হ’ব । এতিয়া আমাৰ প্ৰশ্ন হ’ল কেনেকৈ মীন-পালন কৰিব পাৰোঁ ।

আমাৰ ঘৰৰ ওচৰে-পাঁজৰে থকা পুখুৰীবোৰত সহজতে অলপ যত্ন আৰু চেষ্টা কৰিলে মীন-পালনৰ কাম হাতত ল’ব পৰা যায়; কিয়নো অসমীয়া মানুহৰ ঘৰত প্ৰায়ে ডাঙৰ-সৰু একোটা পুখুৰী থাকেই । সেই পুখুৰীটোৰ পানীখিনি প্ৰথমে সিঁচি উলিয়াই পেলাব লাগে । তাৰ পিছত তাত হাল বাই পুখুৰীৰ তলিখন চহাই পেলাব লাগে । যদি পানী সিঁচি হাল বোৱাৰ অসুবিধা হয়, তেন্তে জাল মাৰি তাত থকা আগৰ সকলো মাছ-কাছ আৰু মাছ-খোৱা পোক-পৰুৱাবোৰ তুলিব লাগে । পুখুৰীটোৰ বন-বাত পৰিষ্কাৰ কৰি পেলাব লাগে; কাৰণ পৰিষ্কাৰ পুখুৰীৰ ভিতৰলৈ অক্সিজেন আৰু সূৰ্যৰ পোহৰ সোমাই মাছ জীয়াই থকাত আৰু মাছ সোনকালে ডাঙৰ হোৱাত সহায় কৰে । পুখুৰীৰ পোনা-মাছ খাব পৰা সকলো মাছ সম্পূৰ্ণকৈ তুলি পেলাব লাগে । এনে পুখুৰীত ১২ চে. মিটাৰ আকাৰৰ মাছৰ পোৱালি মেলিব লাগে ।

আদৰ্শ মীন-পামৰ জৰিয়তেও মীন-পালন কৰিব পৰা যায় । মাছ জীওৱা পুখুৰী (Nursery Tank) সাধাৰণতে ৬ × ১২ × ২ মিটাৰ আকাৰৰ হোৱা উচিত । পুখুৰীৰ পানীৰ অগ্নতা গুচাই খাবুৱা কৰিবৰ বাবে প্ৰতি একৰ পানীত অন্ততঃ দুই কুইণ্টল চূণ প্ৰয়োগ কৰিব লাগে । পোনা মেলাৰ এমাহ আগতে পুখুৰীত চূণ দিয়াৰ উপৰিও এসপ্তাহ আগতে তাত প্ৰতি একৰ পানীত ৯ কুইণ্টল কেঁচা গোবৰ দিব লাগে । তেতিয়া মাছৰ পোনাবোৰ সোনকালে বাঢ়ি আহিব পাৰে আৰু এইবোৰ সিহঁতৰ বাবে খাদ্যও হয় ।

মাছ পোহা পুখুৰী (Rearing Tank) আদৰ্শ মীন-পালনৰ আন এটা অংশ । এই পুখুৰীবোৰ চিৰস্থায়ী । ইয়াৰ আকৃতি সাধাৰণতে ৩০ × ২০ × ২ মিটাৰ হ’ব লাগে । ইয়াত ১৭/১৮ চে.মি. আকাৰৰ পোনাবোৰ মেলিব লাগে । ইয়াত মাছৰ আকৃতি যেতিয়া ২৫/৩০ চে.মি. আকাৰৰ হয়, তেতিয়া মাছ ৰখা পুখুৰীলৈ স্থানান্তৰ কৰিব লাগে ।

“তাৰ পিছত তাত হাল বাই পুখুৰীৰ তলিখন চহাই পেলাব লাগে ।” – ইয়াত ‘হাল বাই’ এটা –

(1) অসমাপিকা ক্ৰিয়া

(2) সমাপিকা ক্ৰিয়া

(3) ক্ৰিয়া বিশেষণ

(4) নাম ধাতু

[Question ID = 575][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_101_ASSAMESE_Q125]

1. 1 [Option ID = 2297]

2. 2 [Option ID = 2298]

3. 3 [Option ID = 2299]

4. 4 [Option ID = 2300]

6) **নিৰ্দেশ :** তলত উল্লেখ কৰা ৰচনাখণ্ড মনোযোগেৰে পঢ়ি তাৰ পৰা দিয়া প্ৰশ্ন ৰ বিকল্পসমূহৰ মাজৰ পৰা শুদ্ধ উত্তৰটো চিনাক্ত কৰাঁ ।

সমতাপূৰ্ণ আৰু পৰিপুষ্ট আহাৰৰ বাবে মাছ আমাৰ অতি আৱশ্যকীয় খাদ্য । স্বাস্থ্যৰ বাবে আৱশ্যকীয় প্ৰ’টিন ইয়াত পোৱা যায়; যিহেতু ইয়াত ভিটামিন ‘এ’ আৰু ‘ডি’ থকাৰ উপৰিও ‘কেলচিয়াম’ আৰু ‘ফচফৰাচ’ থাকে । কেইবছৰমান আগলৈকে অসমত মাছ উভেনদী আছিল । ইয়াৰ পথাৰ, নৈ-নলা, হোলা-ডোবা, খাল-বিল সকলোতে যথেষ্ট মাছ থকাৰ বাবে মানুহে নিজে মাৰি তথবা কম মূল্যত কিনি খাব পাৰিছিল । সময় বাগৰিল । এফালে জনসংখ্যা যিদৰে বাঢ়িল, আনফালে বিল, খাল, ডোবা-হোলা আদিও কমি আহিল; যিবাবে নৈ-নলা বা বিল আছে, তাতো মাছৰ সংখ্যা কমি আহিল । অদূৰ ভবিষ্যতে যে আৰু কমি যাব তাক থিৰাংকৈ ক’ব পৰা যায় । সেয়ে আজি পুখুৰীৰ আন আন দেশৰ দৰে আমিও মীন-পালন ব্যৱস্থা হাতত লোৱাৰ আৱশ্যক হৈ পৰিছে । মীন-পালনৰ যোগেদি এফালে যিদৰে এইবিধ প্ৰ’টিনযুক্ত খাদ্যৰপৰা মানুহে বঞ্চিত নহ’ব, আনহাতে ইয়াক ব্যৱসায়িক ভিত্তিত ল’লে অৰ্থ উপাৰ্জনৰ বাটো মুকলি হ’ব । এতিয়া আমাৰ প্ৰশ্ন হ’ল কেনেকৈ মীন-পালন কৰিব পাৰোঁ ।

আমাৰ ঘৰৰ ওচৰে-পাঁজৰে থকা পুখুৰীবোৰত সহজতে অলপ যত্ন আৰু চেষ্টা কৰিলে মীন-পালনৰ কাম হাতত ল’ব পৰা যায়; কিয়নো অসমীয়া মানুহৰ ঘৰত প্ৰায়ে ডাঙৰ-সৰু একোটা পুখুৰী থাকেই । সেই পুখুৰীটোৰ পানীখিনি প্ৰথমে সিঁচি উলিয়াই পেলাব লাগে । তাৰ পিছত তাত হাল বাই পুখুৰীৰ তলিখন চহাই পেলাব লাগে । যদি পানী সিঁচি হাল বোৱাৰ অসুবিধা হয়, তেন্তে জাল মাৰি তাত থকা আগৰ সকলো মাছ-কাছ আৰু মাছ-খোৱা পোক-পৰুৱাবোৰ তুলিব লাগে । পুখুৰীটোৰ বন-বাত পৰিষ্কাৰ কৰি পেলাব লাগে; কাৰণ পৰিষ্কাৰ পুখুৰীৰ ভিতৰলৈ অক্সিজেন আৰু সূৰ্যৰ পোহৰ সোমাই মাছ জীয়াই থকাত আৰু মাছ সোনকালে ডাঙৰ হোৱাত সহায় কৰে । পুখুৰীৰ পোনা-মাছ খাব পৰা সকলো মাছ সম্পূৰ্ণকৈ তুলি পেলাব লাগে । এনে পুখুৰীত ১২ চে. মিটাৰ আকাৰৰ মাছৰ পোৱালি মেলিব লাগে ।

আদৰ্শ মান-পালনৰ জাৰয়তেও মান-পালন কাৰ্য পৰা যায় । মাছ জাওৱা পুখুৰী (Nursery Tank) সাধাৰণতে ৬ × ১২ × ২ মিটাৰ আকাৰৰ হোৱা উচিত । পুখুৰীৰ পানীৰ অগ্ৰতা গুচাই থাৰুৱা কৰিবৰ বাবে প্ৰতি একৰ পানীত অন্ততঃ দুই কুইণ্টল চূণ প্ৰয়োগ কৰিব লাগে । পোনা মেলাৰ এমাহ আগতে পুখুৰীত চূণ দিয়াৰ উপৰিও এসপ্তাহ আগতে তাত প্ৰতি একৰ পানীত ৯ কুইণ্টল কেঁচা গোবৰ দিব লাগে । তেতিয়া মাছৰ পোনাবোৰ সোনকালে বাঢ়ি আহিব পাৰে আৰু এইবোৰ সিহঁতৰ বাবে খাদ্যও হয় ।

মাছ পোহা পুখুৰী (Rearing Tank) আদৰ্শ মীন-পালনৰ আন এটা অংশ । এই পুখুৰীবোৰ চিৰস্থায়ী । ইয়াৰ আকৃতি সাধাৰণতে ৩০ × ২০ × ২ মিটাৰ হ'ব লাগে । ইয়াত ১৭/১৮ চে.মি. আকাৰৰ পোনাবোৰ মেলিব লাগে । ইয়াত মাছৰ আকৃতি যেতিয়া ২৫/৩০ চে.মি. আকাৰৰ হয়, তেতিয়া মাছ ৰখা পুখুৰীলৈ স্থানান্তৰ কৰিব লাগে ।

পুৰনি পুখুৰীত মেলিব লগীয়া পোনাৰ আকাৰ হ'ব লাগে –

- (1) ১৭ ছে.মি.
- (2) ১৮ ছে.মি.
- (3) ১২ ছে.মি.
- (4) ১৭/১৮ ছে.মি.

[Question ID = 576][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_101_ASSAMESE_Q126]

1. 1 [Option ID = 2301]
2. 2 [Option ID = 2302]
3. 3 [Option ID = 2303]
4. 4 [Option ID = 2304]

7) **নিৰ্দেশ :** তলত উল্লেখ কৰা ৰচনাখণ্ড মনোযোগেৰে পঢ়ি তাৰ পৰা দিয়া প্ৰশ্ন ৰ বিকল্পসমূহৰ মাজৰ পৰা শুদ্ধ উত্তৰটো চিনাক্ত কৰা ।

সমতাপূৰ্ণ আৰু পৰিপুষ্ট আহাৰৰ বাবে মাছ আমাৰ অতি আৱশ্যকীয় খাদ্য । স্বাস্থ্যৰ বাবে আৱশ্যকীয় প্ৰ'টিন ইয়াত পোৱা যায়; যিহেতু ইয়াত ভিটামিন 'এ' আৰু 'ডি' থকাৰ উপৰিও 'কেলচিয়াম' আৰু 'ফ'চ'ফ'ৰাচ' থাকে । কেইবছৰমান আগলৈকে অসমত মাছ উভেনদী আছিল । ইয়াৰ পথাৰ, নৈ-নলা, হোলা-ডোবা, খাল-বিল সকলোতে যথেষ্ট মাছ থকাৰ বাবে মানুহে নিজে মাৰি অথবা কম মূল্যত কিনি খাব পাৰিছিল । সময় বাগৰিল । এফালে জনসংখ্যা যিদৰে বাঢ়িল, আনফালে বিল, খাল, ডোবা-হোলা আদিও কমি আহিল; যিবাবে নৈ-নলা বা বিল আছে, তাতো মাছৰ সংখ্যা কমি আহিল । অদূৰ ভবিষ্যতে যে আৰু কমি যাব তাক থিৰাংকৈ ক'ব পৰা যায় । সেয়ে আজি পৃথিৱীৰ আন আন দেশৰ দৰে আমিও মীন-পালন ব্যৱস্থা হাতত লোৱাৰ আৱশ্যক হৈ পৰিছে । মীন-পালনৰ যোগেদি এফালে যিদৰে এইবিধ প্ৰ'টিনযুক্ত খাদ্যৰপৰা মানুহে বঞ্চিত নহ'ব, আনহাতে ইয়াক ব্যৱসায়িক ভিত্তিত ল'লে অৰ্থ উপাৰ্জনৰ বাটো মুকলি হ'ব । এতিয়া আমাৰ প্ৰশ্ন হ'ল কেনেকৈ

আমাৰ ঘৰৰ ওচৰে-পাঁজৰে থকা পুখুৰীবোৰত সহজতে অলপ যত্ন আৰু চেষ্টা কৰিলে মীন-পালনৰ কাম হাতত ল'ব পৰা যায়; কিয়নো অসমীয়া মানুহৰ ঘৰত প্ৰায়ে ডাঙৰ-সৰু একোটা পুখুৰী থাকেই । সেই পুখুৰীটোৰ পানীখিনি প্ৰথমে সিঁচি উলিয়াই পেলাব লাগে । তাৰ পিছত তাত হাল বাই পুখুৰীৰ তলিখন চহাই পেলাব লাগে । যদি পানী সিঁচি হাল বোৱাৰ অসুবিধা হয়, তেন্তে জাল মাৰি তাত থকা আগৰ সকলো মাছ-কাছ আৰু মাছ-খোৱা পোক-পৰুৱাবোৰ তুলিব লাগে । পুখুৰীটোৰ বন-বাত পৰিষ্কাৰ কৰি পেলাব লাগে; কাৰণ পৰিষ্কাৰ পুখুৰীৰ ভিতৰলৈ অক্সিজেন আৰু সূৰ্যৰ পোহৰ সোমাই মাছ জীয়াই থকাত আৰু মাছ সোনকালে ডাঙৰ হোৱাত সহায় কৰে । পুখুৰীৰ পোনা-মাছ খাব পৰা সকলো মাছ সম্পূৰ্ণকৈ তুলি পেলাব লাগে । এনে পুখুৰীত ১২ চে. মিটাৰ আকাৰৰ মাছৰ পোৱালি মেলিব লাগে । আদৰ্শ মীন-পালন জৰিয়তেও মীন-পালন কৰিব পৰা যায় । মাছ জীওৱা পুখুৰী (Nursery Tank) সাধাৰণতে ৬ × ১২ × ২ মিটাৰ আকাৰৰ হোৱা উচিত । পুখুৰীৰ পানীৰ অগ্ৰতা গুচাই খাবুৱা কৰিবৰ বাবে প্ৰতি একৰ পানীত অন্ততঃ দুই কুইণ্টল চূণ প্ৰয়োগ কৰিব লাগে । পোনা মেলাৰ এমাহ আগতে পুখুৰীত চূণ দিয়াৰ উপৰিও এসপ্তাহ আগতে তাত প্ৰতি একৰ পানীত ৯ কুইণ্টল কেঁচা গোবৰ দিব লাগে । তেতিয়া মাছৰ পোনাবোৰ সোনকালে বাঢ়ি আহিব পাৰে আৰু এইবোৰ সিহঁতৰ বাবে খাদ্যও হয় ।

মাছ পোহা পুখুৰী (Rearing Tank) আদৰ্শ মীন-পালনৰ আন এটা অংশ । এই পুখুৰীবোৰ চিৰস্থায়ী । ইয়াৰ আকৃতি সাধাৰণতে ৩০ × ২০ × ২ মিটাৰ হ'ব লাগে । ইয়াত ১৭/১৮ চে.মি. আকাৰৰ পোনাবোৰ মেলিব লাগে । ইয়াত মাছৰ আকৃতি যেতিয়া ২৫/৩০ চে.মি. আকাৰৰ হয়, তেতিয়া মাছ ৰখা পুখুৰীলৈ স্থানান্তৰ কৰিব লাগে ।

পোনা মেলাৰ এসপ্তাহ আগতে প্ৰতি একৰ মাটিত দিব লগা কেঁচা গোবৰৰ পৰিমাণ –

- (1) ৬০০০ কিলোগ্ৰাম
- (2) ৬০০ কিলোগ্ৰাম
- (3) ৬৬০ কিলোগ্ৰাম
- (4) ৬০০০০ কিলোগ্ৰাম

[Question ID = 577][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_101_ASSAMESE_Q127]

1. 1 [Option ID = 2305]
2. 2 [Option ID = 2306]
3. 3 [Option ID = 2307]
4. 4 [Option ID = 2308]

8) **নিৰ্দেশ :** তলত উল্লেখ কৰা ৰচনাখণ্ড মনোযোগেৰে পঢ়ি তাৰ পৰা দিয়া প্ৰশ্ন ৰ বিকল্পসমূহৰ মাজৰ পৰা শুদ্ধ উত্তৰটো চিনাক্ত কৰা ।

সমতাপৰ্ণ আৰু পৰিপক্ক নোহোৱাৰ বাবে মাছ আমাৰ আনি আবশ্যকীয় খাদ্য । সাপ্তাহে

বাবে আৱশ্যকীয় প্ৰ'টিন ইয়াত পোৱা যায়; যিহেতু ইয়াত ভিটামিন 'এ' আৰু 'ডি' থকাৰ উপৰিও 'কেলচিয়াম' আৰু 'ফচফৰাচ' থাকে । কেইবছৰমান আগলৈকে অসমত মাছ উভেনদী আছিল । ইয়াৰ পথাৰ, নৈ-নলা, হোলা-ডোবা, খাল-বিল সকলোতে যথেষ্ট মাছ থকাৰ বাবে মানুহে নিজে মাৰি অথবা কম মূল্যত কিনি খাব পাৰিছিল । সময় বাগৰিল । এফালে জনসংখ্যা যিদৰে বাঢ়িল, আনফালে বিল, খাল, ডোবা-হোলা আদিও কমি আহিল; যিবাবে নৈ-নলা বা বিল আছে, তাতো মাছৰ সংখ্যা কমি আহিল । অদূৰ ভবিষ্যতে যে আৰু কমি যাব তাক থিৰাংকৈ ক'ব পৰা যায় । সেয়ে আজি পৃথিৱীৰ আন আন দেশৰ দৰে আমিও মীন-পালন ব্যৱস্থা হাতত লোৱাৰ আৱশ্যক হৈ পৰিছে । মীন-পালনৰ যোগেদি এফালে যিদৰে এইবিধ প্ৰ'টিনযুক্ত খাদ্যৰপৰা মানুহে বঞ্চিত নহ'ব, আনহাতে ইয়াক ব্যৱসায়িক ভিত্তিত ল'লে অৰ্থ উপাৰ্জনৰ বাটো মুকলি হ'ব । এতিয়া আমাৰ প্ৰশ্ন হ'ল কেনেকৈ মীন-পালন কৰিব পাৰোঁ ।

আমাৰ ঘৰৰ ওচৰে-পাঁজৰে থকা পুখুৰীবোৰত সহজতে অলপ যত্ন আৰু চেষ্টা কৰিলে মীন-পালনৰ কাম হাতত ল'ব পৰা যায়; কিয়নো অসমীয়া মানুহৰ ঘৰত প্ৰায়ে ডাঙৰ-সৰু একোটা পুখুৰী থাকেই । সেই পুখুৰীটোৰ পানীখিনি প্ৰথমে সিঁচি উলিয়াই পেলাব লাগে । তাৰ পিছত তাত হাল বাই পুখুৰীৰ তলিখন চহাই পেলাব লাগে । যদি পানী সিঁচি হাল বোৱাৰ অসুবিধা হয়, তেন্তে জাল মাৰি তাত থকা আগৰ সকলো মাছ-কাছ আৰু মাছ-খোৱা পোক-পৰুৱাবোৰ তুলিব লাগে । পুখুৰীটোৰ বন-বাত পৰিষ্কাৰ কৰি পেলাব লাগে; কাৰণ পৰিষ্কাৰ পুখুৰীৰ ভিতৰলৈ অক্সিজেন আৰু সূৰ্যৰ পোহৰ সোমাই মাছ জীয়াই থকাত আৰু মাছ সোনকালে ডাঙৰ হোৱাত সহায় কৰে । পুখুৰীৰ পোনা-মাছ খাব পৰা সকলো মাছ সম্পূৰ্ণকৈ তুলি পেলাব লাগে । এনে পুখুৰীত ১২ চে. মিটাৰ আকাৰৰ মাছৰ পোৱালি মেলিব লাগে ।

আদৰ্শ মীন-পামৰ জৰিয়তেও মীন-পালন কৰিব পৰা যায় । মাছ জীওৱা পুখুৰী (Nursery Tank) সাধাৰণতে ৬ × ১২ × ২ মিটাৰ আকাৰৰ হোৱা উচিত । পুখুৰীৰ পানীৰ অগ্নতা গুচাই খাবুৱা কৰিবৰ বাবে প্ৰতি একৰ পানীত অন্ততঃ দুই কুইণ্টল চূণ প্ৰয়োগ কৰিব লাগে । পোনা মেলাৰ এমাহ আগতে পুখুৰীত চূণ দিয়াৰ উপৰিও এসপ্তাহ আগতে তাত প্ৰতি একৰ পানীত ৯ কুইণ্টল কেঁচা গোবৰ দিব লাগে । তেতিয়া মাছৰ পোনাবোৰ সোনকালে বাঢ়ি আহিব পাৰে আৰু এইবোৰ সিহঁতৰ বাবে খাদ্যও হয় ।

মাছ পোহা পুখুৰী (Rearing Tank) আদৰ্শ মীন-পালনৰ আন এটা অংশ । এই পুখুৰীবোৰ চিৰস্থায়ী । ইয়াৰ আকৃতি সাধাৰণতে ৩০ × ২০ × ২ মিটাৰ হ'ব লাগে । ইয়াত ১৭/১৮ চে.মি. আকাৰৰ পোনাবোৰ মেলিব লাগে । ইয়াত মাছৰ আকৃতি যেতিয়া ২৫/৩০ চে.মি. আকাৰৰ হয়, তেতিয়া মাছ ৰখা পুখুৰীলৈ স্থানান্তৰ কৰিব লাগে ।

মাছ পোহা পুখুৰীত মাছৰ আকৃতি ২৫/৩০ ছে.মি. হ'লে ক'লে স্থানান্তৰ কৰিব

লাগে ?

- (1) মাছ ৰখা পুখুৰী
- (2) খাল বিল আদি
- (3) মাছ জিওৱা পুখুৰী
- (4) মীন পাম

[Question ID = 578][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_101_ASSAMESE_Q128]

1. 1 [Option ID = 2309]
2. 2 [Option ID = 2310]
3. 3 [Option ID = 2311]
4. 4 [Option ID = 2312]

Topic:- Assamese_Q129-135_L2_P1_CTET

1) **নিৰ্দেশ :** তলত উল্লেখ কৰা ৰচনাখণ্ড মনোযোগেৰে পঢ়ি তাৰ পৰা দিয়া প্ৰশ্ন ৰ বিকল্পসমূহৰ মাজৰ পৰা শুদ্ধ উত্তৰটো চিনাক্ত কৰাঁ।

জনস্বাস্থ্যৰ দিশৰ পৰা যুগসমূহক চাৰিটা ভাগত ভগাব পাৰি। প্ৰথম যুগ হ'ল 'নিৰ্মূলকৰণ'। এই যুগ ১৮০০ শতিকাৰ মধ্যভাগলৈ বুলি চিহ্নিত কৰা হয়। চাফ-চিকুণকৈ থাকিব পৰাটো আছিল এই যুগৰ মূল কথা। দ্বিতীয় হ'ল, যাক কোৱা হয় 'জৈৱিক যুগ', যি ১৮০০ শতিকাৰ শেষৰ পৰা ১৯৫০ চনমানলৈ গণ্য কৰা হয়। অণুজীৱী পৰজীৱী আদি বীজাণুৰ সংক্ৰমণ আছিল জনস্বাস্থ্যৰ প্ৰধান প্ৰত্যাহ্বান আৰু যাৰ ফলত ভয়ংকৰ মহামাৰী বেমাৰে বহুতো লোকৰ প্ৰাণনাশ কৰিছিল। বিজ্ঞানী লুই পেষ্টিউৰে (Lui-Pasteur) আৱিষ্কাৰ কৰিলে অণুজীৱ উপস্থিতি বেমাৰৰ কাৰণ আৰু যাৰ প্ৰতিৰোধৰ বাবে ১৯৫০ চনতে আৱিষ্কৃত হ'ল ছালফা দৰব, পেনিচিলিন আৰু পলিঅ' বেমাৰৰ ছিটা। তৃতীয়টো হ'ল, 'জীৱন-শৈলীৰ যুগ', যি আৰম্ভ হোৱা বুলি ক'ব পাৰি ১৯৭০ চনমানৰ পৰা, যাৰ বৈশিষ্ট্য হ'ল দীৰ্ঘম্যাদী অসংক্ৰামক ৰোগ, যেনে - মধুমেহ, উচ্চ ৰক্তচাপ আদি, যাৰ নিৰাময় সম্ভৱ নহয়। ইয়াৰ প্ৰতিৰোধৰূপে ধূমপান নকৰিবলৈ, লঘু খাদ্য গ্ৰহণ কৰিবলৈ, শাৰীৰিক ব্যায়াম কৰিবলৈ, হেলমেট পিন্ধিবলৈ, কনডম ব্যৱহাৰ কৰিবলৈ সকীয়াই দিয়া হৈছিল। আমি এতিয়া একৈশ শতিকাৰ চতুৰ্থ পৰ্যায়ত উপনীত হৈছোঁ, যিটো হ'ল প্ৰথম তিনিটা একত্ৰিত হৈ সৃষ্টি কৰা বিকৃত জিনৰ উৎপৰিৱৰ্তনে জন্ম দিয়া জটিল বেমাৰৰ যুগ, 'অতি-আধুনিক চিকিৎসা' বা পোষ্ট মডাৰ্ন মেডিচিন (post modern medicine)। কেপ্সাৰৰ কাৰণ ভিল্ল, চৰিত্ৰ বিচিত্ৰ; সেয়েহে কেপ্সাৰক বিসদৃশ বেমাৰ বা heterogenous বোলা হয়।

গতিকে ক'ব পাৰি মানুহৰ ইতিহাস কেপ্সাৰৰো ইতিহাস, ই হাতত হাত ধৰি বিৱৰ্তিত হৈ আজিৰ ৰূপত ভৰি খেছেহি। মানুহৰ বংশগতিৰ ধাৰা বহন কৰা জিনত যাৰ মূল শিপা, তাক উৎখাত কৰিব কেনেকৈ? উত্তৰৰ সন্ধানত নিয়োজিত বিজ্ঞান।

মনত পৰিছে ৰাল্ফ ব্ৰাল্ডে এমাৰ্চন (Ralph Walde Emerson) আৰু হেনৰি ডেভিদ থোৰোৱাল্ড। থোৰোৱাল্ডে কয় যে কেৱল বৰষুণৰ আগতেই আহিৰ নৱমসাঁওৰ

ভাৰতৰ বৰোচাৰ । বৰোচাৰ বনভাৰ ভাৰতৰ বন্যপ্ৰাণীৰ আগতেই আতাৰ অৱস্থাটোৰ আগজাননী পাইছিল । তেওঁৰ দৰে এজন দ্বিতীয় প্ৰকৃতিপ্ৰেমী এই সংসাৰত জন্ম নল'ব, যিয়ে প্ৰকৃতি-মাতৃৰ স'তে সহাবস্থান কৰাৰ উদাহৰণ দিবলৈ নিজে দুবছৰ কাল অৰণ্যৰ মাজত জীৱন নিৰ্বাহ কৰিছিল । লিখি উলিয়াইছিল অনৱদ্য গ্ৰন্থ *ৱাণ্ডেন : দ্য লাইফ ইন দ্য উড* যাক কোৱা হয় প্ৰকৃতিৰ বুৰঞ্জী । প্ৰকৃতি মাতৃক হত্যা কৰি জানো সন্তানসকল বৰ্তি থকা সম্ভৱ ? উত্তৰ সকলোৱে জানো কিন্তু প্ৰশ্ন কোনেও নকৰে । প্ৰকৃতি আৰু বিজ্ঞানৰ অগ্ৰগতিৰ সহাবস্থান সম্ভৱনে ? নাজানো । এটা মাত্ৰ ভাৰিৰ খোজে যেনেকৈ মাটিৰ ওপৰত এটা বাট কাটিব নোৱাৰে, ঠিক তেনেকৈ এটা মাত্ৰ চিন্তাই মনৰ মাজত নতুন বাট কাটিব নোৱাৰে । হাবি বা পথাৰৰ মাজেদি এটা বাট সজাবলৈ হ'লে আমি সেই বাটটোৱেদি বহুবাৰ খোজ কাটিব লাগিব । ঠিক তেনেকৈ আমি সেইবোৰ চিন্তা বাৰম্বাৰ কৰি থাকিব লাগিব – যিবোৰ চিন্তাই আমাৰ জীৱনটো প্ৰভাৱিত কৰাটো আমি বিচাৰোঁ ।

বৰ্তমান যুগটোৰ জটিল বেমাৰবোৰৰ বাবে দায়ী –

- (1) জীৱন শৈলী
- (2) বিকৃত জিন
- (3) অতি আধুনিক চিকিৎসা
- (4) ঔষধৰ অধিক প্ৰয়োগ

[Question ID = 579][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_101_ASSAMESE_Q129]

1. 1 [Option ID = 2313]
2. 2 [Option ID = 2314]
3. 3 [Option ID = 2315]
4. 4 [Option ID = 2316]

2) **নিৰ্দেশ :** তলত উল্লেখ কৰা ৰচনাখণ্ড মনোযোগেৰে পঢ়ি তাৰ পৰা দিয়া প্ৰশ্ন ৰ বিকল্পসমূহৰ মাজৰ পৰা শুদ্ধ উত্তৰটো চিনাক্ত কৰা ।

জনস্বাস্থ্যৰ দিশৰ পৰা যুগসমূহক চাৰিটা ভাগত ভগাব পাৰি । প্ৰথম যুগ হ'ল 'নিৰ্মূলকৰণ' । এই যুগ ১৮০০ শতিকাৰ মধ্যভাগলৈ বুলি চিহ্নিত কৰা হয় । চাফ-চিকুণকৈ থাকিব পৰাটো আছিল এই যুগৰ মূল কথা । দ্বিতীয় হ'ল, যাক কোৱা হয় 'জৈৱিক যুগ', যি ১৮০০ শতিকাৰ শেষৰ পৰা ১৯৫০ চনমানলৈ গণ্য কৰা হয় । অণুজীৱী পৰজীৱী আদি বীজাণুৰ সংক্ৰমণ আছিল জনস্বাস্থ্যৰ প্ৰধান প্ৰত্যাহ্বান আৰু যাৰ ফলত ভয়ংকৰ মহামাৰী বেমাৰে বহুতো লোকৰ প্ৰাণনাশ কৰিছিল । বিজ্ঞানী লুই পেষ্টিউৰে (Lui-Pasteur) আৱিষ্কাৰ কৰিলে অণুজীৱ উপস্থিতি বেমাৰৰ কাৰণ আৰু যাৰ প্ৰতিৰোধৰ বাবে ১৯৫০ চনতে আৱিষ্কৃত হ'ল ছালফা দৰব, পেনিচিলিন আৰু পলিঅ' বেমাৰৰ ছিটা । তৃতীয়টো হ'ল, 'জীৱন-শৈলীৰ যুগ', যি আৰম্ভ হোৱা বুলি ক'ব পাৰি ১৯৭০ চনমানৰ পৰা, যাৰ বৈশিষ্ট্য হ'ল দীৰ্ঘম্যাদী অসংক্ৰামক ৰোগ, যেনে – মধুমেহ, উচ্চ ৰক্তচাপ আদি, যাৰ নিৰাময় সম্ভৱ নহয় । ইয়াৰ প্ৰতিৰোধৰূপে ধূমপান নকৰিবলৈ, লঘু খাদ্য গ্ৰহণ কৰিবলৈ, শাৰীৰিক ব্যায়াম কৰিবলৈ, হেলমেট পিন্ধিবলৈ কনডম ব্যৱহাৰ কৰিবলৈ

সকীয়াই দিয়া হৈছিল । আমি এতিয়া একৈশ শতিকাৰ চতুৰ্থ পৰ্যায়ত উপনীত হৈছোঁ, যিটো হ'ল প্ৰথম তিনিটা একত্ৰিত হৈ সৃষ্টি কৰা বিকৃত জিনৰ উৎপৰিৱৰ্তনে জন্ম দিয়া জটিল বেমাৰৰ যুগ, 'অতি-আধুনিক চিকিৎসা' বা পোষ্ট মডাৰ্ন মেডিচিন (post modern medicine) । কেপ্সাৰৰ কাৰণ ভিন্ন, চৰিত্ৰ বিচিত্ৰ; সেয়েহে কেপ্সাৰক বিসদৃশ বেমাৰ বা heterogenous বোলা হয় ।

গতিকে ক'ব পাৰি মানুহৰ ইতিহাস কেপ্সাৰৰো ইতিহাস, ই হাতত হাত ধৰি বিৱৰ্তিত হৈ আজিৰ ৰূপত ভৰি খৈছেহি । মানুহৰ বংশগতিৰ ধাৰা বহন কৰা জিনত যাৰ মূল শিপা, তাক উৎখাত কৰিব কেনেকৈ ? উত্তৰৰ সন্ধানত নিয়োজিত বিজ্ঞান ।

মনত পৰিছে ৰাল্ফ ৱাল্ডে এমাৰ্চন (Ralph Walde Emerson) আৰু হেনৰি ডেভিড থৰোৱে । থৰোৱে হয়তো ডেৰশ বছৰৰ আগতেই আজিৰ অৱস্থাটোৰ আগজাননী পাইছিল । তেওঁৰ দৰে এজন দ্বিতীয় প্ৰকৃতিপ্ৰেমী এই সংসাৰত জন্ম নল'ব, যিয়ে প্ৰকৃতি-মাতৃৰ স'তে সহাবস্থান কৰাৰ উদাহৰণ দিবলৈ নিজে দুবছৰ কাল অৰণ্যৰ মাজত জীৱন নিৰ্বাহ কৰিছিল । লিখি উলিয়াইছিল অনৱদ্য গ্ৰন্থ ৱাল্ডেন : দ্য লাইফ ইন দ্য উড যাক কোৱা হয় প্ৰকৃতিৰ বুৰঞ্জী । প্ৰকৃতি মাতৃক হত্যা কৰি জানো সন্তানসকল বৰ্তি থকা সম্ভৱ ? উত্তৰ সকলোৱে জানো কিন্তু প্ৰশ্ন কোনেও নকৰোঁ । প্ৰকৃতি আৰু বিজ্ঞানৰ অগ্ৰগতিৰ সহাবস্থান সম্ভৱনে ? নাজানো । এটা মাত্ৰ ভৰিৰ খোজে যেনেকৈ মাটিৰ ওপৰত এটা বাট কাটিব নোৱাৰে, ঠিক তেনেকৈ এটা মাত্ৰ চিন্তাই মনৰ মাজত নতুন বাট কাটিব নোৱাৰে । হাবি বা পথাৰৰ মাজেদি এটা বাট সজাবলৈ হ'লে আমি সেই বাটটোৱেদি বহুবাৰ খোজ কাটিব লাগিব । ঠিক তেনেকৈ আমি সেইবোৰ চিন্তা বাৰম্বাৰ কৰি থাকিব লাগিব – যিবোৰ চিন্তাই আমাৰ জীৱনটো প্ৰভাৱিত কৰাটো আমি বিচাৰোঁ ।

লুই পেণ্টিউৰ কোনটো যুগৰ মানুহ ?

- (1) আধুনিক যুগ
- (2) নিৰ্মূলকৰণৰ যুগ
- (3) জৈৱিক যুগ
- (4) দীৰ্ঘম্যাদী অসংক্ৰমক ৰোগৰ যুগ

[Question ID = 580][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_101_ASSAMESE_Q130]

1. 1 [Option ID = 2317]
2. 2 [Option ID = 2318]
3. 3 [Option ID = 2319]
4. 4 [Option ID = 2320]

3) **নিৰ্দেশ :** তলত উল্লেখ কৰা ৰচনাখণ্ড মনোযোগেৰে পঢ়ি তাৰ পৰা দিয়া প্ৰশ্ন ৰ বিকল্পসমূহৰ মাজৰ পৰা শুদ্ধ উত্তৰটো চিনাক্ত কৰা ।

জনস্বাস্থ্যৰ দিশৰ পৰা যুগসমূহক চাৰিটা ভাগত ভগাব পাৰি । প্ৰথম যুগ হ'ল 'নিৰ্মূলকৰণ' । এই যুগ ১৮০০ শতিকাৰ মধ্যভাগলৈ বলি চিহ্নিত কৰা হয় ।

চাফ-চিকুণকৈ থাকিব পৰাটো আছিল এই যুগৰ মূল কথা । দ্বিতীয় হ'ল, যাক কোৱা হয় 'জৈৱিক যুগ', যি ১৮০০ শতিকাৰ শেষৰ পৰা ১৯৫০ চনমানলৈ গণ্য কৰা হয় । অনুজীৱী পৰজীৱী আদি বীজাণুৰ সংক্ৰমণ আছিল জনস্বাস্থ্যৰ প্ৰধান প্ৰত্যাহ্বান আৰু যাৰ ফলত ভয়ংকৰ মহামাৰী বেমাৰে বহুতো লোকৰ প্ৰাণনাশ কৰিছিল । বিজ্ঞানী লুই পেষ্টিউৰে (Lui-Pasteur) আৱিষ্কাৰ কৰিলে অনুজীৱ উপস্থিতি বেমাৰৰ কাৰণ আৰু যাৰ প্ৰতিৰোধৰ বাবে ১৯৫০ চনতে আৱিষ্কৃত হ'ল ছালফা দৰব, পেনিচিলিন আৰু পলিঅ' বেমাৰৰ ছিটা । তৃতীয়টো হ'ল, 'জীৱন-শৈলীৰ যুগ', যি আৰম্ভ হোৱা বুলি ক'ব পাৰি ১৯৭০ চনমানৰ পৰা, যাৰ বৈশিষ্ট্য হ'ল দীৰ্ঘম্যাদী অসংক্ৰমক ৰোগ, যেনে - মধুমেহ, উচ্চ ৰক্তচাপ আদি, যাৰ নিৰাময় সম্ভৱ নহয় । ইয়াৰ প্ৰতিৰোধৰূপে ধূমপান নকৰিবলৈ, লঘু খাদ্য গ্ৰহণ কৰিবলৈ, শাৰীৰিক ব্যায়াম কৰিবলৈ, হেলমেট পিন্ধিবলৈ, কনডম ব্যৱহাৰ কৰিবলৈ সকীয়াই দিয়া হৈছিল । আমি এতিয়া একৈশ শতিকাৰ চতুৰ্থ পৰ্যায়ত উপনীত হৈছোঁ, যিটো হ'ল প্ৰথম তিনিটা একত্ৰিত হৈ সৃষ্টি কৰা বিকৃত জিনৰ উৎপৰিৱৰ্তনে জন্ম দিয়া জটিল বেমাৰৰ যুগ, 'অতি-আধুনিক চিকিৎসা' বা পোষ্ট মডাৰ্ন মেডিচিন (post modern medicine) । কেপ্সাৰৰ কাৰণ ভিন্ন, চৰিত্ৰ বিচিত্ৰ; সেয়েহে কেপ্সাৰক বিসদৃশ বেমাৰ বা heterogenous বোলা হয় ।

গতিকে ক'ব পাৰি মানুহৰ ইতিহাস কেপ্সাৰৰো ইতিহাস, ই হাতত হাত ধৰি বিৱৰ্তিত হৈ আজিৰ ৰূপত ভৰি খৈছেহি । মানুহৰ বংশগতিৰ ধাৰা বহন কৰা জিনত যাৰ মূল শিপা, তাক উৎখাত কৰিব কেনেকৈ ? উত্তৰৰ সন্ধানত নিয়োজিত বিজ্ঞান ।

মনত পৰিছে ৰাল্ফ ৱাল্ডে এমাৰ্চন (Ralph Walde Emerson) আৰু হেনৰি ডেভিড থৰোলৈ । থৰোৱে হয়তো ডেৰশ বছৰৰ আগতেই আজিৰ অৱস্থাটোৰ আগজাননী পাইছিল । তেওঁৰ দৰে এজন দ্বিতীয় প্ৰকৃতিপ্ৰেমী এই সংসাৰত জন্ম নল'ব, যিয়ে প্ৰকৃতি-মাতৃৰ স'তে সহাবস্থান কৰাৰ উদাহৰণ দিবলৈ নিজে দুবছৰ কাল অৰণ্যৰ মাজত জীৱন নিৰ্বাহ কৰিছিল । লিখি উলিয়াইছিল অনৱদ্য গ্ৰন্থ ৱাল্ডেন : দ্য লাইফ ইন দ্য উড যাক কোৱা হয় প্ৰকৃতিৰ বুৰঞ্জী । প্ৰকৃতি মাতৃক হত্যা কৰি জানো সম্ভৱনসকল বৰ্তি থকা সম্ভৱ ? উত্তৰ সকলোৱে জানো কিন্তু প্ৰশ্ন কোনেও নকৰোঁ । প্ৰকৃতি আৰু বিজ্ঞানৰ অগ্ৰগতিৰ সহাবস্থান সম্ভৱনে ? নাজানো । এটা মাত্ৰ ভৰিৰ খোজে যেনেকৈ মাটিৰ ওপৰত এটা বাট কাটিব নোৱাৰে, ঠিক তেনেকৈ এটা মাত্ৰ চিন্তাই মনৰ মাজত নতুন বাট কাটিব নোৱাৰে । হাবি বা পথাৰৰ মাজেদি এটা বাট সজাবলৈ হ'লে আমি সেই বাটটোৱেদি বহুবাৰ খোজ কাটিব লাগিব । ঠিক তেনেকৈ আমি সেইবোৰ চিন্তা বাৰম্বাৰ কৰি থাকিব লাগিব - যিবোৰ চিন্তাই আমাৰ জীৱনটো প্ৰভাৱিত কৰাটো আমি বিচাৰোঁ ।

দীৰ্ঘম্যাদী অসংক্ৰমক ৰোগৰ বাবে -

(1) অনুজীৱ-পৰজীৱৰ আক্ৰমণৰ পৰা বাচিব লাগিব

(2) নিৰাময়ৰ ব্যৱস্থা কৰিব লাগে

(3) জীৱন-শৈলী সলাব লাগে

(4) মহামাৰীৰ পৰা সাৱধান হৈ থাকিব লাগে

[Question ID = 581][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_101_ASSAMESE_Q131]

1. 1 [Option ID = 2321]

2. 2 [Option ID = 2322]

3. 3 [Option ID = 2323]

4. 4 [Option ID = 2324]

4) **নিৰ্দেশ :** তলত উল্লেখ কৰা ৰচনাখণ্ড মনোযোগেৰে পঢ়ি তাৰ পৰা দিয়া প্ৰশ্ন ৰ বিকল্পসমূহৰ মাজৰ পৰা শুদ্ধ উত্তৰটো চিনাক্ত কৰাঁ।

জনস্বাস্থ্যৰ দিশৰ পৰা যুগসমূহক চাৰিটা ভাগত ভগাব পাৰি। প্ৰথম যুগ হ'ল 'নিৰ্মূলকৰণ'। এই যুগ ১৮০০ শতিকাৰ মধ্যভাগলৈ বুলি চিহ্নিত কৰা হয়। চাফু-চিকুণকৈ থাকিব পৰাটো আছিল এই যুগৰ মূল কথা। দ্বিতীয় হ'ল, যাক কোৱা হয় 'জৈৱিক যুগ', যি ১৮০০ শতিকাৰ শেষৰ পৰা ১৯৫০ চনমানলৈ গণ্য কৰা হয়। অণুজীৱী পৰজীৱী আদি বীজাণুৰ সংক্ৰমণ আছিল জনস্বাস্থ্যৰ প্ৰধান প্ৰত্যাহ্বান আৰু যাৰ ফলত ভয়ংকৰ মহামাৰী বেমাৰে বহুতো লোকৰ প্ৰাণনাশ কৰিছিল। বিজ্ঞানী লুই পেষ্টিউৰে (Lui-Pasteur) আৱিষ্কাৰ কৰিলে অণুজীৱ উপস্থিতি বেমাৰৰ কাৰণ আৰু যাৰ প্ৰতিৰোধৰ বাবে ১৯৫০ চনতে আৱিষ্কৃত হ'ল ছালফা দৰব, পেনিচিলিন আৰু পলিঅ' বেমাৰৰ ছিটা। তৃতীয়টো হ'ল, 'জীৱন-শৈলীৰ যুগ', যি আৰম্ভ হোৱা বুলি ক'ব পাৰি ১৯৭০ চনমানৰ পৰা, যাৰ বৈশিষ্ট্য হ'ল দীৰ্ঘম্যাদী অসংক্ৰামক ৰোগ, যেনে - মধুমেহ, উচ্চ ৰক্তচাপ আদি, যাৰ নিৰাময় সম্ভৱ নহয়। ইয়াৰ প্ৰতিৰোধৰূপে ধূমপান নকৰিবলৈ, লঘু খাদ্য গ্ৰহণ কৰিবলৈ, শাৰীৰিক ব্যায়াম কৰিবলৈ, হেলমেট পিন্ধিবলৈ, কনডম ব্যৱহাৰ কৰিবলৈ সকীয়াই দিয়া হৈছিল। আমি এতিয়া একৈশ শতিকাৰ চতুৰ্থ পৰ্যায়ত উপনীত হৈছোঁ, যিটো হ'ল প্ৰথম তিনিটা একত্ৰিত হৈ সৃষ্টি কৰা বিকৃত জিনৰ উৎপত্তিৰ জন্ম দিয়া জটিল বেমাৰৰ যুগ, 'অতি-আধুনিক চিকিৎসা' বা পোষ্ট মডাৰ্ন মেডিচিন (post modern medicine)। কেঙ্গাৰৰ কাৰণ ভিন্ন, চৰিত্ৰ বিচিত্ৰ; সেয়েহে কেঙ্গাৰক বিসদৃশ বেমাৰ বা heterogenous বোলা হয়।

গতিকে ক'ব পাৰি মানুহৰ ইতিহাস কেঙ্গাৰৰ ইতিহাস, ই হাতত হাত ধৰি বিৱৰ্তিত হৈ আজিৰ ৰূপত ভৰি থৈছেহি। মানুহৰ বংশগতিৰ ধাৰা বহন কৰা জিনত যাৰ মূল শিপা, তাক উৎখাত কৰিব কেনেকৈ? উত্তৰৰ সন্ধানত নিয়োজিত বিজ্ঞান।

মনত পৰিছে ৰাল্ফ ৱাল্ডে এমাৰ্চন (Ralph Walde Emerson) আৰু হেনৰি ডেভিড থৰোৱে। থৰোৱে হয়তো ডেৰশ বছৰৰ আগতেই আজিৰ অৱস্থাটোৰ আগজাননী পাইছিল। তেওঁৰ দৰে এজন দ্বিতীয় প্ৰকৃতিপ্ৰেমী এই সংসাৰত জন্ম নল'ব, যিয়ে প্ৰকৃতি-মাতৃৰ স'তে সহাবস্থান কৰাৰ উদাহৰণ দিবলৈ নিজে দুবছৰ কাল অৰণ্যৰ মাজেৰে জীৱন নিৰ্বাহ কৰিছিল। লিখি উলিয়াইছিল অনবদ্য গল্প

বান্ধন : দ্য লাইফ ইন দ্য উড যাক কোৱা হয় প্ৰকৃতিৰ বুৰঞ্জী । প্ৰকৃতি মাতৃক হত্যা কৰি জানো সম্ভাৱনসকল বৰ্তি থকা সম্ভৱ ? উত্তৰ সকলোৱে জানো কিন্তু প্ৰশ্ন কোনেও নকৰোঁ । প্ৰকৃতি আৰু বিজ্ঞানৰ অগ্ৰগতিৰ সহাবস্থান সম্ভৱনে ? নাজানো । এটা মাত্ৰ ভৰিৰ খোজে যেনেকৈ মাটিৰ ওপৰত এটা বাট কাটিব নোৱাৰে, ঠিক তেনেকৈ এটা মাত্ৰ চিন্তাই মনৰ মাজত নতুন বাট কাটিব নোৱাৰে । হাবি বা পথাৰৰ মাজেদি এটা বাট সজাবলৈ হ'লে আমি সেই বাটটোৱেদি বহুবাৰ খোজ কাটিব লাগিব । ঠিক তেনেকৈ আমি সেইবোৰ চিন্তা বাৰম্বাৰ কৰি থাকিব লাগিব – যিবোৰ চিন্তাই আমাৰ জীৱনটো প্ৰভাৱিত কৰাটো আমি বিচাৰোঁ ।

কেম্বাৰৰ মূল লুকাই আছে –

- (1) জিনত
- (2) জীৱন শৈলীত
- (3) দীৰ্ঘম্যাদী অসংক্ৰমক ব্যাধিসমূহৰ আঁৰত
- (4) অনুজীৱ-পৰজীৱত

[Question ID = 582][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_101_ASSAMESE_Q132]

1. 1 [Option ID = 2325]
2. 2 [Option ID = 2326]
3. 3 [Option ID = 2327]
4. 4 [Option ID = 2328]

5) **নিৰ্দেশ :** তলত উল্লেখ কৰা ৰচনাখণ্ড মনোযোগেৰে পঢ়ি তাৰ পৰা দিয়া প্ৰশ্ন ৰ বিকল্পসমূহৰ মাজৰ পৰা শুদ্ধ উত্তৰটো চিনাক্ত কৰা ।

জনস্বাস্থ্যৰ দিশৰ পৰা যুগসমূহক চাৰিটা ভাগত ভগাব পাৰি । প্ৰথম যুগ হ'ল 'নিৰ্মূলকৰণ' । এই যুগ ১৮০০ শতিকাৰ মধ্যভাগলৈ বুলি চিহ্নিত কৰা হয় । চাফ-চিকুণকৈ থাকিব পৰাটো আছিল এই যুগৰ মূল কথা । দ্বিতীয় হ'ল, যাক কোৱা হয় 'জৈৱিক যুগ', যি ১৮০০ শতিকাৰ শেষৰ পৰা ১৯৫০ চনমানলৈ গণ্য কৰা হয় । অনুজীৱী পৰজীৱী আদি বীজাণুৰ সংক্ৰমণ আছিল জনস্বাস্থ্যৰ প্ৰধান প্ৰত্যাহ্বান আৰু যাৰ ফলত ভয়ংকৰ মহামাৰী বেমাৰে বহুতো লোকৰ প্ৰাণনাশ কৰিছিল । বিজ্ঞানী লুই পেষ্টিউৰে (Lui-Pasteur) আৱিষ্কাৰ কৰিলে অনুজীৱ উপস্থিতি বেমাৰৰ কাৰণ আৰু যাৰ প্ৰতিৰোধৰ বাবে ১৯৫০ চনতে আৱিষ্কৃত হ'ল ছালফা দৰব, পেনিচিলিন আৰু পলিঅ' বেমাৰৰ ছিটা । তৃতীয়টো হ'ল, 'জীৱন-শৈলীৰ যুগ', যি আৰম্ভ হোৱা বুলি ক'ব পাৰি ১৯৭০ চনমানৰ পৰা, যাৰ বৈশিষ্ট্য হ'ল দীৰ্ঘম্যাদী অসংক্ৰমক ৰোগ, যেনে – মধুমেহ, উচ্চ ৰক্তচাপ আদি, যাৰ নিৰাময় সম্ভৱ নহয় । ইয়াৰ প্ৰতিৰোধৰূপে ধূমপান নকৰিবলৈ, লঘু খাদ্য গ্ৰহণ কৰিবলৈ, শাৰীৰিক ব্যায়াম কৰিবলৈ, হেলমেট পিন্ধিবলৈ, কনডম ব্যৱহাৰ কৰিবলৈ সকীয়াই দিয়া হৈছিল । আমি এতিয়া একৈশ শতিকাৰ চতুৰ্থ পৰ্যায়ত উপনীত হৈছোঁ, যিটো হ'ল প্ৰথম তিনিটা একত্ৰিত হৈ সৃষ্টি কৰা বিকৃত জিনৰ উৎপৰিৱৰ্তনে জন্ম দিয়া জটিল বেমাৰৰ যুগ. 'অতি-আধুনিক চিকিৎসা' বা পোষ্ট মডাৰ্ন মেডিচিন

(post modern medicine) । কেপ্সাৰৰ কাৰণ ভিন্ন, চৰিত্ৰ বিচিত্ৰ; সেয়েহে কেপ্সাৰক বিসদৃশ বেমাৰ বা heterogenous বোলা হয় ।

গতিকে ক'ব পাৰি মানুহৰ ইতিহাস কেপ্সাৰৰো ইতিহাস, ই হাতত হাত ধৰি বিৱৰ্তিত হৈ আজিৰ ৰূপত ভৰি থৈছেহি । মানুহৰ বংশগতিৰ ধাৰা বহন কৰা জিনত যাৰ মূল শিপা, তাক উৎখাত কৰিব কেনেকৈ ? উত্তৰৰ সন্ধানত নিয়োজিত বিজ্ঞান ।

মনত পৰিছে ৰাল্ফ ৱাল্ডে এমাৰ্চন (Ralph Walde Emerson) আৰু হেনৰি ডেভিড থৰোৱে । থৰোৱে হয়তো ডেৰশ বছৰৰ আগতেই আজিৰ অৱস্থাটোৰ আগজাননী পাইছিল । তেওঁৰ দৰে এজন দ্বিতীয় প্ৰকৃতিপ্ৰেমী এই সংসাৰত জন্ম নল'ব, যিয়ে প্ৰকৃতি-মাতৃৰ স'তে সহাবস্থান কৰাৰ উদাহৰণ দিবলৈ নিজে দুবছৰ কাল অৰণ্যৰ মাজত জীৱন নিৰ্বাহ কৰিছিল । লিখি উলিয়াইছিল অনৱদ্য গ্ৰন্থ ৱাল্ডেন : দ্য লাইফ ইন দ্য উড যাক কোৱা হয় প্ৰকৃতিৰ বুৰঞ্জী । প্ৰকৃতি মাতৃক হত্যা কৰি জানো সন্তানসকল বৰ্তি থকা সম্ভৱ ? উত্তৰ সকলোৱে জানো কিন্তু প্ৰশ্ন কোনেও নকৰোঁ । প্ৰকৃতি আৰু বিজ্ঞানৰ অগ্ৰগতিৰ সহাবস্থান সম্ভৱনে ? নাজানো । এটা মাত্ৰ ভৰিৰ খোজে যেনেকৈ মাটিৰ ওপৰত এটা বাট কাটিব নোৱাৰে, ঠিক তেনেকৈ এটা মাত্ৰ চিন্তাই মনৰ মাজত নতুন বাট কাটিব নোৱাৰে । হাবি বা পথাৰৰ মাজেদি এটা বাট সজাবলৈ হ'লে আমি সেই বাটটোৱেদি বহুবাৰ খোজ কাটিব লাগিব । ঠিক তেনেকৈ আমি সেইবোৰ চিন্তা বাৰম্বাৰ কৰি থাকিব লাগিব – যিবোৰ চিন্তাই আমাৰ জীৱনটো প্ৰভাৱিত কৰাটো আমি বিচাৰোঁ ।

প্ৰকৃতিৰ মাজত কোনে জীৱন যাপন কৰিছিল ?

(1) লুই পেণ্টিউৰ

(2) ৱাল্ডে এমাৰ্চন

(3) হেনৰি ডেভিড থ'ৰো

(4) সংক্ৰামক ব্যাধিত আক্ৰান্ত ব্যক্তি

[Question ID = 583][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_101_ASSAMESE_Q133]

1. 1 [Option ID = 2329]
2. 2 [Option ID = 2330]
3. 3 [Option ID = 2331]
4. 4 [Option ID = 2332]

6) **নিৰ্দেশ :** তলত উল্লেখ কৰা ৰচনাখণ্ড মনোযোগেৰে পঢ়ি তাৰ পৰা দিয়া প্ৰশ্ন ৰ বিকল্পসমূহৰ মাজৰ পৰা শুদ্ধ উত্তৰটো চিনাক্ত কৰা ।

জনস্বাস্থ্যৰ দিশৰ পৰা যুগসমূহক চাৰিটা ভাগত ভগাব পাৰি । প্ৰথম যুগ হ'ল 'নিৰ্মূলকৰণ' । এই যুগ ১৮০০ শতিকাৰ মধ্যভাগলৈ বুলি চিহ্নিত কৰা হয় । চাফ-চিকুণকৈ থাকিব পৰাটো আছিল এই যুগৰ মূল কথা । দ্বিতীয় হ'ল, যাক কোৱা হয় 'জৈৱিক যুগ', যি ১৮০০ শতিকাৰ শেষৰ পৰা ১৯৫০ চনমানলৈ গণ্য কৰা হয় । অণুজীৱী পৰজীৱী আদি বীজাণুৰ সংক্ৰমণ আছিল জনস্বাস্থ্যৰ প্ৰধান

প্ৰত্যাৱান আৰু যাৰ ফলত ভয়ংকৰ মহামাৰী বেমাৰে বহুতো লোকৰ প্ৰাণনাশ কৰিছিল । বিজ্ঞানী লুই পেষ্টিউৰে (Lui-Pasteur) আৱিষ্কাৰ কৰিলে অণুজীৱ উপস্থিতি বেমাৰৰ কাৰণ আৰু যাৰ প্ৰতিৰোধৰ বাবে ১৯৫০ চনতে আৱিষ্কৃত হ'ল ছালফা দৰব, পেনিচিলিন আৰু পলিঅ' বেমাৰৰ ছিটা । তৃতীয়টো হ'ল, 'জীৱন-শৈলীৰ যুগ', যি আৰম্ভ হোৱা বুলি ক'ব পাৰি ১৯৭০ চনমানৰ পৰা, যাৰ বৈশিষ্ট্য হ'ল দীৰ্ঘম্যাদী অসংক্ৰামক ৰোগ, যেনে - মধুমেহ, উচ্চ ৰক্তচাপ আদি, যাৰ নিৰাময় সম্ভৱ নহয় । ইয়াৰ প্ৰতিৰোধৰূপে ধূমপান নকৰিবলৈ, লঘু খাদ্য গ্ৰহণ কৰিবলৈ, শাৰীৰিক ব্যায়াম কৰিবলৈ, হেলমেট পিন্ধিবলৈ, কনডম ব্যৱহাৰ কৰিবলৈ সকীয়াই দিয়া হৈছিল । আমি এতিয়া একৈশ শতিকাৰ চতুৰ্থ পৰ্যায়ত উপনীত হৈছোঁ, যিটো হ'ল প্ৰথম তিনিটা একত্ৰিত হৈ সৃষ্টি কৰা বিকৃত জিনৰ উৎপৰিৱৰ্তনে জন্ম দিয়া জটিল বেমাৰৰ যুগ, 'অতি-আধুনিক চিকিৎসা' বা পোষ্ট মডাৰ্ন মেডিচিন (post modern medicine) । কেপ্সাৰৰ কাৰণ ভিল্ল, চৰিত্ৰ বিচিত্ৰ; সেয়েহে কেপ্সাৰক বিসদৃশ বেমাৰ বা heterogenous বোলা হয় ।

গতিকে ক'ব পাৰি মানুহৰ ইতিহাস কেপ্সাৰৰো ইতিহাস, ই হাতত হাত ধৰি বিৱৰ্তিত হৈ আজিৰ ৰূপত ভৰি থৈছেহি । মানুহৰ বংশগতিৰ ধাৰা বহন কৰা জিনত যাৰ মূল শিপা, তাক উৎখাত কৰিব কেনেকৈ ? উত্তৰৰ সন্ধানত নিয়োজিত বিজ্ঞান ।

মনত পৰিছে ৰাল্ফ ৱাল্ডে এমাৰ্চন (Ralph Walde Emerson) আৰু হেনৰি ডেভিড থৰোৱে । থৰোৱে হয়তো ডেৰশ বছৰৰ আগতেই আজিৰ অৱস্থাটোৰ আগজাননী পাইছিল । তেওঁৰ দৰে এজন দ্বিতীয় প্ৰকৃতিপ্ৰেমী এই সংসাৰত জন্ম নল'ব, যিয়ে প্ৰকৃতি-মাতৃৰ স'তে সহাবস্থান কৰাৰ উদাহৰণ দিবলৈ নিজে দুবছৰ কাল অৰণ্যৰ মাজত জীৱন নিৰ্বাহ কৰিছিল । লিখি উলিয়াইছিল অনৱদ্য গ্ৰন্থ ৱাল্ডেন : দ্য লাইফ ইন দ্য উড যাক কোৱা হয় প্ৰকৃতিৰ বুৰঞ্জী । প্ৰকৃতি মাতৃক হত্যা কৰি জানো সন্তানসকল বৰ্তি থকা সম্ভৱ ? উত্তৰ সকলোৱে জানো কিন্তু প্ৰশ্ন কোনেও নকৰোঁ । প্ৰকৃতি আৰু বিজ্ঞানৰ অগ্ৰগতিৰ সহাবস্থান সম্ভৱনে ? নাজানো । এটা মাত্ৰ ভৰিৰ খোজে যেনেকৈ মাটিৰ ওপৰত এটা বাট কাটিব নোৱাৰে, ঠিক তেনেকৈ এটা মাত্ৰ চিন্তাই মনৰ মাজত নতুন বাট কাটিব নোৱাৰে । হাবি বা পথাৰৰ মাজেদি এটা বাট সজাবলৈ হ'লে আমি সেই বাটটোৱেদি বহুবাৰ খোজ কাটিব লাগিব । ঠিক তেনেকৈ আমি সেইবোৰ চিন্তা বাৰম্বাৰ কৰি থাকিব লাগিব – যিবোৰ চিন্তাই আমাৰ জীৱনটো প্ৰভাৱিত কৰাটো আমি বিচাৰোঁ ।

“আমি এতিয়া একৈশ শতিকাৰ চতুৰ্থ পৰ্যায়ত উপনীত হৈছোঁ, যিটো হ'ল প্ৰথম তিনিটা একত্ৰিত হৈ সৃষ্টি কৰা বিকৃত জিনৰ উৎপৰিৱৰ্তনে জন্ম দিয়া জটিল বেমাৰৰ যুগ ।” এই বাক্যটো হৈছে –

(1) জটিল বাক্য

(2) সৰল বাক্য

(3) সাধাৰণ বাক্য

(4) সংজ্ঞাসূচক বাক্য

[Question ID = 584][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_101_ASSAMESE_Q134]

1. 1 [Option ID = 2333]
2. 2 [Option ID = 2334]
3. 3 [Option ID = 2335]
4. 4 [Option ID = 2336]

7) **নিৰ্দেশ :** তলত উল্লেখ কৰা ৰচনাখণ্ড মনোযোগেৰে পঢ়ি তাৰ পৰা দিয়া প্ৰশ্ন ৰ বিকল্পসমূহৰ মাজৰ পৰা শুদ্ধ উত্তৰটো চিনাক্ত কৰা।

জনস্বাস্থ্যৰ দিশৰ পৰা যুগসমূহক চাৰিটা ভাগত ভগাব পাৰি। প্ৰথম যুগ হ'ল 'নিৰ্মূলকৰণ'। এই যুগ ১৮০০ শতিকাৰ মধ্যভাগলৈ বুলি চিহ্নিত কৰা হয়। চাফ-চিকুণকৈ থাকিব পৰাটো আছিল এই যুগৰ মূল কথা। দ্বিতীয় হ'ল, যাক কোৱা হয় 'জৈৱিক যুগ', যি ১৮০০ শতিকাৰ শেষৰ পৰা ১৯৫০ চনমানলৈ গণ্য কৰা হয়। অণুজীৱী পৰজীৱী আদি বীজাণুৰ সংক্ৰমণ আছিল জনস্বাস্থ্যৰ প্ৰধান প্ৰত্যাহ্বান আৰু যাৰ ফলত ভয়ংকৰ মহামাৰী বেমাৰে বহুতো লোকৰ প্ৰাণনাশ কৰিছিল। বিজ্ঞানী লুই পেষ্টিউৰে (Lui-Pasteur) আৱিষ্কাৰ কৰিলে অণুজীৱ উপস্থিতি বেমাৰৰ কাৰণ আৰু যাৰ প্ৰতিৰোধৰ বাবে ১৯৫০ চনতে আৱিষ্কৃত হ'ল ছালফা দৰব, পেনিচিলিন আৰু পলিঅ' বেমাৰৰ ছিটা। তৃতীয়টো হ'ল, 'জীৱন-শৈলীৰ যুগ', যি আৰম্ভ হোৱা বুলি ক'ব পাৰি ১৯৭০ চনমানৰ পৰা, যাৰ বৈশিষ্ট্য হ'ল দীৰ্ঘম্যাদী অসংক্ৰামক ৰোগ, যেনে – মধুমেহ, উচ্চ ৰক্তচাপ আদি, যাৰ নিৰাময় সম্ভৱ নহয়। ইয়াৰ প্ৰতিৰোধৰূপে ধূমপান নকৰিবলৈ, লঘু খাদ্য গ্ৰহণ কৰিবলৈ, শাৰীৰিক ব্যায়াম কৰিবলৈ, হেলমেট পিন্ধিবলৈ, কনডম ব্যৱহাৰ কৰিবলৈ সকীয়াই দিয়া হৈছিল। আমি এতিয়া একৈশ শতিকাৰ চতুৰ্থ পৰ্যায়ত উপনীত হৈছোঁ, যিটো হ'ল প্ৰথম তিনিটা একত্ৰিত হৈ সৃষ্টি কৰা বিকৃত জিনৰ উৎপৰিৱৰ্তনে জন্ম দিয়া জটিল বেমাৰৰ যুগ, 'অতি-আধুনিক চিকিৎসা' বা পোষ্ট মডাৰ্ন মেডিচিন (post modern medicine)। কেপ্সাৰৰ কাৰণ ভিন্ন, চৰিত্ৰ বিচিত্ৰ; সেয়েহে কেপ্সাৰক বিসদৃশ বেমাৰ বা heterogenous বোলা হয়।

গতিকে ক'ব পাৰি মানুহৰ ইতিহাস কেপ্সাৰৰো ইতিহাস, ই হাতত হাত ধৰি বিৱৰ্তিত হৈ আজিৰ ৰূপত ভৰি থৈছেহি। মানুহৰ বংশগতিৰ ধাৰা বহন কৰা জিনত যাৰ মূল শিপা, তাক উৎখাত কৰিব কেনেকৈ? উত্তৰৰ সন্ধানত নিয়োজিত বিজ্ঞান।

মনত পৰিছে ৰাল্ফ ৱাল্ডে এমাৰ্চন (Ralph Walde Emerson) আৰু হেনৰি ডেভিড থৰোৱে। থৰোৱে হয়তো ডেৰশ বছৰৰ আগতেই আজিৰ অৱস্থাটোৰ আগজাননী পাইছিল। তেওঁৰ দৰে এজন দ্বিতীয় প্ৰকৃতিপ্ৰেমী এই সংসাৰত জন্ম নল'ব, যিয়ে প্ৰকৃতি-মাতৃৰ স'তে সহাবস্থান কৰাৰ উদাহৰণ দিবলৈ নিজে দুবছৰ কাল অৰণ্যৰ মাজত জীৱন নিৰ্বাহ কৰিছিল। লিখি উলিয়াইছিল অনৱদ্য গ্ৰন্থ *ৱাল্ডেন : দ্য লাইফ ইন দ্য উড* যাক কোৱা হয় প্ৰকৃতিৰ বৰঞ্জী। প্ৰকৃতি মাতক

হত্যা কৰি জানো সন্তানসকল বৰ্তি থকা সম্ভৱ ? উত্তৰ সকলোৱে জানো কিন্তু প্ৰশ্ন কোনেও নকৰোঁ । প্ৰকৃতি আৰু বিজ্ঞানৰ অগ্ৰগতিৰ সহায়স্থান সম্ভৱনে ? নাজানো । এটা মাত্ৰ ভৰিৰ খোজে যেনেকৈ মাটিৰ ওপৰত এটা বাট কাটিব নোৱাৰে, ঠিক তেনেকৈ এটা মাত্ৰ চিন্তাই মনৰ মাজত নতুন বাট কাটিব নোৱাৰে । হাবি বা পথাৰৰ মাজেদি এটা বাট সজাবলৈ হ'লে আমি সেই বাটটোৱেদি বহুবাৰ খোজ কাটিব লাগিব । ঠিক তেনেকৈ আমি সেইবোৰ চিন্তা বাৰম্বাৰ কৰি থাকিব লাগিব – যিবোৰ চিন্তাই আমাৰ জীৱনটো প্ৰভাৱিত কৰাটো আমি বিচাৰোঁ ।

ওপৰ প্ৰেৰণাফটোৰ বক্তব্যৰ আলমত দিয়া তলৰ উক্তি দুটা পঢ়া আৰু দুয়োটাৰে প্ৰসংগত দিয়া তলৰ বিকল্পসমূহৰ মাজৰ পৰা শুদ্ধ উত্তৰটো চিনাক্ত কৰা ।

- এটা মাত্ৰ চিন্তাই মনৰ মাজত নতুন বাট কাটিব নোৱাৰে ।
- একেটা চিন্তাতে বাৰম্বাৰ নিমজ্জিত হলেহে নতুন পথৰ সন্ধান পোৱা যায় ।

- (1) a উক্তিটো b উক্তিটোৱে শুদ্ধটি ব্যাখ্যা কৰিছে
- (2) a উক্তিটো শুদ্ধ কিন্তু b ইয়াৰ শুদ্ধ ব্যাখ্যা নহয়
- (3) a আৰু b উক্তি দুটা পাৰস্পৰিক সম্পৰ্ক ৰহিত
- (4) a আৰু b দুয়োটা উক্তিয়েই ভুল

[Question ID = 585][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_101_ASSAMESE_Q135]

1. 1 [Option ID = 2337]
2. 2 [Option ID = 2338]
3. 3 [Option ID = 2339]
4. 4 [Option ID = 2340]

Topic:- Assamese_Q136-150_L2_P1_CTET

- 1) এগৰাকী শিক্ষকে দ্বিতীয় শ্ৰেণীৰ পাঠদানৰ সময়ত এখন ডাঙৰ কিতাপ তুলি ধৰিলে আৰু প্ৰত্যেক ছাত্ৰ-ছাত্ৰীয়েই সেই কিতাপৰ পৰাই পঢ়িলে । কিতাপখনত ডাঙৰ হৰফ (Font), সচিত্ৰ ব্যাখ্যা আৰু সাধাৰণ পাঠ সংযোজিত হৈ আছে যাতে ছাত্ৰ-ছাত্ৰীসকলে সকলোৱেই পঠনত ভাগ ল'ব পাৰে । তেওঁ অনুসৰণ কৰিছে –

- (1) পথ নিৰ্দেশক পঠন
- (2) অংশগ্ৰহণমূলক পঠন
- (3) জটিল খণ্ডৰ পুনঃসংযোজিত পঠন
- (4) সৰ্বৰ পঠন

[Question ID = 586][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_101_ASSAMESE_Q136]

1. 1 [Option ID = 2341]
2. 2 [Option ID = 2342]
3. 3 [Option ID = 2343]
4. 4 [Option ID = 2344]

2) দ্বিতীয় শ্ৰেণীৰ ছাত্ৰ যতীনৰ শ্ৰৱণ সীমাৰুদ্ধতা আছে । এগৰাকী ভাষা শিক্ষকৰ বাবে তেওঁৰ বাবে পাঠগ্ৰহণ সুবিধাজনক কৰিবলৈ কি কৌশল বেছি গ্ৰহণযোগ্য হ'ব পাৰে ?

(1) সহপাঠী সকলক তেওঁৰ সৈতে কথা পাতোঁতে আগ্ৰহ প্ৰদৰ্শন কৰা আৰু সহযোগ কৰিবলৈ উৎসাহিত কৰিব লাগে ।

(2) এনে শিশুৰে বিশেষ স্কুললৈ যাব লাগে য'ত তেওঁ ভালকৈ শিকিব পাৰে ।

(3) এনে শিশুৰ প্ৰতি অধিক মনোযোগ দিয়াৰ ফলত অন্য শিশুৰ বাবে সময় হ্ৰাস কৰে ।

(4) অধ্যক্ষক জনাব লাগে যে আপোনাৰ শ্ৰেণীটো বিশেষ ছাত্ৰটিৰ বাবে বোধগম্য আৰু গ্ৰহণীয় হোৱা নাই ।

[Question ID = 587][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_101_ASSAMESE_Q137]

1. 1 [Option ID = 2345]
2. 2 [Option ID = 2346]
3. 3 [Option ID = 2347]
4. 4 [Option ID = 2348]

3) উক্তি (A) :

প্ৰাথমিক স্বাক্ষৰতা হৈছে শিশু এটিয়ে লিখিবলৈ আৰু পঢ়িবলৈ শিকাৰ আগতেই লিখা আৰু পঢ়াৰ বিষয়ে শিকা ।

যুক্তি (R) :

শিশু এটিয়ে প্ৰাথমিক শিশু যতন আৰু শিক্ষা (ECCE)ৰ স্তৰতে পঢ়িবলৈ এবং লিখিবলৈ শিকোঁতেই প্ৰাথমিক স্বাক্ষৰতা আৰম্ভ হয় ।

(1) (A) এবং (R) দুয়োটাই শুদ্ধ আৰু (R) হৈছে (A)ৰ শুদ্ধ ব্যাখ্যা ।

(2) (A) এবং (R) দুয়োটাই শুদ্ধ কিন্তু (R) (A)ৰ শুদ্ধ ব্যাখ্যা নহয় ।

(3) (A) শুদ্ধ, (R) অশুদ্ধ

(4) (A) অশুদ্ধ, (R) শুদ্ধ

[Question ID = 588][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_101_ASSAMESE_Q138]

1. 1 [Option ID = 2349]
2. 2 [Option ID = 2350]
3. 3 [Option ID = 2351]
4. 4 [Option ID = 2352]

4) শিকাৰুক ভাষা এটাৰ সৈতে অৰ্থপূৰ্ণভাৱে সম্পৃক্ত হ'ব পৰাকৈ শব্দ সচেতনতা, লয়ৰ সচেতনতা আৰু শব্দৰ অন্তৰ্ভুক্ত সুৰ সম্পৰ্কীয় সচেতনতা আহৰণ কৰাত দক্ষতা অহাত সহায় কৰা বিষয়টো হৈছে -

- (1) সাহিত্যিক সচেতনতা
- (2) ধ্বনিতাত্ত্বিক সচেতনতা
- (3) যোগাযোগমূলক সচেতনতা
- (4) কথন সচেতনতা

[Question ID = 589][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_101_ASSAMESE_Q139]

1. 1 [Option ID = 2353]
2. 2 [Option ID = 2354]
3. 3 [Option ID = 2355]
4. 4 [Option ID = 2356]

5) যোগাযোগ দক্ষতা তথা বোধজনিত ক্ষমতাক প্ৰভাৱিত কৰা বিকাৰটো হৈছে -

- (1) ডাইক্যালকুলিয়া (Dyscalculia)
- (2) ডাইস্ফেচিয়া (Dysphasia)
- (3) ডাইচপ্ৰেক্সিয়া (Dyspraxia)
- (4) ডাইক্সেলেক্সিয়া (Dyslexia)

[Question ID = 590][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_101_ASSAMESE_Q140]

1. 1 [Option ID = 2357]
2. 2 [Option ID = 2358]
3. 3 [Option ID = 2359]
4. 4 [Option ID = 2360]

6) কোনটো পদ্ধতিয়ে শিকাৰুক বাস্তৱ জীৱনৰ সৈতে মুখামুখি হ'ব পৰাকৈ শ্ৰেণীকোঠাত ফলদায়ক বাৰ্তালাপত লিঙ্গ হোৱাৰ ক্ষেত্ৰত গুৰু দিবে ?

- (1) যোগাযোগমূলক ভাষা শিকন পদ্ধতি
- (2) ব্যাকৰণ অনুবাদ পদ্ধতি
- (3) দ্বিভাষিক পদ্ধতি
- (4) শ্ৰৱন ভাষিক (Audiolingual) পদ্ধতি

[Question ID = 591][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_101_ASSAMESE_Q141]

1. 1 [Option ID = 2361]
2. 2 [Option ID = 2362]
3. 3 [Option ID = 2363]
4. 4 [Option ID = 2364]

7) বীক্ষণ (Scanning)ৰ দ্বাৰা সন্ধান কৰা হয় –

- (1)লেখকৰ দৃষ্টিভংগী
- (2)জটিল শব্দ
- (3)এটা তথ্যখণ্ডৰ মাজৰ এটা বিশেষ প্ৰসংগ
- (4)কেন্দ্ৰীয় বিষয় বস্তু

[Question ID = 592][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_101_ASSAMESE_Q142]

1. 1 [Option ID = 2365]
2. 2 [Option ID = 2366]
3. 3 [Option ID = 2367]
4. 4 [Option ID = 2368]

8) এগৰাকী শিক্ষকে বিশ্বাস কৰে যে ভাষা হৈছে সাধাৰণ বৌদ্ধিক বিকাশৰ এক ধাৰাবাহিকতা। তেওঁ যিগৰাকী ব্যক্তিৰ তাত্ত্বিক দৃষ্টিভংগী অনুসৰণ কৰে তেওঁ হৈছে –

- (1)জাঁ পিয়াঁজে
- (2)বি.এফ. স্কিনাৰ
- (3)লে'ৰ ব্ৰ্যাগ'টস্কী
- (4)ষ্টিফেন ক্ৰেঞ্চেন

[Question ID = 593][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_101_ASSAMESE_Q143]

1. 1 [Option ID = 2369]
2. 2 [Option ID = 2370]
3. 3 [Option ID = 2371]
4. 4 [Option ID = 2372]

9) ভাষা শিক্ষণৰ ক্ষেত্ৰত ব্যাকৰণ-অনুবাদ পদ্ধতি (Grammar-translation method)এ ণ্ডৰু প্ৰদান কৰে –

- (1)ভাষা ব্যৱহাৰক প্ৰধান কৰি
- (2)গঠন-কেন্দ্ৰিক শিক্ষণ (form-focussed teaching)
- (3)অৰ্থ-কেন্দ্ৰিক শিক্ষণ (meaning-focussed teaching)
- (4)শিকনৰ সময়ত উচ্চাৰণ শক্তিশালী কৰাত ণ্ডৰু প্ৰদান কৰি

[Question ID = 594][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_101_ASSAMESE_Q144]

1. 1 [Option ID = 2373]
2. 2 [Option ID = 2374]
3. 3 [Option ID = 2375]
4. 4 [Option ID = 2376]

10) তলৰ কোনটো নিদানমূলক শিক্ষণৰ বৈশিষ্ট্য নহয় ?

- (1) ইয়াক ভাষিক দক্ষতা বৃদ্ধিৰ বাবে ব্যৱহাৰ কৰিব পাৰি ।
- (2) ইয়াক কিছুমান বিশেষ সমস্যা নিৰাময়ৰ বাবে ব্যৱহাৰ কৰিব পাৰি ।
- (3) শিক্ষাৰ্থীসকলে সন্মুখীন হোৱা সমস্যা আৰু প্ৰত্যাহ্বানবোৰ চিনাক্ত কৰাৰ পাছত আৰম্ভ কৰা হয় ।
- (4) শিক্ষাৰ্থীৰ শিকনক এক নিৰ্দ্ধাৰিত মান বা সীমাৰেখাৰ আধাৰত বিচাৰ কৰিবৰ বাবে ব্যৱহৃত হয় ।

[Question ID = 595][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_101_ASSAMESE_Q145]

1. 1 [Option ID = 2377]
2. 2 [Option ID = 2378]
3. 3 [Option ID = 2379]
4. 4 [Option ID = 2380]

11) তলৰ কোনটো বহুভাষিকতাৰ ক্ষেত্ৰত শুদ্ধ নহয় ?

- (1) ই ঘৰত ব্যৱহৃত ভাষা আৰু বিদ্যালয়ৰ ভাষাৰ মাজত সংক্ৰমণ সহজ কৰি তোলে ।
- (2) ই প্ৰতিটো শিশুৱেই গ্ৰেড ভিত্তিক কৌশলৰ ক্ষেত্ৰত বিচক্ষণতা আয়ত্ত কৰাত সহায় কৰে ।
- (3) ই শ্ৰেণীকোঠাৰ ছাত্ৰ ছাত্ৰীসকলৰ বিভিন্নজনে ব্যৱহাৰ কৰা ভাষা ইজন-সিজনৰ দ্বাৰা শিকাটো নিশ্চিত কৰে ।
- (4) বহুভাষিক ছাত্ৰ ছাত্ৰীসকলে অধিক বৌদ্ধিক শিথিলতা আহৰণ কৰাত সফল হয় আৰু একভাষিক সকলতকৈ বিদ্যায়তনিকভাৱে অধিক ভাল ফলাফল প্ৰদৰ্শন কৰে ।

[Question ID = 596][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_101_ASSAMESE_Q146]

1. 1 [Option ID = 2381]
2. 2 [Option ID = 2382]
3. 3 [Option ID = 2383]
4. 4 [Option ID = 2384]

12) ভাষা শিকনৰ ক্ষেত্ৰত কাহিনী কথনে গুৰুত্বপূৰ্ণ ভূমিকা গ্ৰহণ কৰে । তলৰ কোনটো কাহিনী কথনৰ ক্ষেত্ৰত অতি গুৰুত্বপূৰ্ণ ?

- (1) ই শ্ৰেণীকোঠাত আনন্দদায়ক পৰিস্থিতিৰ সৃষ্টি কৰে ।
- (2) ই ভাষা এটাক সামগ্ৰিকভাৱে উপস্থাপন কৰে ।
- (3) ই শিক্ষাৰ্থীসকলৰ নৈতিক প্ৰমূল্যৰ বিকাশ ঘটায় ।
- (4) ই শিক্ষাৰ্থীসকলৰ শব্দভাণ্ডাৰ উন্নত কৰে ।

[Question ID = 597][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_101_ASSAMESE_Q147]

1. 1 [Option ID = 2385]
2. 2 [Option ID = 2386]
3. 3 [Option ID = 2387]
4. 4 [Option ID = 2388]

13) প্রথম শ্ৰেণীৰ ছাত্ৰ-ছাত্ৰীক শিক্ষাদান কৰিবলৈ যাওঁতে মৌখিক ভাষাৰ বিকাশত অধিক ওৰুৱ দিব লাগে । তলৰ কোনটোৱে প্ৰথম শ্ৰেণীৰ শিক্ষাৰ্থীৰ মৌখিক ভাষা-দক্ষতা বিকাশত সহায় কৰিব পাৰে ?

- (1) চৰিত্ৰ ৰূপায়ণ (Role play)
- (2) ব্যাকৰণৰ খেল (Grammar games)
- (3) পদ্যৰ আবৃত্তি (Singing rhymes)
- (4) বৰ্ণৰ জ্ঞান আহৰণ

[Question ID = 598][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_101_ASSAMESE_Q148]

1. 1 [Option ID = 2389]
2. 2 [Option ID = 2390]
3. 3 [Option ID = 2391]
4. 4 [Option ID = 2392]

14) এগৰাকী ভাষা-শিক্ষকে সাধাৰণতে যুটীয়াভাৱে ৰা গোট বান্ধি ছাত্ৰ-ছাত্ৰীক কিছুমান কাম কৰিবলৈ দিয়ে । যেতিয়া ছাত্ৰ-ছাত্ৰীসকলে এনে কাম কৰি থাকে, তেতিয়া শিক্ষকগৰাকীয়ে কি কৰিব লাগে ?

- (1) শিক্ষকগৰাকী এনেই বহি নাথাকি শিকন বিকাশৰ বাবে কিবা পঢ়ি থাকিব লাগে ।
- (2) শিক্ষকগৰাকীয়ে এইটো নিশ্চিত কৰিব লাগে যাতে প্ৰত্যেকেই অংশগ্ৰহণ কৰে আৰু ইজনে সিজনক সহায় কৰে ।
- (3) শিকাৰুসকলৰ স্বতন্ত্ৰতাক সন্মান জনাই তেওঁলোকক মুকলিকৈ এৰি দিব লাগে ।
- (4) এইটো নিশ্চিত কৰিব লাগে যাতে শিক্ষাৰ্থীসকলে শ্ৰেণীত হাই উৰুনি কৰি নাথাকে ।

[Question ID = 599][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_101_ASSAMESE_Q149]

1. 1 [Option ID = 2393]
2. 2 [Option ID = 2394]
3. 3 [Option ID = 2395]
4. 4 [Option ID = 2396]

15) বুনীয়াদী স্তৰত শিক্ষকে শিক্ষাৰ্থীক চিত্ৰাংকনৰ বাবে অনুপ্রাণিত কৰে, কাৰণ -

- (1) শিশুৱে ছবি আঁকি ভাল পায় ।
- (2) ই সামগ্ৰিক অংগ সঞ্চালন দক্ষতা (gross motor skill) বৃদ্ধি কৰে ।
- (3) ই তেওঁলোকক চিত্ৰকৰ হোৱাত সহায় কৰিব ।
- (4) ই তেওঁলোকৰ মূৰ্ঠি দৃঢ় কৰে আৰু পেঞ্চিলৰ ওপৰত নিয়ন্ত্ৰণ শক্তিশালী কৰে ।

[Question ID = 600][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_101_ASSAMESE_Q150]

1. 1 [Option ID = 2397]
2. 2 [Option ID = 2398]
3. 3 [Option ID = 2399]
4. 4 [Option ID = 2400]

